फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 16 प्रभात जयपुर, रविवार 17 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Pura Luhur Uluwatu — Although Balinese Hindus do not specifically observe Janmashtami, as it follows a different calendar and ritual practice, the Indian Hindu diaspora celebrates it with devotion on the date according to their calendar

So Much Shoe And No More — 16th Century Had Sumptuary Laws Against Shoes: Fashion, Power, and Control

ट्रम्प और पुतिन मीटिंग अन्त में "फ्लॉप शो" रही

पुतिन की राजनीतिक रणनीति इतनी कामयाब रही कि ट्रम्प व उनकी टीम हांफती हुई नज़र आई मीटिंग के बाद

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बहुप्रचारित अलास्का मीटिंग का निराशाजनक अंत हुआ और बैठक महज एक अस्पष्ट वादे, "आगे और भी बातें होंगी" के साथ समाप्त हुई, और पुतिन ने संक्षेप में कहा, "अगली बार मास्को में।"

जो कुछ भी हुआ, उसने डॉनल्ड ट्रंप की दुनिया की सबसे बड़े "डील मेकर" की प्रतिष्ठा को चकनाचूर कर दिया।

- ट्रम्प केवल अस्पष्ट आश्वासन साथ लेकर उठे कि, बातचीत आगे जारी रहेगी, मुस्कुराते हुए पुतिन ने कहा, अगली मीटिंग मॉस्को में होगी।
- बैठक के बाद ट्रम्प ने तुरन्त यूक्रेन के राष्ट्रपति को फोन करके कहा, आगे की बात वे उनसे "वाइट हाउस" में करेंगे।
- जैसा मीटिंग में नज़र आया, राष्ट्रपति पुतिन तैयार नहीं हैं, जब तक उनकी मूल मांग, यूक्रेन पर उनका "कब्जा," पूरी तरह स्वीकार नहीं होती, यूक्रेन के पांचों पूर्वी प्रदेश लुहांस्क, डोनरस्क, ज़ैपोरिझिया, खैरसॉन व क्रीमिया उसको सौंपे नहीं जाते।

इस शो ने ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को एक तमाशा और नाटक भर साबित कर दिया। पुतिन ने छल और बातों को उलझाने की राजनीति की जो कुशलता दिखाई, उसने पूरे अमेरिकी कूटनीतिक तंत्र को स्तब्ध कर दिया।

इस बैठक की सबसे बड़ी असफलता यह रही कि अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की प्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद, यूक्रेन के अपमानित राष्ट्रपति की प्रतिष्ठा की बहाली नहीं हो सकी। बैठक के तुरंत बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की को फोन किया और उन्हें वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में, बैठक का निमंत्रण दिया - वही ओवल ऑफिस जहां पिछली बार ज़ेलेंस्की का अपमान हुआ था।

ट्रंप और उनके डिप्टी, उप राष्ट्रपति जेडी वैंस, ने पिछली बार ज़ेलेंस्की के साथ अमेरिकी नेताओं की बातचीत को अपमानजनक सत्र में बदल दिया था, जहाँ उन्हें यह कहा गया था कि उनके पास कोई कार्ड नहीं है।

अब जबकि अलास्का मीटिंग विफल हो चुकी है, तो ट्रंप ने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए ज़ेलेंस्की को कॉल किया और उनके साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और पोलैंड के राष्ट्रपति कारोल नवरोकी जैसे कई यूरोपीय नेता भी इसमें शामिल हो गए।

अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप रूस के राष्ट्रपति से इतने भयभीत दिखे कि उन्होंने अपने उस वादे पर अभी तक कोई कदम नहीं उठाया कि अगर पुतिन ने युद्धविराम या शांति समझौते से इनकार किया तो उन्हें पर कठोर सजा दी जाएगी।

अगर बैठक की रूपरेखा देखें, तो यह स्पष्ट था कि पुतिन शांति समझौते को लेकर गंभीर नहीं थे, जब तक उनकी मूल मांग पूरी न हो जाए और उनकी मांग है, यूक्रेन का पूर्ण अधीनस्थीकरण और उसकी संप्रभुता का अंत।

रूस की यह मंशा उसके कृत्यों से साफ जाहिर हो रही थी।

जैसे ही अलास्का में बैठक शुरू हुई, रूस ने यूक्रेन पर ज़बरदस्त आक्रमण शुरू कर दिया - विशेषकर फ्रंटलाइन इलाकों में। यह यूक्रेन के खिलाफ अब तक के सबसे क्रूर हमलों में से एक था। पुतिन की मांग साफ़ थी: यूक्रेन के पांच पूर्वी प्रांतों- लुहांस्क, डोनेट्स्क, ज़ापोरीझिया, खेरसॉन और क्रीमिया को पूरी तरह से रूस को सौंप दिया जाए।

अगर ये क्षेत्र रूस के नियंत्रण में आ जाते हैं, तो अगला कदम शायद यूक्रेन के बाकी हिस्सों पर कब्ज़ा करना होगा, ताकि पूर्वी यूरोप में "साम्राज्यवादी रूस" की पुतिन की कल्पना को साकार किया जा सके।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म

जयपुर, 16 अगस्त। बस्सी थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा बहला-फुसलाकर एक चौदह वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बस्सी थाने में नाबालिग पीड़िता के भाई की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बस्सी के रहने वाले युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी चौदह वर्षीय बहन के साथ आरोपित परिचित ने दुष्कर्म किया। आरोप है कि परिचित होने के कारण आरोपित से बातचीत होती रहती थी। जुलाई महीने में नाबालिग बहन किसी काम से घर से निकली थी। इस दौरान रास्ते में आरोपित परिचित ने मिलने पर उसको रोक लिया। बातचीत कर धोखे से बहला-फुसलाकर अपने साथ बस्सी फाटक के पास ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती की।

- 14 वर्षीय पीड़िता के भाई ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाकर परिचित पर आरोप लगाया।

विरोध करने पर मारपीट कर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। इस बारे में किसी को बताने पर धमकी दी। लम्बे समय से डरी-सहमी नाबालिग को देखकर परिजनों ने दबाव बनाकर पूछा तो उसने आरोपित परिचित के करतूत के बारे में बताया। पुलिस दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

वैश्विक राजनीति की मजबूरियां करीब ला रही हैं भारत और चीन को

चीन के विदेश मंत्री सोमवार को भारत आ रहे हैं दो दिवसीय दौरे पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तर्कहीन और अचानक लिए गए निर्णयों वाली नीतियों से जूझ रहे भारत और चीन के रिश्तों में अब गर्माहट आने लगी है। इसी क्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी आगामी सोमवार से दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं, जहाँ वे नेशनल सिक्योरिटी एडवाइज़र (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता करेंगे।

- ट्रंप की अटपटी नीतियों और टैरिफ धमकियों ने दोनों देशों को अपने बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए मजबूर कर दिया है।
- चीन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी शंघाई कोऑपरेशन समिट में शामिल होने चीन जाएंगे, जहां वे चीन के राष्ट्रपति से भी मीटिंग कर सकते हैं।
- भारत और चीन 2020 से ठप्प पड़ी वार्ता पुनः शुरू करने पर मान गए हैं। चीन के विदेश मंत्री इसी सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बुलाने पर भारत आ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय द्वारा आज की गई घोषणा के अनुसार, भारत-चीन सीमा वार्ता, जो 2020 में चीनी घुसपैठ के बाद स्थगित हो गई थी, दिसंबर 2024 में दोबारा शुरू हुई थी।

वांग का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से कुछ ही दिन पहले हो रहा है। मोदी शंघाई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जा रहे हैं।

हालाँकि नई दिल्ली और बीजिंग दोनों ही संबंधों की बहाली को लेकर सतर्कता बरत रहे हैं और इसे बहुत प्रचारित नहीं कर रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि अमेरिका द्वारा घेरे जाने के बाद, भारत ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। भारत और चीन के प्रवक्ताओं ने नई दिल्ली और बीज़िंग में जोर देकर कहा है कि चीनी विदेश मंत्री का भारत दौरा मुख्य रूप से विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) के बीच सीमा मसले पर वार्ता के अगले दौर के लिए हो रहा है।

वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, "राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की पोलितब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी 18 और 19 अगस्त को भारत दौरे पर आएंगे।"

बयान में आगे कहा गया, "अपने दौरे के दौरान, वे भारत के विशेष प्रतिनिधि एनएसए डोभाल के साथ भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बड़ी उत्कंठा से ट्रम्प-पुतिन मीटिंग का इन्तज़ार हो रहा था

पर पुतिन की मुलाकात के बारे में सोच का संकेत मिला था, रूस के विदेश मंत्री के आगमन से

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रीय ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 अगस्त। दुनिया आज अलास्का में होने वाली ट्रंप-पुतिन बैठक के नतीजों को लेकर रुकी हुई सांसों के साथ इंतज़ार कर रही है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन में शांति स्थापित करना है। लेकिन इसके अतिरिक्त, इस बैठक का शांतिपूर्ण समाधान विश्व अर्थव्यवस्था पर भी बड़े असर डाल सकता है।

हालांकि, कुछ संकेत, आगे की संभावित कार्यवाही या कम से कम प्रतिभागियों की मानसिकता को पहले से ही दर्शा सकते हैं।

मीटिंग स्थल पर पहुंचे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पहनावे ने सबका ध्यान आकर्षित किया।

लावरोव नीली जीन्स, काली जैकेट और एक सफेद स्वेटर में पहुँचे थे, जिसके सीने पर सी. सी. सी. पी. (पूर्व सोवियत संघ का रूसी संक्षेप), :छपा हुआ था। इसे, मीटिंग को लेकर रूस के रवैये और इस बैठक की भावना का प्रतीक माना जा रहा है।

- विदेश मंत्री सर्गेइ लेवारो, बड़ी ही "कैज़ुअल" (गैर औपचारिक) ड्रेस में, मीटिंग में आये थे। उन्होंने नीली जींस, ब्लैक जैकेट व सफेद स्वैटर पहना हुआ था, जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था, सी.सी.सी.पी., रूसी लिपी में, जिसका अंग्रेजी में मतलब था, यू.एस.एस.आर. (यूनियन ऑफ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक)।
- ये अक्षर रूस व पुतिन के सोच का प्रतिबिम्ब थे। पुतिन सदा कहते रहे हैं, कि यू.एस.एस.आर. रूस के इतिहास का स्वर्णिम युग था, तथा यू.एस.एस.आर. का विघटन, बीसवीं सदी की सबसे दुःखद घटना थी, तथा वे पुराना स्वर्णिम युग वापस स्थापित करना चाहेंगे।
- अतः यह सम्भावना बहुत कम थी, कि पुतिन ट्रम्प मंथन में कोई समाधान निकलेगा, यूक्रेन की सार्वभौमिकता को पुनः स्थापित करने के लिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ की पहाड़ियों में नर कंकाल मिला

जयपुर, 16 अगस्त। राजधानी जयपुर की नाहरगढ़ थाना इलाके में स्थित नाहरगढ़ की पहाड़ियों पर शनिवार को एक नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, यह नर कंकाल सौ फीट गहरी खाई में पड़ा था,यहां घूमने पहुंचे युवकों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कंकाल करीब एक महीने पुराना बताया जा रहा है। जिसके शरीर का सत्तर फीसदी हिस्सा जानवर खा चुके थे। पुलिस टीम सिविल डिफेंस और एफएसएल की टीम की मदद से नर कंकाल को बरामद कर सबूत जुटा रही है। फिलहाल मामले की जांच पडताल की जा रही है।

- 100 फीट गहरी खाई में पड़ा नर कंकाल एक माह पुराना बताया जा रहा है। शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा जानवर खा गए हैं।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि नाहरगढ इलाके में नरसिंह कॉलोनी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओबामा, बाइडन व ट्रम्प चाहते थे, कि भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया की भांति चीन के खिलाफ खुलकर आये

पर, भारत यह भूमिका निभाने को तैयार नहीं हुआ, क्योंकि चीन से खुली लड़ाई की फायनैंशियल व डिफैन्स की चुनौती भारत को बहुत भारी पड़ती

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 अगस्त। हाल में कई विदेश नीति विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत-अमेरिका रिश्ते पिछले 20 सालों में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गए हैं, खासकर तब से, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान से नज़दीकियां बढ़ाईं, भारत-विरोधी बयान दिए और अंत में भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया।

हालाँकि यह आकलन, कि रिश्ते 20 सालों में सबसे निचले स्तर पर हैं, पूरी तरह सही नहीं है। सच यह है कि वॉशिंगटन लंबे समय से भारत को इंडो-पैसिफिक में चीन का संतुलन बनाने वाली ताकत के रूप में देखता रहा है। बराक ओबामा की "पिवैट टु एशिया" नीति से लेकर ट्रंप की इंडो-पैसिफिक स्ट्रैटेजी और जो बाइडन के क्वाड को मज़बूत करने तक, हर सरकार ने उम्मीद की कि नई दिल्ली चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने में बड़ी भूमिका निभाएगा। लेकिन भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी नीति के तहत अमेरिका का मोहरा बनने से इन्कार किया और क्वाड को एक सुरक्षा संवाद व सहयोग मंच के रूप में रखा, न कि नाटो जैसे चीन-विरोधी सैन्य गठबंधन के रूप में।

- भारत की ओर से मिली निराशा, ट्रम्प पचा नहीं पाये, और उन्होंने आक्रामक रूख अपना लिया।
- अतः भारत की विदेश नीति की सफलता इसी में है, कि वह वॉशिंगटन बनाम बीजिंग के लफड़े में नहीं पड़े तथा दोनों का लाभ लेते हुए आगे बढ़े।

तथापि, यह तर्क इस दावे पर कमज़ोर पड़ता है, कि अमेरिका जानबूझकर भारत को दुश्मनों से घेर रहा है। हाँ, यह सच है कि अमेरिका ने पाकिस्तान से रिश्ते बनाए रखे हैं, प्रवासी समुदाय में खालिस्तानी तत्वों को जगह दी है और बांग्लादेश से लेन-देन वाले संबंध रखे हैं, लेकिन इस बात के ठोस सबूत नहीं हैं कि ये सब भारत को कमजोर करने की किसी संगठित रणनीति का हिस्सा हैं। ज़्यादा संभव है कि ये कदम अमेरिकी विदेश नीति की पुरानी आदत दर्शाते हों, यानी एक साथ कई, कभी-कभी विरोधाभासी, रास्तों पर चलना, जो कि घरेलू दबाव और रणनीतिक गणनाओं से प्रभावित होते हैं।

बड़ी तस्वीर यह है कि अमेरिका का प्लान था, एशिया में भारत को एक लोकतांत्रिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में खड़ा करना, जो चीन का संतुलन बना सके, वह भी अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी के बिना। इसी सोच से अमेरिका ने भारत को क्वाड में गहराई से जोड़ा, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास बढ़ाए और तकनीकी व रक्षा सहयोग का विस्तार किया। लेकिन तनाव तब बढ़ा, जब अमेरिका को लगा कि भारत चीन के खिलाफ खुलकर खड़ा होने से बच रहा है, चाहे बात साउथ चाइना सी की हो, ताइवान की, या फिर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद की। जब भारत ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से ऊर्जा आयात जारी रखा, तो बाइडन प्रशासन की नाराज़गी और बढ़ गई। ट्रंप के पाकिस्तान के प्रति झुकाव के साथ-साथ ऊंचा शुल्क और भारत विरोधी बयानबाजी ने अब इस बढ़ते असंतोष को और आगे बढ़ाया है।

असल मोड़ यह है कि जापान और आस्ट्रेलिया के विपरीत भारत ने चीन के खिलाफ फ्रंटलाइन स्टेट बनने से इनकार कर दिया, क्योंकि जापान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू और प्र.मंत्री मोदी ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 16 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , कई केन्द्रीय मंत्रियों और अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शनिवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी समाधि 'सदैव अटल' जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के अलावा, स्पीकर ओम बिडला, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रमुख नेता उनकी समाधि "सदैव अटल" पहुंचे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब देश आत्म निर्भरता की नई कहानी लिख रहा है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में झंडा फहराया

जोधपुर/जयपुर, 15 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है, बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब 'जय अनुसंधान' जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

शर्मा ने ध्वजारोहण के बाद परेड का निरीक्षण किया और मार्चपास्ट की सलामी ली। इस दौरान एमआई-17 हेलीकॉप्टर से राष्ट्रीय ध्वज पर पुष्पवर्षा की गई। समारोह में मुख्यमंत्री ने एडीजी एटीएस एवं एसओजी विजय कुमार सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया तथा अनेक अधिकारियों को योग्यता प्रमाण पत्र दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल ने जन्माष्टमी पर गोविंद देव जी के दर्शन किए

जयपुर, 16 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सपत्नीक जयपुर के आराध्य देव श्री गोविन्द देव जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन की खुशहाली की प्रार्थना की।

- मुख्यमंत्री भजनलाल व उनकी पत्नी ने भगवान गोविन्द देवजी की विधिवत् पूजा अर्चना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिए, वे आज भी हमारे जीवन को सार्थक बना रहे हैं। हम सभी को भगवान श्री कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने कर्म की प्रधानता का संदेश दिया था। इसे आत्मसात कर हम सभी को विकसित भारत, विकसित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

यजुर्विद संहिता के आलोक में व्यक्तिगत जीवन

मैं अपने जीवन के उन पहलुओं की कहानी आपके साथ साझा करना चाहता हूँ, जिसने मेरे जीवन को नई दिशा दी, उसे सार्थक बनाया, और मुझे वह शांति और संतोष प्रदान किया जिसकी खोज में मैं वर्षों तक भटकता रहा। यह यात्रा केवल बाहरी सफलताओं की नहीं थी, बल्कि एक गहरी, आत्मिक और व्यक्तिगत यात्रा थी, जिसने मुझे सिखाया कि जीवन को कैसे सार्थक और संतुलित बनाया जा सकता है। इस यात्रा के दौरान मैंने उद्देश्य, आत्म-विकास, और सकारात्मकसंबंधों के साथ ही सुखायु (आनंद से भरे दीर्घ जीवन) और हितायु (कल्याणकारी दीर्घ जीवन) के महत्व को समझा।

शुरुआती वर्षों में जबरदस्त और लगभग अवर्णनीय संघर्ष रहा। इस संघर्ष ने मुझे आर्थिक, सामाजिक और आजीविका संबंधी मुद्दों में एक नई दृष्टि दी। संघर्ष के पर जाकर वह सब कुछ प्राप्त करने के लिए एक प्रोत्साहन मिला और वह सब कुछ मिला जो जो मेरी दृष्टि में महत्वपूर्ण था। लेकिन एक दिन, जब मैं अपने आप से पूछ बैठा, 'क्या यह सब है?' उस दिन मैंने निर्णय लिया कि मुझे अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य की खोज करनी होगी।

मैंने अपने जीवन को न केवल खुद के लिए, बल्कि समाज के लिए उपयोग करने की दिशा में लगाया। मैंने बच्चों की शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, और सामाजिक सेवा में सक्रियता से सम्मिलित होना प्रारंभ किया। इससे मुझे न केवल जीवन की दिशा मिली, बल्कि हर दिन एक नए उत्साह के साथ काम करने की प्रेरणा भी। जीवन का उद्देश्य न केवल हमारे कार्यों को सही दिशा देता है, बल्कि यह हमें जीवन की गहराई और सच्चे संतोष से जोड़ता है। उद्देश्यपूर्ण जीवन सार्थक जीवन का यह एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उद्देश्य का पता ना हो तो व्यक्ति निरर्थक घूमता रहता है। इसे अन्य शब्दों में कहें तो सार्थक जीवन एक ऐसा जीवन होता है जिसका उद्देश्य बिल्कुल साफ होता है और उसे उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में व्यक्ति निरंतर लगा रहता है।यह उद्देश्य स्वयं की उन्नति के साथ-साथ समाज और पर्यावरण की उन्नति से जुड़ा होना अनिवार्य है। यदि उद्देश्य केवल स्वार्थ से प्रेरित हों तो जीवन सार्थक नहीं रह पाता। आइए, आगे देखते हैं कि उद्देश्य स्पष्ट होने के बाद आत्म विकास किस तरह महत्वपूर्ण है।

उद्देश्य मिल जाने के बाद, मैंने अपने आत्म-विकास पर ध्यान देना शुरू किया। मुझे यह अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई कि सीखना और स्वयं को निरंतर बेहतर बनाना जीवन को अद्वितीय बनाता है। पूरे जीवन को पीछे जाकर देखा हूं तो यह साफ होता है कि सदैव कुछ ना कुछ नया सीखने और उसमें महारत हासिल करने से दो उद्देश्यों की पूर्ति एक साथ हो जाती है। पहली बात जीवन में उन्नति के लिए नया ज्ञान और कौशल आवश्यक है, और दूसरी बात, जीवन में हमेशा कुछ नया पाने और करने की संभावना और उस संभावना के अनुरूप प्रयास स्वयं में आनंदित करते हैं। सफलता तो उसका बाइ-प्रोडक्ट है।आत्म-विकास का यह रास्ता न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रबल बनाता है, बल्कि यह जीवन में एक नए आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार भी करता रहता है।

इस यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि आत्म-विकास सिर्फ मानसिक या बौद्धिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और आत्मिक भी होता है। मैंने ध्यान और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाया, जिसने मुझे अपनी आंतरिक शांति की खोज में मदद की। आत्म-समझ और आत्म-स्वीकृति, आत्म-विकास की सबसे बड़ी कुंजी हैं, और यही मेरी यात्रा का सार है।

ज्ञान और कौशल महत्वपूर्ण हैं लेकिन ये सब अपने आप में सार्थक जीवन के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। सार्थक जीवन के लिए विविध प्रकार के सकारात्मक संबंधों को विकसित करना अनिवार्य है।

इस दौरान मैंने यह भी समझा कि जीवन के संबंध कितने महत्वपूर्ण होते हैं। मैंने महसूस किया कि सफलता और विकास के बीच में अपने परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों को अनदेखा करके सार्थक जीवन नहीं पाया जा सकता। मैंने जीवन के प्रारंभिक काल में ही यह बात समझ लिया था कि अपने परिवार और मित्रों के साथ उचित और पर्याप्त समय बिताना आवश्यक है। किंतु यहां ध्यान देने वाली वाली बात यह है कि ऐसे संबंध केवल स्वार्थ की पूर्ति के लिए नहीं होने चाहिए। रिश्ते मेरे जीवन में संतुलन और प्रसन्नता लाते हैं। जीवन के संघर्षों के बीच, जब हमारे पास सच्चे संबंध होते हैं, तो हर कठिनाई को पार करना आसान हो जाता है। इन संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने नियत कर्तव्यों का पालन करते हैं या नहीं। उदाहरण के लिए आप किसी के भाई हैं, किसी के मित्र हैं, किसी के गुरु हैं, किसी के शिष्य हैं, तो क्या आप अपने इन सभी संबंधों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का पालन करते हैं। अगर उत्तर 'हां' में है तो आपका जीवन सार्थक है। और अगर उत्तर 'ना' में है तो आपको अपने जीवन को संवारने के लिए पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। आइए आगे देखते हैं कि इन संबंधों में स्वयं के साथ संबंध, सामाजिक संबंध, और अपने पर्यावरण के साथ संबंध कैसे स्थापित करना आवश्यक है।

जीवन की सार्थकता तब होती है, जब ये सभी घटक एक साथ सामंजस्य में कार्य करते हैं। उद्देश्य जीवन को दिशा देता है, आत्म-विकास से मानसिक और बौद्धिक समृद्धि होती है, सकारात्मक संबंध मन को शुद्ध और शांत रखते हैं, और सुखायु-हितायु का संयोग जीवन को संपूर्णता और संतोष प्रदान करता है।

मेरी इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पहलू जुड़ा, जिसे मैंने सुखायु और हितायु के रूप में समझा। सुखायु का अर्थ है वह दीर्घ जीवन जो आनंद से भरा हो। मैंने पाया कि केवल दीर्घायु होना महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि जीवन किस प्रकार से जिया जा रहा है, यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। मैंने अपने जीवन में सुख का अनुभव किया-चाहे वह मेरे काम के माध्यम से हो, मेरे संबंधों में हो, या फिर मेरे आत्म-विकास की प्रक्रिया में हो। आनंदमय जीवन ही सही अर्थों में सार्थक जीवन होता है। सुखायु में सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। इन दोनों के बिना जीवन सार्थक नहीं रह पाता। सुखायु में स्वास्थ्य, आजीविका से संबंधित विभिन्न प्रकार की पूंजी सम्मिलित हैं जो जीवन को सार्थक बनाती हैं। लेकिन केवल स्वयं का सुख जीवन को सार्थकता और पूर्णता नहीं प्रदान कर सकता। सार्थक जीवन की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारा जीवन औरों के लिए हितकारी हो। आईए, देखते हैं कि इस हितकारी जीवन, जिसे यहां हितायु कहा गया है, क्या है।

हितायु का अर्थ है वह दीर्घ जीवन जो केवल व्यक्तिगत आनंद के लिए नहीं, बल्कि दूसरों के कल्याण के लिए भी समर्पित हो। मैंने यह जाना कि जब हम अपने कार्यों से समाज और प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभाते हैं, तब हमारा जीवन केवल सुखद नहीं, बल्कि हितकारी भी हो जाता है। यह समझना कि हमारा जीवन दूसरों के लिए भी लाभकारी हो सकता है, एक अद्वितीय अनुभव है, जिसको निरंतर जीने से मुझे गहरी संतुष्टि प्राप्त होती है।

कुल मिलाकर आपयजुर्विद संहिता के निम्नलिखित सूत्रों से बात समझ सकते हैं। जीवनमार्गेऽस्तिचतुर्विधोऽयं, उद्देशधर्मः परमात्मवृद्धिः। संबंधसिद्धिर्हितसंप्रयुक्ता, सुखायुवृत्तिः सततंप्रपन्ना।। तात्पर्य यह है किजीवन के पथ पर चार मुख्य मार्ग हैं-जीवन का उद्देश्य, आत्म-विकास, हितकारी संबंधों की सिद्धि, और सुख से भरा जीवन। उद्देशधर्मेणनिरन्तरंस्यात्, ध्येयं सदा सर्वहितंप्रवृत्तम्। संपत्तिसिद्धिर्हियथार्थभावा, जनस्यसौख्यं च तथैवजातम्।। उद्देश्य की निरंतरता होती है, जो सदा सभी के हित में प्रवृत्त होता है। यह यथार्थ दृष्टि से समृद्धि और समाज के सुख को सुनिश्चित करता है। आत्मोपवृद्धिः परमान्तरात्मा, स्वाध्याययुक्तागुणवृद्धिशीला। ज्ञानं च नित्यंपरितः प्रबुद्धं, धीरंमनोयत्रसुवर्णवर्णम्।। आत्म-विकास आंतरिक आत्मा की प्रगति है, जो स्वाध्याय से युक्त होकर गुणों का विकास करती है। ज्ञान सदा प्रबुद्ध होता है, जहाँ मन की स्थिरता और उज्जवलता प्राप्त होती है। संबंधसिद्धिर्निखिलं सदा स्यात्, शान्तिप्रदंमित्रजनस्यहेतुः। हर्षप्रदंचित्तिवमुक्तिकारी, नित्यं सदा निर्मलमानसेषु।। सकारात्मक संबंध सदा पूर्ण होते हैं, जो शांति और मित्रता को बढ़ाते हैं। ये संबंध मन को आनंद और मुक्ति देते हैं, और सदा निर्मल विचारों के साथ होते हैं। सुखायुवृद्धिर्हितसंप्रयुक्ता, आत्मार्थभावेनसमृद्धिदायः। सर्वेषुभूतेषुकृपान्वितंयः, जीवन्यहीतः स भवत्यनन्तः।। सुखायु की वृद्धि हितकारी कार्यों से युक्त होती है, जो आत्मार्थता के साथ समृद्धि प्रदान करती है। सभी प्राणियों के प्रति करुणा रखने वाला जीवन सदा के लिए हितकारी होता है। संयुक्तमार्गेण यथा प्रवृत्तिः, सिद्ध्येत्सदाशान्तियुतासमर्था। उद्देशपूर्णंहियथार्थयुक्तं, सुखायुतंस्यात्हितसंप्रयुक्तम्।। एकीकृत मार्ग पर सही दिशा में चलने से सदा शांति और सामर्थ्य की सिद्धि होती है। जब उद्देश्य स्पष्ट और यथार्थ हो, तो जीवन सदा सुख और हित से युक्त होता है।

समग्रता में ये सूत्र जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं-उद्देश्य, आत्म-विकास, सकारात्मक संबंध, सुखायु (आनंद से भरे दीर्घ जीवन) और हितायु (कल्याणकारी दीर्घ जीवन)-का संपूर्ण चित्रण करते हैं। जीवन की सार्थकता तब होती है, जब ये सभी घटक एक साथ सामंजस्य में कार्य करते हैं। उद्देश्य जीवन को दिशा देता है, आत्म-विकास से मानसिक और बौद्धिक समृद्धि होती है, सकारात्मक संबंध मन को शुद्ध और शांत रखते हैं, और सुखायु-हितायु का संयोग जीवन को संपूर्णता और संतोष प्रदान करता है।

इसके साथ ही निम्न लिखित बातें महत्वपूर्ण है (यजुर्विद संहिता): विज्ञानमेतद्सममाश्रितोऽस्मि, साक्ष्येस्थितोऽहंधृतिनिर्मलश्च।सत्यं च निष्पक्षतयादधानः, करुणां तथा परहितंवहामि।। तात्पर्य यह है कि मैंने विज्ञान और अध्यात्म को समान रूप से अपनाया है। साक्ष्य में स्थिर रहते हुए, मैं निष्पक्षता, सत्य, धैर्य को धारण करता हूँ, और साथ ही करुणा और परोपकार का वहन करता हूँ। सत्यंधृतिः संयमितंमनश्च, सत्त्वे करुणा परमार्थिता च। एतेममार्थेपरमार्गदर्शाः, जीवस्यमार्गेजटिलेसहायाः।। सत्यनिष्ठा, आत्म-नियंत्रण, करुणा और परोपकार मेरे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। ये सिद्धांत जीवन के जटिल मार्ग पर चलने में मेरी सहायता करते हैं। दोषैर्युतंनाभिलषे कदाचित्, ज्ञानंततः शुद्धमथाऽवधार्य। विज्ञानयोगेनसमं च तत्त्वं, धार्यंसमासादितवृत्तिमेकम्।। मैं दोषयुक्त ज्ञान की आकांक्षा कभी नहीं करता, बल्कि शुद्ध और सत्य ज्ञान की प्राप्ति की चाह रखता हूँ। विज्ञान और आध्यात्म के योग से मैंने अपनी जीवन धारा को एक दिशा में स्थापित किया है, जिससे जीवन में पूर्णता और संतुलन आता है।

आज, जब मैं अपने जीवन की इस यात्रा पर पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मुझे गर्व होता है कि मैंने उद्देश्यपूर्ण, आत्म-विकास पर केंद्रित, और सकारात्मक संबंधों से भरा जीवन जिया है। सुखायु और हितायु की ओर मेरी यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि एक सार्थक जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी होता है। यही वह जीवन है, जिसमें न केवल हम स्वयं आनंदित होते हैं, बल्कि हम समाज और प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व भी निभाते हैं। यही मेरी आत्मकथा का सार है-एक जीवन, जो हर दिन सार्थकता और संतुलन से भरा है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में राष्ट्रीयआयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

'अच्छी शिक्षा' कैसी हो?

राजेन्द्र भाणावत

भारत में स्वतंत्रता के बाद जितने प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में हुए, उतने शायद किसी क्षेत्र में नहीं हुए हैं। राजस्थान तो विशेषकर प्रयोगों का गढ़ रहा है। तीन बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनी। कभी व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया तो कभी इसे बंद कर दिया गया। कभी बोर्ड की परीक्षा दसवीं क्लास से भी हटा दी गई तो कभी पांचवीं का भी बोर्ड बना दिया गया। आजकल, खुली किताबों के माध्यम से परीक्षा कराने की बात की जा रही है। कभी एन जी ओ द्वारा संचालित संस्थाओं को 90% तक अनुदान सरकार द्वारा दिया जाता था, तो अब इसे बिल्कुल समाप्त कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि ये सारे बदलाव बहुत ही सतही सिद्ध हुए। समय के साथ सरकारी और निजी स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता में भी बहुत अंतर आता गया। हालत यह हो गई कि सरकारी स्कूल केवल गरीबों के स्कूल बन कर रह गए। राजस्थान में तो आधे से अधिक बच्चे निजी विद्यालयों में जाने लगे। निजी विद्यालयों की फीस पर सरकार कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पाई। अधिकांश तकनीकी उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए बोर्ड में प्राप्त अंक महत्वहीन हो गए। इनमें प्रवेश के लिए अलग से प्रतियोगी परीक्षा होने लगी, जिसके कारण बहुत बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान खुलते चले गए जो विद्यार्थियों के मानसिक एवं आर्थिक शोषण के माध्यम बन गए।

इन सब परिवर्तनों के बाद भी शिक्षा, अच्छे समाज के निर्माण का माध्यम नहीं बन पाई । समाज में जो बदलाव हुए भी, तो वे समाज को पतन की ओर ले जाने वाले सिद्ध हुए। हम इस पर चर्चा करेंगे कि 'अच्छी शिक्षा' किसे कहते हैं ?

अच्छी शिक्षा वह है जो इंजिनियरिंग स्नातक को न केवल तकनीकी ज्ञान और कौशल में निष्णात बनाए बल्कि उनमें यह भावना भी विकसित करे कि उनके लिए जनकल्याण सर्वोपरि है। उनके द्वारा बनाए हुए पुल पहली बारिश में टूट कर लोगों की जान न ले लें। वे भवन ऐसे न बनाएं कि उनकी छत टूटने से मासूम बच्चे दब कर मर जाएं। वे ऐसी सड़के न बनाएं जिसमें दो इंच बारिश से ही अनेक गड्ढे हो जाएं । वे बांध ऐसे नहीं बनाएं जो कुछ ही समय में टूटकर गांवों को जल प्लावन का शिकार बना ददें। वे सरकारी धन का उपयोग यह मान कर करें कि वह उनका स्वयं का पैसा है । और अपनी तनख्वाह में जीना सीखें। वे ठेकेदारों से कमीशन न लें ताकि हर काम गुणवत्ता पूर्ण हो। इंजीनियर ऐसे बनें जो पूरे मनोयोग से अपनी क्षमता के अनुसार ऐसा निर्माण कार्य कराएं जो वर्षों तक खराब न हो। रियासत के जमाने के बने हुए बांध और पुल आज भी वैसे के वैसे खड़े हैं जबकि उनका निर्माण बिना डिग्री धारी इंजीनियरों ने कराया था।

'अच्छी शिक्षा' से ऐसे चिकित्सक निकलें जो मरीज का इलाज करते समय केवल एक ही बात का ध्यान रखें कि मरीज कैसे स्वस्थ हो सकता है? वे यह सोचकर दवाइयां न लिखें कि कौन सी कंपनी उन्हें अधिक कमीशन दे रही है। वे मरीजों की अनावश्यक जांच भी अधिक कमाई के लोभ में न लिखें, ताकि गरीब पर उसका भार न पड़े। चिकित्सक अपनी सेवाओं के लिए शुल्क लें, इसमें किसी को ऐतराज नहीं है, किंतु प्रत्येक लिए गए शुल्क की रसीद मरीज को दें। वह केवल कॉर्पोरेट अस्पतालों का लाभ बढ़ाने हेतु अनैतिक कार्य में सहयोगी न बनें ।चिकित्सकों को समझना होगा कि उनका व्यवसाय पवित्र है और उसकी पवित्रता को बनाए रखना उनका पहला ध्येय होना चाहिए। 'अच्छी शिक्षा' दक्ष चिकित्सक को तैयार करने के साथ ही, उनमें वह मानसिकता भी उत्पन्न करेगी, जिसके चलते वे मरीजों के हित को स्वयं के स्वार्थ के ऊपर रखते हुए कार्य करेंगे। वे अधिकांश लोगों के स्वस्थ रहने की कामना करेंगे न कि उनके बीमार होने की, ताकि वे उनसे पैसा कमा सकें । कोरोना के दौरान कुछ चिकित्सकों द्वारा जिस प्रकार का व्यवहार गरीब जनता के साथ किया गया, उसने इस पवित्र पेशे को बदनाम ही किया। अच्छी शिक्षा यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ऐसा कभी नहीं होगा।

'अच्छी शिक्षा' से तात्पर्य यह है कि यदि कोई शिक्षक बने तो वह ऐसा बने कि वह बच्चों के भविष्य के साथ अपना भविष्य जोड़े । वह पढ़ाई केवल नौकरी प्राप्त करने के लिए न करे अपितु निरंतर अपनी योग्यता, कौशल और दक्षता को परिमार्जित करने में लगा रहे। वह शिक्षक ऐसा बने जिसका समुदाय के साथ पूरा जुड़ाव हो। जो दबाव और प्रलोभन के कारण किसी भी अयोग्य विद्यार्थी को अधिक अंक परीक्षा में न दे। शिक्षक बच्चों को डराने के बजाय उनके लिए आनंददाई शिक्षण प्राप्त करने का माध्यम बने । बदलती तकनीक का उपयोग करते हुए वे अपने मूलभूत मूल्यों को बनाए रखें। जिस प्रकार के मूल्य, बच्चों में शिक्षकों के द्वारा डालने की अपेक्षा है, वैसे ही मूल्यों का प्रदर्शन अपने कार्य और व्यवहार में करते हुए दिखाए दें। कहा भी गया है कि बच्चे वह नहीं करते जो उन्हें कहा जाता है बल्कि वह करते हैं जैसा वे होते हुए देखते हैं। जब शिक्षक अच्छी शिक्षा प्राप्त करके निकलेंगे तो वे ट्यूशन का धंधा नहीं चलाएंगे। जो बच्चों के विकास को जीवन का उद्देश्य मानते हुए कार्य करेंगे। यह बात सभी प्रकार के शिक्षकों पर लागू होगी, चाहे वे सरकारी विद्यालय में कार्य कर रहे हों अथवा निजी विद्यालयों में।

'अच्छी शिक्षा' प्राप्त करके यदि कोई सरकारी अधिकारी बनता है तो वह रिश्वत न ले, न ही पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करे। वह दबाव और प्रलोभन में आए बिना निष्पक्षता पूर्वक अपना कार्य पूर्ण निष्ठा से करे। उसके लिए सबसे ऊपर संविधान और गरीब का हित होगा। वह बिना किसी भेदभाव के और लाग लपेट के विभिन्न सरकारी नीतियों का इस प्रकार से क्रियान्वन करे कि उनका अधिकाधिक लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। वह अहंकारी नहीं हो एवं साधारण जनता से मिलने के लिए सदैव उपलब्ध हो। ऐसे नौकरशाह विनम्र हों और कार्य करने के लिए तत्पर भी हों। वह यह देखकर कार्य नहीं करें कि उसके लिए किसी की सिफारिश है अथवा नहीं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करके नौकरशाहों की नीयत यदि अच्छी बनेगी तो वास्तव में सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन गरीबों के हित में करने के निमित्त बनेंगे।

'अच्छी शिक्षा' के माध्यम से जो उद्यमी या उद्योगपति बनेंगे वे पैसा अवश्य कमाएंगे किंतु नीति पूर्वक। वे सरकार को जहां देय कर अदा करेंगे, वहीं अपने श्रमिकों और कर्मचारियों का शोषण नहीं करेंगे। वे उन्हें अपने उद्योग में साझेदार मानते हुए उनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग करेंगे और उसके लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं एवं वेतन उपलब्ध कराएंगे । ऐसे उद्यमी सरकारी अफसर को रिश्वत देने का प्रयास नहीं करेंगे और ईमानदारी से अपना उद्यम करेंगे।

'अच्छी शिक्षा' प्राप्त करने वाले वकील सत्य का साथ देंगे और अपने पक्षकार के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे । वे ऐसे वकील नहीं होंगे जो केवल तारीख पर तारीख लेते रहें और अपने मुवक्किल को गलतफहमी में रखते रहें। वे यह कोशिश नहीं करेंगे कि किसी विशेष न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष मामले को लगवाएं। वे किसी न्यायाधीश को रिश्वत देने की पेशकश कभी नहीं करेंगे। सामने वाले पक्ष के वकील से मिलकर अपने ही पक्षकार का नुकसान नहीं करेंगे। इस बात को याद रखेंगे कि फीस लेते समय वे उनके मुवक्किल की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखेंगे।आवश्यक होने पर वे नाम मात्र की कम फीस में भी जनहित के मामले पुरजोर तरीके से पैरवी करेंगे।

'अच्छी शिक्षा' प्राप्त करके बना पुलिस अधिकारी थाने में आने वाले पीड़ित व्यक्ति को अपनी कमाई का साधन बनाने के बजाय उसे राहत पहुंचाने का कार्य करेगा । वह इस प्रकार से कार्य करेगा कि साधारण व्यक्ति के मन में पुलिस के प्रति विश्वास उत्पन्न हो और जो अपराधी हैं उनमें पुलिस से भय पैदा हो । ऐसे पुलिस अधिकारी सरकार का इकबाल स्थापित करेंगे, ताकि देश के नागरिक शांतिपूर्वक रह सकें । वे सांप्रदायिक तनाव की स्थिति में बिना पक्षपात किए न्यायसंगत तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास करेंगे।

ऐसी अच्छी शिक्षा के माध्यम से निकले अनेक व्यक्ति राजनीति में भी जाएंगे। ऐसे व्यक्ति जनता से झूठे वादे और छल कपट नहीं करेंगे । सरकारी ठेके और तबादलों में कमीशन नहीं खाएंगे । ये अपनी राजनीतिक विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे । ये लोग चुनाव में निर्धारित सीमा से अधिक खर्च नहीं करेंगे ।

वे समुदायों में वैमनस्य और घृणा फैलाकर चुनाव जीतने के बजाय निस्वार्थ सेवा भाव से उनका काम करके लोकप्रिय होंगे और उसी के आधार पर चुनाव जीत कर सत्ता में आएंगे । पंचायत स्तर से लेकर केंद्रीय स्तर के नेता पूरी तरह समर्पित भाव से देश सेवा में लगेंगे ।

'अच्छी शिक्षा' प्राप्त सामान्य नागरिक भी अपने कर्तव्यों का संविधान के अनुसार पालन करेंगे। वे वैज्ञानिक सोच विकसित करेंगे और अंधविश्वासी नहीं बनेंगे। वे न तो सार्वजनिक स्थान पर गंदगी करेंगे न सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करेंगे। वे जाति और धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे और प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाने में निमित्त बनेंगे। वे ट्रैफिक के नियमों का पूर्णतया पालन करेंगे ।

'अच्छी शिक्षा' सबके लिए सुलभ होनी चाहिए ताकि सरकारी एवं निजी विद्यालय से पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को यह समान रूप से प्राप्त हो। अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार को संसाधनों की कमी का बहाना छोड़ना होगा। सभी को अच्छी शिक्षा प्राप्त होगी तो फिर देश में असमानता में बहुत कमी आएगी । तब देश वास्तव में विश्व गुरु और विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर हो पाएगा। कई लोगों को उपरोक्त प्रकार की अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने की बात कल्पना लोक में विचरण करने जैसी लगे, किंतु यह इच्छा शक्ति और संकल्प से संभव है।

आइए, हम सब मिलकर 'अच्छी शिक्षा' सबको सुलभ कराने के उद्देश्य से 'शिक्षा क्रांति' लाने में जुट जाएं।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

किशनगढ़ बास : जिले का सबसे पुराना उपखंड हूं मुझे मेरे दिन वापस लौटा दो

किशनगढ़बास । आज़ादी से पहले भरतपुर के महाराजा जोरावर सिंह ने यहां भरतपुर की तर्ज पर भव्य किले का निर्माण कराया और भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में इस स्थान को कृष्णगढ़ नाम दिया। किले के पास ही श्री बांके बिहारी मंदिर का निर्माण भी कराया गया, जो आज भी आस्था का प्रमुख केंद्र है।

समय के साथ कृष्णगढ़ का नाम बदलकर किशनगढ बास हो गया। किशनगढ के साथ जुड़े बास का भी अपना एक अलग महत्व है बास खैरथल से भी पुरानी अनाज की मंडी रही है। अब इतिहास का यह संयोग देखिए-राजस्थान के मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जो स्वयं भरतपुर जिले से हैं, उन्होंने हाल ही में खैरथल-तिजारा जिले का नाम भर्तृहरि नगर रखने की घोषणा की है। यह वही खैरथल है, जो किशनगढ बास से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। खैरथल तिजारा जिले का भतृहरि नगर नाम किए जाने पर सियासी खींचतान मची है।

किशनगढ़ बास के लोग भाजपा नेताओं से कह रहे किशनगढ बास का उपखंड सबसे पुराना है और जिले की सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है जिला मुख्यालय बनाकर पुराने दिन वापस लौटा दो। किशनगढ़ बास के लोग भतृहरि नगर नाम का स्वागत कर रहे। जैसे उनका कस्बा पहले कृष्णगढ़ नाम से आस्था का केंद्र रहा है, वैसे ही उनके लिए भतृहरि महाराज का नाम भी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से सम्मानजनक है। अलवर की तपोस्थली भतृहरि हरी धाम में उनका गहरा संबंध रहा है। खैरथल के विधायक दीपचंद खेरिया और कांग्रेस इस नामकरण का विरोध कर रहे हैं।

मदार नहर से फतहसागर में आवक, मूसलाधार बारिश के बाद दिनभर उमस

उदयपुर। उदयपुर शहर में कई दिनों की बेरूखी के बाद शुक्रवार को मूसलाधार बारिश हुई। कड़कती बिजली के बीच तेज बारिश ने एक बार फिर झीलों में आवक शुरू कर दी है। हालांकि शनिवार को दिनभर मौसम में भारी उमस बनी रही। इधर, शहर की फतहसागर झील को भरने वाली मदार नहर इस सीजन में पहली बार तेज बहाव के साथ बही। मदार नहर के चलने से फतहसागर झील छलकने की उम्मीदों के पंख लग गए।

लेकसिटी में करीब 15 दिन बाद शुक्रवार दोपहर को मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ। करीब 12 से 15 मिनट बारिश के बाद रात को भी मूसलाधार बारिश हुई। मूसलाधार बारिश से मदार बड़ा तालाब छलक गया और फतहसागर झील को भरने वाली मदार नहर में चिकलवास हेड व टेल के जरिए पानी की आवक होने लगी और यह करीब ढाई फीट के वेग से बहते हुए फतहसागर झील में समां रही है।

उदयपुर शहर की फतहसागर झील का जलस्तर 10 फीट बना हुआ है। कुल भराव क्षमता 13 फीट है ऐसे में इसे छलकने के लिए तीन फीट पानी चाहिए। मदार नहर के तेज बहाव के चलने से अब झील में आवक तेज शुरू हो जाएगी।

उदयपुर शहर की फतहसागर झील को भरने वाली मदार नहर से पानी की तेज आवक शुरू हो गई है। इस झील को भरने के लिए तीन फीट पानी की आवश्यकता है।

■ लेकसिटी में करीब 15 दिन बाद शुक्रवार दोपहर को मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ। करीब 12 से 15 मिनट बारिश के बाद रात को भी मूसलाधार बारिश हुई। मूसलाधार बारिश से मदार बड़ा तालाब छलक गया और फतहसागर झील को भरने वाली मदार नहर में चिकलवास हेड व टेल के जरिए पानी की आवक होने लगी और यह करीब ढाई फीट के वेग से बहते हुए फतहसागर झील में समां रही है।

इससे पहले इस झील को 11 फीट क्षमता तक लिंक नहर के माध्यम से भरा गया था और इसके बाद आवक रूकने से इसका जलस्तर कम होकर 10 फीट हो गया। सीसारमा नदी का वेग भी बढ कर 2 फीट हो गया है। इधर, शनिवार का दिन भारी उमस भरा रहा। दिनभर बारिश का इंतजार होता रहा। प्रातः 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में सर्वाधिक बारिश मदार में 40 मिमी, बागोलिया 25, उदयपुर शहर 15 मिमी, नाई 20, वल्लभनगर 18 व देवास स्टेज प्रथम पर 16 मिमी बरसात हुई।

राशिफल रविवार 17 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 3:18 तक, व्याघात योग रात्रि 1:40 तक, तैतिल करण प्रात: 8:30 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी सायं 7:25 तक है। आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, संक्रांति पुण्य काल पूर्वान्ह में है। आज रोहिणी व्रत है और मनसा पूजा समाप्त होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:40 से 9:17 तक, लाभ-अमृत 9:17 से 12:31 तक, शुभ 2:08 से 3:45 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 5:59

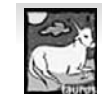

मेष
आवश्यक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

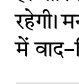

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकता है।

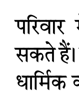

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

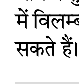

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

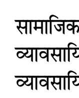

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय समाप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

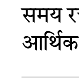

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

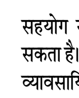

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर की सफाई और स्वच्छता पर 13 साल पहले दिए निर्देशों की पालना में क्या कार्रवाई की?

राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर ग्रेटर व हैरिटेज निगम, प्रदूषण नियंत्रण मंडल तथा जयपुर पुलिस कमिश्नर से जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की सफाई और स्वच्छता से जुडे मामले में ग्रेटर और हेरिटेज निगम आयुक्त, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष और जयपुर पुलिस आयुक्त से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि हाईकोर्ट की ओर से 31 मई, 2012 को शहर की सफाई व्यवस्था के संबंध में दिए 16 निर्देशों की पालना में क्या कार्रवाई की गई है? जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता विमल चौधरी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अधिवक्ता चौधरी व योगेश टेलर की ओर से अदालत में कहा गया कि ''13 साल पूर्व अदालत ने राज्य सरकार और नगर निगम को हर वार्ड में 100 सफाई कर्मचारी लगाने, सप्ताह के हर दिन सफाई करने, सिंगल टियर सिस्टम से सफाई, कचरा पात्र लगाने, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, चार मोबाइल मजिस्ट्रेट नियुक्त करने और बायो मेडिकल रूल्स लागू करने के आदेश दिए थे।''**
- **अदालती आदेश के बावजूद भी राज्य सरकार और नगर निगम इसकी पालना नहीं कर रहे हैं। सफाई के लिए भर्ती किए गए सफाई कर्मचारियों से ऑफिस में दूसरा काम लिया जा रहा है। जिसके चलते शहर में जगह-जगह पर गंदगी के ढेर हैं और सही तरीके से सफाई नहीं हो रही है।**

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता चौधरी व योगेश टेलर की ओर से अदालत में कहा गया कि शहर में स्वच्छता व सफाई के लिए 13 साल पहले निर्देश दिए थे। इस आदेश की पालना में राज्य सरकार और नगर निगम को हर वार्ड में सौ सफाई कर्मचारी लगाने, सप्ताह के हर दिन सफाई करने, सिंगल टियर सिस्टम से सफाई, कचरा पात्र लगाने, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, चार मोबाइल मजिस्ट्रेट नियुक्त करने और बायो मेडिकल रूल्स लागू करना था। अदालती आदेश के बावजूद भी राज्य सरकार व नगर निगम इसकी पालना नहीं कर रहे हैं। सफाई के लिए भर्ती किए गए सफाई कर्मचारियों से ऑफिस में दूसरा काम लिया जा रहा है। जिसके चलते शहर में जगह-जगह पर गंदगी के ढेर हैं और सही तरीके से सफाई नहीं हो रही है। यदि अदालत की ओर से दिए इन निर्देशों की पूर्णतया पालना हो जाए तो सफाई के मामले में शहर पहले स्थान पर आ सकता है। वहीं प्रार्थना पत्र के जवाब में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि अदालती निर्देशों की पालना की जा चुकी है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से आदेश की पालना में की गई कार्रवाई की जानकारी देने को कहा है।

अटलजी राजनीति के अजात शत्रु थे : मदन राठौड़

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय जयपुर में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अटलजी राजनीति के अजात शत्रु थे। वे भारतीय राजनीति में विचार, शालीनता, संवाद और सिद्धांत के प्रतीक थे। उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी और राजनीतिक मूल्यों और आदर्शों का एक उच्चतम मानक स्थापित किया।

राठौड़ ने कहा कि ''अटल जी का जीवन सादगी, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरित रहा। वे सिद्धांतवादी नेता थे, जिन्होंने न सिर्फ पक्ष बल्कि अपने विपक्षी सहयोगियों के बीच भी सम्मान और विश्वास अर्जित किया। आज की युवा पीढ़ी को उनके चरित्र, नेतृत्व और दूरदर्शिता से प्रेरणा लेनी चाहिए।''

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने कहा कि भारत रत्न स्व. वाजपेयी ने दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत निर्णयों के माध्यम से देश के चहुंमुखी विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें ओजस्वी वक्ता और कुशल राजनेता के रूप में सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अनिमेष पाटनी होंगे वीर चक्र से सम्मानित

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले जैन समाज के होनहार ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को भारत सरकार द्वारा वीर चक्र से अलंकृत किया जायेगा। जिनेश कुमार जैन (राजकीय सम्मानित) ने बताया कि ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी मूल रूप से बारां जिले के कुंजेड़ गाँव के निवासी हैं तथा वर्तमान में उनकी माताजी अनिला पाटनी जयपुर के त्रिवेणी नगर 10-ँ स्कीम में निवास करती हैं।

अनिमेष पाटनी के भाई आशीष तोतुका ने बताया कि यह सम्मान राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह पूरे जैन समाज एवं जयपुर शहर के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि हमारे समाज का यह सपूत राष्ट्र सेवा में अद्वितीय योगदान हेतु राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक में पहुंचे 13900 रुपए के नकली नोट

जयपुर। गांधी नगर इलाके मे स्थित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में 31 हजार 900 रूपये के नकली नोट जमा होने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि यहां पिछले छह महीनों में कई जिलों के बैंक से आई करेंसी की चेकिंग में 64 जाली नोट पकड़े गए हैं। इनमें सौ रुपए से लेकर दो हजार तक के नोट शामिल हैं। पुलिस ने जीरो नंबर की एफआईआर काटकर छह मामले दर्ज कर के संबंधित थानों में भेज दी गई है।

थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के मैनेजर विशाल देसाई की ओर से छह मामले दर्ज करवाया है कि जनवरी 2025 से जून 2025 की अवधि के दौरान विभिन्न जिलों की मुद्रा तिजोरियों से करेंसी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय में आई। इसमें दो हजार से लेकर सौ रुपए तक के गंदे नोट भेजे गए थे। इन नोटों की जांच की गई तो जाली मिले। इसके बाद आरबीआई मैनेजर की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। थानाधिकारी के अनुसार बैंक में नकली नोट पकडे जाने पर बैंक कैशियर उसे मौके पर ही हाथों-हाथ नष्ट कर देता है। वहीं जाली नोट बैंक में जमा होकर आरबीआई तक कैसे पहुंचे। इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में मुद्रा तिजोरियों की ओर से गंदे नोटों की जांच करने पर पांच सौ रुपए के ग्यारह नोट, दौ सौ का एक नोट और सौ रुपए के छह नोट (आठरह जाली नोट) पकड़े गए।

स्वाधीनता दिवस पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कार्मिकों का सम्मान

जयपुर (कासं)। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने राज्य सरकार एवं राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में शासन सचिवालय प्रांगण में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी ।

उन्होंने सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र सेवा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा बनाए रखने का संकल्प दिलवाया ।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने स्वतंत्रता दिवस पर सचिवालय में ध्वजारोहण के पश्चात उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया।

समारोह में राज्यके विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्यकरने वाले कार्मिकों को योग्यता सम्मान के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्वाधीनता दिवस पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी रमेश गुर्जर, वरिष्ठ सहायक रिंकू मीणा, कनिष्ठ सहायक मुकेश मीणा एवं रोहित उमरवाल, बृजमोहन मीणा को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कृष्ण कान्त पाठक, शासन सचिव, कार्मिक विभाग), कजोड़मल मीणा अध्यक्ष, राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ जयपुर उपस्थित रहे।

पतंजलि फूड्स लि. ने दर्ज किया 8900 करोड़ का एकल राजस्व

जयपुर। पतंजलि फूड्स लि. ने वर्ष 2025-26 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (1 अप्रैल से 30 जून) तक परिचालन से 8900 करोड़ रुपए का एकल राजस्व दर्ज किया है, जो वर्ष दर वर्ष 24 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में खाद्य एवं अन्य एफएमसीजी खंड का ईबीआईटीडीए मार्जिन 5.23 प्रतिशत रहा। जबकि गृह एवं व्यक्तिगत देखभाल (एचपीसी) से 639.02 करोड़ रु. का राजस्व मिला। इसी तरह परिचालन से ईबीआईटीडीए 334.17 करोड़ रहा। ज्ञात रहे कि तेल-ताड़ के बागानों के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल 92133 हेक्टेयर है। खाद्य एवं अन्य एफएमसीजी तथा एचपीसी पोर्टफोलियो ने संयुक्त रूप से परिचालन से प्राप्त राजस्व का 25.56 प्रतिशत हिस्सा अर्जित किया। पतंजलि ग्रुप की ओर से कहा गया कि, तिमाही के दौरान मुद्रास्फीती कम हुई और जून माह में 2.1 फीसदी पर आ गयी, जो कि पिछले 3 वर्षों में सबसे कम है। इसके बावजूद इस तिमाही में मुख्य रूप से शहरी मांग में कमी तथा क्षेत्रीय व नये जमाने की डीटूसी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण एक कठित परिचालन वातावरण देखा गया। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग स्थिर रही और शहरी क्षेत्रों से आगे निकल गयी। केन्द्र सरकार द्वारा 31 मई से प्रभावी कच्चे पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेलों पर मूल सीमा शुल्क आधा किया गया था, इस बदलाव का तिमाही के दौरान खाद्य तेलों के मूल्य निर्धारण और मांग पर प्रभाव पडा।

'ब्लड कैंसर के उपचार में बढ़ा सरवाईवल समय'

जयपुर। पहले ब्लड कैंसर होने पर रोगी कुछ माह ही जीवित रह पाता था, लेकिन पिछले कुछ सालों में इसके उपचार में आए बदलाव के कारण रोगी का सरवाईवल समय बढ़ गया है। यह बात विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल की ओर से चल रही तीन दिवसीय बीएमकॉन हेमः हीलिंग थ्रू हीमैटोलॉजी कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में कहीं।

उन्होंने आधुनिक जीवन शैली एवं अशुद्ध आहार के कारण कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की कुछ लोग अपने मुनाफे के लिए खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ाने के हेतु रसायन का उपयोग करते हैं, जो कि गलत है।

उन्होंने चिकित्सालय की ओर से किया जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि इंटरनल मेडिसिन एंड हीमैटोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल, मोहाली के डायरेक्टर डॉ. सुभाष वर्मा थे। इस मौके पर चिकित्सालय के अध्यक्ष नवरतन कोठारी, चेयरमैन, प्रबंध न्यासी विमल चंद सुराना, उपाध्यक्ष संदीप कोठारी, अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एस.सी. पारीक (से.नि.) भी मौजूद होंगें। कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन देशभर से आए विशेषज्ञों ने ब्लड कैंसर के आधुनिक उपचारों पर चर्चा की।

इसमें सामने आया कि नई तकनीकें और टार्गेटेड थेरेपीज़ ब्लड कैंसर मरीजों के लिए बेहतर और प्रभावी उपचार की राह खोल रही हैं।

अहमदाबाद के डॉ. अंकित जितानी ने डीएलबीसीएल में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी और एंटीबॉडी ड्रग कॉन्जुगेट्स पर व्याख्यान दिया।

डेढ़ करोड़ रु. की चोरी के मामले में सरगना गिरफ्तार

जयपुर। विधाधर नगर पुलिस ने डेढ करोड़ रुपए की चोरी के मामले में फरार 25 हजार रूपये का इनामी मास्टर माइंड को गिरफ्तार किया है। बदमाश ने चोरी के रुपए से डंपर खरीदा और बैंक में गिरवी रखे पत्नी के जेवरात छुडवाए। पुलिस ने मामले में युवती समेत चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

- **आरोपी ने चुराए हुए पैसों से डंपर खरीदा और बैंक में गिरवी रखे पत्नी के जेवरात छुड़वाए**

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि विधाधर नगर थाना पुलिस ने डेढ करोड़ रुपए की चोरी के मामले में फरार मास्टर माइंड अभिषेक सिंह (27) निवासी खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया। आरोपित पिछले सवा साल से तलाश की जा रही थी। पुलिस ने अभिषेक सिंह पर पच्चीस हजार रुपए का इनाम रखा था। वह हरियाणा, पश्चिमी बंगाल और उत्तराखंड में अपने छिपने के ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था।गिरफ्तार मास्टरमाइंड अभिषेक सिंह के खिलाफ हत्या, किडनैपिंग, आर्म्स एक्ट के करीब आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। पुलिस की कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही वारदात कर चकमा देने के लिए उसने यू-ट्यूब और सोशल साइट्स पर दर्जनों क्राइम सीरियल देखे।इस मामले में शामिल प्रभाती देवी (26) निवासी मुकुंदगढ़ जिला झुंझुनूं, इमरान खान (36) निवासी रतन नगर जिला चूरू, साहिल पीर उर्फ साहिल गाजी (24) निवासी फतेहपुर कोतवाली सीकर और अमित कुमार कस्वां उर्फ मित्तला (27) निवासी सदर चूरू को गिरफ्तार किया गया था। अब बाकी बदमाश से रुपए बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि विद्याधर नगर थाने में ट्रांसफार्मर उत्पादन कंपनी में चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सज्जन कुमार छीपा ने मामला दर्ज करवाया था कि ऑफिस स्टाफ विजय कुमार टांक जयपुर में भाटी कॉम्पलेक्स में रहता है। ऑफिस की अलमारी स्टाफ विजय के घर रखी हुई थी। इसमें ऑफिस के जरूरी डॉक्यूमेंट, स्टांप पेपर, चैक और डेढ करोड़ कैश रखा था। 21 जून 2024 को विजय कुमार ने फोन कर ऑफिस की अलमारी रात को चोरी होने के बारे में बताया। पुलिस जांच में सामने आया कि ऑफिस स्टाफ विजय अलमारी में रखे कैश और सामान का वीडियो बनाकर अधिकारियों को भेजता था। वीडियो में भारी मात्रा में कैश रखा विजय के परिचित साहिल पीर ने देख लिया था। साहिल ने पैसे के बारे में अभिषेक सिंह को बताया। अभिषेक ने चोरी और फरारी का प्री-प्लान बनाया। प्लान के तहत गैंग में एक युवती सहित चार साथियों को शामिल किया था।

आर्मी के रिटायर्ड कैप्टन को तेज रफ्तार कार ने रौंदा

जयपुर। चित्रकूट इलाके में शुक्रवार की सुबह साइकिल से चित्रकूट नगर स्टेडियम मॉर्निंग वॉक के लिए निकले आर्मी के रिटायर्ड कैप्टन को तेज रफ्तार कार रौंदते हुए निकल गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस जानकारी में सामने आया कि है कि कार महिला चला रही थी, जो हादसे के बाद कार लेकर फरार हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। साथ ही इस मामले की जांच पडताल सडक दुर्घटना थाना (पश्चिम) कर रही है।

सड़क दुर्घटना थाना (पश्चिम)पुलिस कांस्टेबल किशन गोस्वामी ने बताया कि गांधी पथ मां वैष्णव नगर के रहने वाले आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन नरसा राम जाजड़ा (64) शुक्रवार सुबह साइकिल से चित्रकूट नगर स्टेडियम मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। जहां घर से करीब 200 मीटर दूर पौने छह बजे गांधी पथ पर गोपी कचौरी वाले के पास तेज रफ्तार ने पीछे से उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। जहां कैप्टन नरसाराम साइकिल सहित रोड पर गिर गए और कार उनके ऊपर से निकल गई। हादसे के बाद राहगीरों ने नरसाराम को संभाला। पीछे से वॉक करते हुए आ रहे बेटे धनराज को पिता नरसाराम गंभीर हालत में मिले। जहां बेटे धनराज ने लोगों की मदद से घायल पिता को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पडौसी ने किया बच्ची से दुष्कर्म

जयपुर। रामगंज इलाके में पडौसी लड़के द्वारा एक बालिका से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपित पडौसी घर आया और विरोध करने पर घर में घुसकर डरा-धमका नाबालिग से दुष्कर्म किया। इस संबंध में थाने में नाबालिग पीड़िता की मां की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने बताया कि रामगंज इलाके में रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 13 वर्षीय बेटी के साथ पडौसी लड़के ने दुष्कर्म किया है। आरोप है कि 13 अगस्त को घर के सदस्य अपने-अपने काम से बाहर गए थे। उनकी नाबालिग बेटी घर पर अकेली थी। परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपित घर आया। विरोध करने पर डरा-धमकाकर आरोपित ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। किसी को नहीं बताने पर चुपचाप रहने की कहकर वहां से फरार हो गया। परिजनों के घर आने पर नाबालिग बेटी ने आपबीती सुनाई।

युवक का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक का अपहरण कर उसे छोड़ने के बदले फिरौती मांगने वाले पांच बदमाशों को

- **विरोध करने पर आरोपियों ने युवक को गोली मारने की धमकी भी दी**

धर-दबोचा है। बताया जा रहा है कि अपहरण हुए युवक द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने गोली मारने की धमकी दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने बदमाशों को ट्रेस किया और फिर पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से सकुशल अपहरण हुए युवक को छुडवाया। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने के साथ फरार साथियों की तलाश कर रही है। थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि युवक का अपहरण कर उसे छोड़ने के बदले फिरौती मांगने के मामले में आरोपित कृष्ण कुमार मीणा (20), सचिन कुमार मीणा (19), अक्षय मीणा (20), विकास मीणा (26) और सियाराम मीणा (32) निवासी सिकराय जिला दौसा को गिरफ्तार किया है।

जिनहोंने करणी विहार के धाबास निवासी 31 वर्षीय युवक का अपहरण किया था। थानाधिकारी ने बतया कि 13 अगस्त को परिचित कृष्ण उसके पास आया था। होटल की लिखा-पढ़ी को लेकर उसे न्यू सांगानेर रोड पर ले आया। लिखा-पढ़ी के बाद परिचित कृष्ण के साथी दो कारों में आए।

मारपीट कर जबरन उसको कार में डालकर ले गए। विरोध करने पर बदमाशों ने गोली मारने की धमकी दी और फिर कानोता इलाके में स्थित एक मकान में ले जाकर उसको बंधक बना लिया। मारपीट कर बदमाशों ने उसको रिश्तेदारों को फोन कर फिरौती मंगवाने के लिए धमकाया।

मध्यरात्रि 31 तोपों की हवाई गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण

जयपुर। भाद्रपद कृष्ण अष्टमी शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर छोटीकाशी कृष्णमय हो उठी। हर ओर कृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास छाया रहा। वैष्णव मंदिरों की तो छटा ही निराली थी। गुब्बारों, फूलों, रंग बिरंगी रोशनी से सजे मंदिरों में दिनभर दर्शनार्थियों का हुजूम उमड़ता रहा। मुख्य आयोजन जयपुर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में हुआ। यहां करीब छह लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। सुबह से मध्य रात्रि तक भक्ति का सागर छलकता रहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धर्मपत्नी सहित गोविंद देव जी मंदिर पहुंचकर प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर अराध्य गोविन्दजी का भव्य शृंगार किया गया।

- **जयकारों और शंखनाद से गूंजा गोविंददेवजी मंदिर प्रांगण, ब्राह्मणों ने सस्वर में वेदपाठ किया**
- **जन्माष्टमी पर दिनभर गोविंददेवजी के दर्शनों के लिए लगा रहा श्रद्धालुओं का तांता, करीब 6 लाख भक्त मंदिर पहुंचे**

मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी एवं सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने मुख्यमंत्री का शॉल, माल्यार्पण, दुपट्टा, प्रसाद और ठाकुर जी का चित्र भेंट कर अभिनंदन किया । दर्शनार्थियों से अटे मंदिर में जैसे ही रात्रि के 12 बजे तो 31 तोपों की हवाई गर्जना के बीच श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ तो उच्च स्वर में शंखनाद का निनाद हो उठा। वेदपाठी ब्राह्मणों ने सस्वर में वेदपाठ किया।

हर ओर हर्ष मिश्रित ध्वनि के बीच सभी रोमांचित हो रहे थे। लग रहा था कि उनके सामने ही कृष्ण ने अवतार ले लिया है। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी और सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने शालिग्राम भगवान का पूजन कर ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक किया। 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा, 11 किलो शहद से अभिषेक के दृश्य को श्रद्धालु अपलक निहारते रहे। अभिषेक संपन्न होते हुए पूरा मंदिर एक बार फिर श्रद्धाभरे जयकारों से गूंजायमान हो उठा। ठाकुर जी को पंजीरी, लड्डू, खिरसा का भोग लगाया गया। जय निवास बाग स्थित मंच से निःशुल्क चरणामृत एवं पंजीरी वितरण किया गया। इससे पूर्व सुबह भी पंचामृत अभिषेक कर ठाकुरजी को नवीन पीत वस्त्र, आभूषण एवं पुष्पों से श्रृंगार किया गया। सुबह से ही हर किसी के कदम गोविंद देवजी मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। वाहनों की रेलमपेल के कारण बार-बार जाम लगता रहा। गोविंद देवजी मंदिर के आसपास के कृष्ण मंदिरों में भी उल्लास कम नहीं था। सब मंदिरों में नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जयघोष गूंजता रहा। श्री गोविंद देवजी मंदिर में श्रद्धालुओं को 13 घंटे दर्शन का अवसर मिला। सुबह मंगला झांकी से पूर्व ही दर्शनार्थी कतारों में लग गए।

जैसे ही पट खुलने का पता चला दर्शनार्थियों ने राधे राधे से मंदिर परिसर को गूंजायमान कर दिया। मंगला झांकी सुबह 4:30 से 7 बजे खुली रही।

'प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से नारी शक्ति की प्रशंसा की'

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक डॉ. अलका सिंह गुर्जर ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से नारी शक्ति की जमकर प्रशंसा की, यह देश के लिए गर्व का क्षण था। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप से लेकर स्पेस सेक्टर तक हमारी बेटियां छाई हुई हैं। खेल के मैदान में छाई हुई है, फौज में चमक रही है..., और यह गर्व का विषय है कि हमारी मातृशक्ति देश के विकास यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने नमो ड्रोन दीदी नारी शक्ति की एक नई पहचान का उल्लेख करते हुए बताया कि ड्रोन तकनीक को अपनाकर महिलाओं ने अपने गांवों में पायलट बनकर पहचाने जाने का गौरव प्राप्त किया है। भाजपा राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका सिंह गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी साझा किया कि पहले जो खिलौने हम विदेश से मंगाते थे, आज देश वही खिलौने एक्सपोर्ट कर रहा है, इससे दिखता है कि हमारी नारी शक्ति ने देश की आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाई दी है।

उदयपुर, बारां, बूंदी और धौलपुर में नई आवासीय योजना लायेगा हाऊसिंग बोर्ड

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल राज्य सरकार की बजट घोषणा 2025-26 की क्रियान्विति में इसी माह प्रदेश के विभिन्न जिलों- पनेरियों की मादड़ी जिला उदयपुर, अटरू जिला बारां , नैनवा जिला बूंदी और बाड़ी रोड़ धौलपुर में विभिन्न आय वर्गों के लिए नई आवासीय योजनाएं लॉन्च करने जा रहा है। इन योजनाओं के अंतर्गत फ्लैट्स और स्वतंत्र आवास दोनों प्रकार के विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे ई डब्लू एस, एलआईजी और मध्यम आय वर्गों के परिवारों को किफायती, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि बाड़मेर में भी मण्डल जल्द नवीन आवासीय योजना शुरू करेगा जिसकी तैयारी चल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और 'विकसित राजस्थान ' की परिकल्पना को साकार करते हुए हाउसिंग बोर्ड द्वारा लाई जा रही योजनाएं अपने आवास का सपना देख रहे प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

इन योजनाओं में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर, हरित क्षेत्र, सामुदायिक भवन, पार्किंग और जल-संरक्षण जैसे प्रावधान भी किए गए हैं, जिससे नागरिकों को संपूर्ण और संतुलित जीवनशैली प्राप्त हो सके।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि 'राजस्थान आवासन मण्डल आमजन के अपने आवास के सपने को साकार करने के लिये अविराम प्रयासरत है। हमारा उद्देश्य है कि राज्य सरकार की मंशानुसार प्रदेश के हर नागरिक को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण और किफायती आवास उपलब्ध कराया जाए जिसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं।'

खैरथल का विकास किया जायेगा : मंत्री यादव

भर्तृहरि नगर को बनाएंगे देश का नंबर वन जिला

खैरथल। अलवर सांसद व केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा खैरथल-तिजारा जिले का नाम परिवर्तन कर भर्तृहरि नगर रखने का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जो राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध कर बाबरी मस्जिद का समर्थन करते थे। यही लोग, जब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सरकार में भगवान श्रीराम के संबंध में शपथ पत्र दाखिल करने को कहा, तो बोले थे कि राम का कोई अस्तित्व नहीं है, और इसीलिए ये लोग लोकदेवता बाबा भर्तृहरि का भी अपमान करने पर तुले हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात है इस विरोध में जनता उनके साथ नहीं है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पत्रकारों से वार्ता करते साथ में जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, भाजपा जिलाध्यक्ष महा सिंह चौधरी।

■ मंत्री ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा है कि भर्तृहरि नगर का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जो राम जन्मभूमि का विरोध कर बाबरी मस्जिद का समर्थन कर रहे थे।

दिल्ली आवास पर अलवर सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह आरोप खैरथल के प्रबुद्धजन और पत्रकारों से खैरथल-तिजारा जिले का नाम भर्तृहरि नगर रखने और जिले के विकास को लेकर बात करते हुए कही। उन्होंने कहा यह योग और तपस्या की धरती है। ऐसे में, जब एक नया जिला बना है, तो उसका नाम बाबा भर्तृहरि के नाम पर रखा जाना हम सबका सौभाग्य है।सब जानते हैं कि बाबा भर्तृहरि के नाम पर एक महीने तक पूरी रात अलवर में उनकी कथा पर भावपूर्ण नाटक का मंचन होता है।

लाखों लोग उनकी तपोस्थली पर जाकर अपने जीवन को सद्मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा लेते हैं। जिले में ऐसा कोई घर नहीं है, जहाँ भर्तृहरि के नाम पर सद्भावना का भंडारा न किया जाता हो। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा खैरथल-तिजारा जिले को राजा भर्तृहरि के नाम पर भर्तृहरि नगर के रूप में एक बड़ा सम्मान प्रदान किया है। उन्होंने कहा भिवाड़ी के विकास को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीडा उठाकर भिवाडी डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाकर जिले के समग्र विकास को गति दी है।उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही जिले में सेशन कोर्ट नियुक्त किया गया है, जिसके लिए ज़मीन भी चिन्हित हो गई है और जल्द ही कोर्ट का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मैन्युफैक्चरिंग में यह जिला सबसे आगे है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न को लेकर भिवाडी और खैरथल में क्षमता है कि हम मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भर्तृहरि नगर को देश का नंबर वन जिला बना सकें। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए जल्द ही एक अथॉरिटी बनाई जाएगी, जिले में मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, जिला अस्पताल, बस डिपो, सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित अन्य जिला स्तरीय कार्यालय का निर्माण किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर नापासर में निकली तिरंगा यात्रा

बीकानेर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नापासर कस्बा देशभक्ति मय हो गया। हवा में लहराते तिरंगे झंडों के साथ भारत माता की जयघोष करते और वन्देमातरम के नारों के साथ आगे बढ़ते हजारों कस्बे वासियों ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा में शिरकत की। वहां मौजूद लोगों ने पलक पांवड़े बिछाकर इसका स्वागत किया। पूरा यात्रा क्षेत्र देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की पहल और नेतृत्व में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया के साथ नापासर के मुख्य बाजार नेताजी की मूर्ति से रवाना हुई और जैसे-जैसे आगे बढ़ी लोग इससे जुड़ते रहे। धीरे-धीरे यह कारवां बढ़ता गया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश की आजादी का दिन प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का दिन है। हमने आजाद मुल्क में अपनी आँखें खोली, यह हमारा सौभाग्य है। खाद्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत देश भर में देश प्रेम और देशभक्ति का माहौल है। आज घरों, प्रतिष्ठानों, विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों सहित प्रत्येक स्थान पर आमजन उत्साह के साथ तिरंगा झंडा फहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें देश को आजादी दिलाने वाले उन असंख्य देशभक्तों के प्रति कृतज्ञता की भावना रखनी चाहिए तथा देश को सतत ऊंचाइयों की ओर ले जाने में यथासंभव योगदान का संकल्प लेना चाहिए।

■ हजारों कस्बे वासियों ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा में शिरकत की।

■ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मंत्री गोदारा खुद तिरंगा यात्रा के साथ पैदल चले और आमजन को देश प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश भर में देशभक्ति से सराबोर कार्यक्रम हुए हैं, जिससे युवा पीढ़ी को आजादी के देश की आजादी के संघर्ष और वीरता की गाथाओं की जानकारी हुई है। रैली यहां से होते हुए राजीव गांधी स्टेडियम पहुंची। इस दौरान देशभक्ति के गीतों के साथ झूमते नागरिकों ने माहौल में देशभक्ति का रंग घोल दिया। लोगों ने दर्जनों स्थानों पर पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया।

इस दौरान मंत्री सुमित गोदारा ने 'एक पेड़ मां के नाम और हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत पौधा लगाया। चूंगी चौकी पर खड़े बच्चों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया तो मंत्री ने बच्चों को टॉफियां बांट उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। डीजे की धुन पर भारत माता की जयघोष के साथ मंत्री देशभक्ति की भावना में सराबोर रहे। राजीव गांधी स्टेडियम में पुलिस द्वारा मंत्री सुमित गोदारा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा इस तिरंगे के लिए हमारे देश के लाखों लोगों ने अपना बलिदान और कुर्बानी दी है देश के तिरंगे के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए ऐसे लोग की याद में यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है। इस सफल और भव्य तिरंगा यात्रा के लिए के लिए मंत्री सुमित गोदारा और नापासर ग्राम के लोगों का आभार जताया।

तिरंगा यात्रा में जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर पंचारिया, बीकानेर पंचायत समिति प्रधान राजकुमार कसवां, लूणकरणसर प्रधान कानाराम, नगर पालिका अध्यक्ष मंजू देवी सुथार, महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, जसवंत दैय्या, राजाराम ओझा, खुशबू रतावा, दीनदयाल भाटी, गणपत गोदारा, दीपाराम नायक, अश्वनी कसवां, राजाराम ओझा, खुशबू आसोपा, हेतराम कूकना, गोपी राम सोनी, भंवर लाल ढाका, रामरतन सुथार, मांगीलाल कुम्हार, रामनिवास कसवां, अनुराधा पारीक, महेंद्र ढाका, पवन स्वामी, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,अधिकारी और आमजन साथ रहे।

फॉल्स सीलिंग गिरने से पांच बच्चे घायल

बूंदी। बूंदी में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान शुक्रवार सुबह 10 बजे एक निजी स्कूल की फॉल्स सीलिंग गिरने से पांच बच्चे घायल हो गए, जिन्हें उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार 79 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जहां पूरे प्रदेश में धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं बूंदी में सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित 15 अगस्त कार्यक्रम के दौरान बडा हादसा हो गया। समारोह के बीच फॉल्स सीलिंग का एक हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे पांच बच्चे घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्कूल प्रशासन ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। घायल बच्चों ट्विंकल (13 वर्ष) पुत्री विजेंद्र सोनी, अधीरा (6 वर्ष) पुत्री आदेश, सृष्टि (10 वर्ष) पुत्री विपुल, विनय (10 वर्ष) पुत्र अदिश टहलवानी और इतिशा (11 वर्ष) पुत्री अनुभव दाधीच को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

रायपुर बांध की मोरी खोलने से 50 बीघा गोभी की फसल तबाह

पाटन। जिले के सबसे बड़े रायपुर बांध से जुड़े एक गंभीर लापरवाही के मामले ने सैकड़ों किसानों को भारी नुकसान में धकेल दिया है। शुक्रवार देर रात बांध की मोरी खोल दी गई, जिससे डेढ़ फीट तक पानी खेतों में घुस गया और लगभग 50 बीघा में लगी गोभी की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई।

घटना के वक्त किसान अपने घरों में सो रहे थे। सुबह जब खेतों में पानी भरा देखा गया तो हड़कंप मच गया। प्रभावित किसान खारिया व मिन्डाला गांवों के हैं, जो मुख्य रूप से इजारे पर ली गई जमीनों पर सब्जी उत्पादन कर रहे थे।किसानों ने जब बांध कर्मचारी नरेश सैनी से संपर्क किया तो उन्होंने खुद को इस मामले से अलग बताते हुए कहा कि चाबी खारिया गांव के यादराम पुत्र भानाराम के पास है। इसके बाद ग्रामीणों ने यादराम के घर से चाबी मंगवाकर मोरी का गेट धोलाराम यादव पुत्र छीतरमल की मदद से बंद करवाया।

किसानों का आरोप है कि नहर को जगह-जगह अवैध रूप से बंद कर रखा गया है। कई स्थानों पर नहर की सीमा पर पक्के मकान बना दिए गए हैं जिससे पानी की निकासी अवरुद्ध हो गई, और सीधे खेतों में घुस गया।

■ किसानों में आक्रोश,विभागीय लापरवाही से सैकड़ों किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

किसानों ने जब सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता बनवारी लाल सैनी से बात की, तो उन्होंने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। वहीं अधिशाषी अभियंता ने किसानों के बार-बार फोन करने के बावजूद फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा।किसानों ने आरोप लगाया है कि विभागीय कर्मचारी बांध से पानी निकालकर खुद की खेती करवाते हैं और लाभ कमाते हैं, जबकि असली किसान, जो दूसरों से जमीन लेकर मेहनत करते हैं, विभाग की लापरवाही की भेंट चढ़ रहे हैं।

प्रभावित किसानों ने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर दोषी कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और तबाह हुई फसल का उचित मुआवजा दिया जाए।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1290 बोतल अवैध शराब जब्त

राजसमंद। विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जिला आबकारी विभाग राजसमंद ने 14 अगस्त को बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम खेतो की भागल, मेरडा खालसा, तहसील आमेट में दबिश देकर 1290 बोतल अवैध शराब बरामद की।

जिला आबकारी अधिकारी लोकेश जोशी के अनुसार, आबकारी आयुक्त शिव प्रसाद नकाते के निर्देशन और अतिरिक्त आबकारी आयुक्त ओमप्रकाश जैन, प्रदीप सिंह सांगावत के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से मिली सूचना पर प्रहराधिकारी चक्रवर्ती सिंह जैतावत व दल ने मौके पर छापेमारी की, जिसमें ऑफिसर चॉइस 490 बोतल और हाई स्पीड 800 बोतल पंजाब व हरियाणा निर्मित, सीएसडी दिल्ली लेबल लगी हुई शराब जब्त की गई। मुख्य अभियुक्त धर्मु गुर्जर मौके से फरार हो गया, जबकि एक आरोपी लादु लाल जाट को गिरफ्तार कर लिया गया। वाहन, आपूर्तिकर्ता व अन्य अभियुक्तों के बारे में जांच जारी है। अभियान अवधि में जिले में अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी।

■ ऑफिसर चॉइस 490 बोतल और हाई स्पीड 800 बोतल पंजाब व हरियाणा निर्मित, सीएसडी दिल्ली लेबल लगी हुई शराब जब्त की।

जिला आबकारी विभाग राजसमंद ने अवैध शराब जब्त की।

मोहता सराय में साड़ियों के कारखाने में आग

बीकानेर। यहां मोहता सराय क्षेत्र में साड़ियों की छपाई के तीन कारखानों में शनिवार को अचानक आग लग गई। आग से न सिर्फ साड़ियां जल गई, बल्कि लकड़ी के बने कई स्टैंड भी जलकर राख हो गए।

प्रारंभिक तौर पर अनुमान है कि तीनों कारखानों में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर शाम करीब चार बजे तक आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार- गंगाशहर थाना क्षेत्र के मोहता सराय में बड़ी संख्या साड़ियों की छपाई के कारखाने हैं। साडियों की छपाई करके उन्हें लकड़ी और लोहे के स्टैंड्स पर रखा जाता है। यहीं पर एक कारखाने में पहले आग लगी और बाद में ये आसपास के तीन कारखानों में फैल गई। दरअसल, खुले बाड़ों में बने ये कारखाने एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, ऐसे में आगे से आगे बढ़ती चली गई। कपड़ा और लकड़ी ज्यादा होने के कारण भी आग तेजी से फैली। धुआं देखने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को फोन किया, जहां से फायर ब्रिगेड को मौके पर भेजा गया।

चोरों ने उखाडी एटीम मशीन,13 लाख कैश थे

टोंक। मालपुरा मुख्यालय स्थित एक एसबीआई बैंक के एटीएम मशीन को में गुरुवार की देर रात चोर उखाड कर ले गए, मशीन में करीब 12 लाख 75 हजार रुपए थे।

चोरों ने आसपास लगे चार सीसीटीवी कैमरों की चोरी करने से पहले दिशा भी बदल दी, जिससे वे कैमरों के रिकॉर्डिंग में नहीं आ सके, हालांकि कुछ दूरी पर स्थित एक कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। घटना को 3 चोर ने अंजाम दिया और 25 मिनट में ही एटीएम मशीन को उखाड कर ले गए, सूचना पर पंहुची मालपुरा पुलिस ने मौके का जायजा लिया तथा मामले में अनुसंधान प्रारम्भ किया। वही एटीएम पर कार्यरत चौकीदार लोकेश ने बताया कि वह रात 9 बजे सफाई करने के बाद घर चला गया था, बाद में चोरी का पता शुक्रवार सुबह राहगीरों ने एटीएम बूथ को टूटा हुआ देखा तो बताया। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑटो की टक्कर से स्कूली बच्चे घायल

जोधपुर, (कासं)। शहर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के बाद कुछ बच्चें ऑटो में सवार होकर अपने घर की तरफ लौट रहे थे। तब ऑटो अनियंत्रित होकर सडक किनारे खड़े नगर निगम के डंपर से टकरा गई। जिससे दो बच्चें चोटिल हो गए। ऑटो में छह बच्चें सवार थे। ऑटो का चालक घायल बच्चों का रिश्ते में दादा लगता है। राजीव गांधी नगर थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि शुक्रवार को चौखा के पास में एक ऑटो चालक अनियंत्रित होकर सडक किनारे खड़े नगर निगम के डंपर से भिड़ गया। ऑटो में छह बच्चें सवार थे जोकि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम से वापिस लौट रहे थे। दो बच्चें हल्की चोटें लगी। ऑटो का चालक इनका रिश्ते में दादा लगता है। किसी प्रकार का केस दर्ज नहीं कराया गया है। बच्चें मारवाड़ नगर के रहने वाले है।

व्यापारी से फिरौती मांगने का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

नोखा। यहां व्यापारी से फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बीकानेर के तिलक नगर निवासी फुसाराम (25) के रूप में हुई है।

घटना 27 जुलाई 2025 की है। महादेव गोल्ड के मालिक शंकरलाल सोनी की पत्नी ललिता घर पर अकेली थीं। इसी दौरान पांच गाडियों में सवार होकर मदन बिश्नोई, सुरेश उर्फ सुशिया शिकारी, पवन बिश्नोई, सुभाष खदाव समेत 8-10 लोग घर में घुस आए। सुरेश उर्फ सुशिया ने पिस्तौल दिखाकर ललिता को धमकी दी। आरोपियों ने कहा कि वे डूंगरगढ़ निवासी संदीप पारीक के आदमी हैं। उन्होंने व्यापार जारी रखने के लिए हर महीने फिरौती की मांग की। साथ ही 50 लाख रुपए की रकम मांगी थी। ललिता की मदद के लिए पड़ोस से उनके देवर गणपत और मनोज दौड़कर आए। आसपास के लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थानाधिकारी अमित स्वामी के नेतृत्व में टीम ने आरोपी फुसाराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस अन्य आरोपियों और घटना में प्रयुक्त वाहनों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है।

■ पत्नि को पिस्तौल दिखाकर 50 लाख मांगे थे, जान से मारने की धमकी दी थी

■ घटना 27 जुलाई 2025 की है। महादेव गोल्ड के मालिक शंकरलाल सोनी की पत्नी ललिता घर पर अकेली थीं।

38 प्रतिभाओं का सम्मान

बूंदी। देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज पूरा बूंदी जिला देशभक्ति के जोश और उल्लास में डूबा रहा। जिला स्तरीय मुख्य समारोह शहर के पुलिस परेड ग्राउंड में भव्यता और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया, जहां जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई।

जिला स्तरीय समारोह की शुरुआत प्रातः 9 बजे हुई। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने ध्वजारोहण के बाद परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में आरएसी, राजस्थान पुलिस, महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी और स्काउट गाइड की टुकड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया। इस अवसर पर जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 38 प्रतिभाओं को जिला कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

50 लाख के क्लेम के लिए खुद को मरा बताया

बीकानेर। यहां 50 लाख रुपए के क्लेम के लिए नर्सिंगकर्मी ने खुद को मरा हुआ बता दिया। पैसा लेने के लिए उसने श्मशान घाट से अंतिम संस्कार की रसीद बनवा ली। जब बैंक ने पड़ताल की तो युवक जिंदा निकला। मामला जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने का है।

पुलिस ने आरोपी मांगीलाल ज्याणी (29) निवासी 19 जीडी थाना घड़साना (श्रीगंगानगर) को गिरफ्तार किया है। युवक मेल नर्स है और होम केयर का काम करता था। युवक ने डॉक्यूमेंट भी फर्जी तैयार किए थे। इसके लिए वह करणी नगर में जिस किराए के मकान में रहता था, उसी को अपना बताकर वहां के पते पर डॉक्यूमेंट तैयार करवा लिए थे।

एसआई देवेंद्र सोनी ने बताया कि 22 अगस्त 2024 को बंधन लाइफ इंश्योरेंस के लीगल ऑफिसर सौरभ कुमार की ओर से जयनारायण व्यास कॉलोनी पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। उन्होंने बताया कि मांगीलाल श्रीगंगानगर का रहने वाला है। मांगीलाल ने 9 अगस्त 2023 को 50 लाख रुपए का टर्म लाइन रिस्क इंश्योरेंस प्लान लिया था।

इसकी महीने की किश्त 1221 रुपए थी। दो किश्त जमा होने के बाद 14 अक्टूबर 2023 को बताया गया कि मांगीलाल की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। इसके बाद मांगीलाल के दोस्त (जिसे पवन बताया गया था) की ओर से इंश्योरेंस के पैसे के लिए क्लेम किया गया।

पुलिस जांच में पता चला कि मांगीलाल के इस पूरे फर्जीवाड़े में उसका एक दोस्त शाहरुख उर्फ सन्नी भी शामिल है। जिसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। क्लेम उठाने के लिए मांगीलाल ने पहले बैंक ऑफ बड़ौदा में पवन के नाम से फर्जी खाता खुलवाया।

इंश्योरेंस में भी नॉमिनी पवन को बताया। पुलिस जांच में सामने आया है कि मांगीलाल ने अपने दोस्त को ही पवन बताकर फर्जी डॉक्यूमेंट बनवाए थे। इतना ही नहीं श्रीगंगानगर के रहने वाले पवन ने अपने आप को बीकानेर के करणी नगर का निवासी बताकर फर्जी आधार, पैन कार्ड और जन आधार कार्ड तैयार करवाया।

स्कूली छात्रा का अपहरण के बाद सामूहिक दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। जिले में स्कूल गई एक छात्रा का अपहरण कर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने पॉक्सो एवं रेप का केस दर्ज किया है। छात्रा 13 साल की बताई जाती है। पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। पीड़िता के बयान अब अठिाम जांच की जा रही है। फिलहाल आरोपी हाथ नहीं लगे है।

एसीपी ने बताया कि छात्रा 13 साल की है और वह 14 अगस्त को सुबह स्कूल गई थी। जहां से बाइक पर उसका अपहरण किया गया। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने शाम को अपने परिजन को इस बारे में जानकारी दी और पुलिस में मामला दर्ज करवाया। एसीपी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल करवाने के साथ बयान लिए जा रहे है। आरोपी फिलहाल हाथ नहीं लगे है।

कोटडा स्कूल हादसा: कार्यवाहक एईएन (शिक्षक) निलंबित, ठेकेदार पर एफआईआर

उदयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर उदयपुर के कोटडा थाना इलाके के पाथरपाडी गांव स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के निर्माणाधीन भवन का छज्जा गिरने से एक बालिका की मौत मामले में शिक्षा विभाग ने कार्यवाहक सहायक अभियंता (एईएन)हेमसिंह (मूल पद तृतीय श्रेणी अध्यापक)को निलंबित और संविदा पर कार्यरत जेईएन अनिल कश्यप की सेवाएं समाप्त कर दी गई।

वहीं स्कूल बिल्डिंग निर्माण कर रही ठेकेदार फर्म मैसर्स दिव्यांशी एन्टरप्राईजेज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवायी है।वहीं हादसे में मृत बालिका का पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जहाँ उसका अंतिम संस्कार किया गया।

आपको बतादें किकोटडा के पाथरपाडी गांव में पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के भवन का निर्माण कार्य चल रहा है,अभी कक्षाएं पास की दूसरी बिल्डिंग में चलती हैं। शुक्रवार को 15 अगस्त के चलते निर्माणाधीन भवन के पास अन्य भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के कार्यक्रम चल रहे थे,इस दौरान निमार्णाधीन स्कूल भवन का छज्जा गिरा और वहां से गुजर रही दो बालिकाएं छज्जे के मलबे की चपेट में आ गयी।

थानाधिकारी मुगलाराम के अनुसार हादसे में मोदी(12) पुत्री श्यामा निवासी गो पीपला की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि पायल(11) पुत्री राकेश निवासी पाथरपाडी घायल हो गई। दोनों बालिकाए दो दिन पूर्व ही अपने मामा के यहाँ मेहमान आई थी दूसरी गंभीर घायल बालिका को परिजन गुजरात के नजदीक अस्पताल लेकर पहुंचे। स्कूल में हुए हादसे और सरकार द्वारा जिम्मेदारों के खिलाफ एक्शन लेने के बीच एक सवाल बार.बार उठ रहा है कि शिक्षा विभाग ने एईएन जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी स्कूल के तृतीय श्रेणी अध्यापक को क्यों दी थी।

■ ठेकेदार फर्म के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सरकार ने तृतीय श्रेणी अध्यापक कार्यवाहक एईएन हेम सिंह को निलंबित तो कर दिया पर यह सवाल बाकि है कि क्या सरकार के पास सिविल इंजीनियर नहीं है क्या तृतीय श्रेणी शिक्षक को सिविल इंजीनियर की जिम्मेदारी देना कहां तक सही है? क्या एक तृतीय श्रेणी शिक्षक ठेकेदार द्वारा की जाने वाली गडबडियों को चेक करने में सक्षम है।

एक शिक्षक को उसके कार्य से विपरीत सिविल इंजीनियरिंग के सहायक अभियंता की जिम्मेदारी देना कहां तक ठीक है? इस बात से ग्रामीणों में भारी रोष है कि जिस काम के लिए पेशेवर इंजीनियरों की आवश्यकता थी,वहां एक ग्रेड थर्ड टीचर और संविदा कर्मचारी को जिम्मेदारी सौंप दी गई। शिक्षकों के अनुसार निर्माण कार्य स्कूल एसडीएमसी की स्वीकृति के बिना ही शुरू कर दिया गया था। एईएन और जेईएन ने शिक्षकों को निर्माण प्रक्रिया से दूर रहने के निर्देश दिए थे जिसके चलते शिक्षक निगरानी नहीं कर पाए। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्माणाधीन विद्यालय का छज्जा गिरने से भवन के पास से गुजर रही एक बालिका की मौत हो गयी और अन्य बालिका घायल हो गयी है। दोनों विद्यालय की छात्राएं नहीं हैं। निर्माणाधीन भवन में विद्यालय संचालित नहीं है। विद्यालय अन्यत्र संचालित है। हादसा गुणवत्ता में कमी के चलते नहीं बल्कि कार्य में संवेदक द्वारा लापरवाही के चलते घटित हुआ है। छज्जे में लिंटा भराई ठीक से न करने और शटरिंग समय से पूर्व हटाने की वजह से हादसा घटित हुआ जिसमें एक बच्ची की मौत हो गयी।

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसामंमं/2025-26/1187 दिनांक -14.08.2025

-: ई-निविदा सूचना संख्या-11/2025-26:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु पंजिकृत व योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण व अन्य शर्ते **http://sppp.rajasthan.gov.in** तथा **http://eproc.rajasthan.gov.in** पोर्टल पर दिनांक 16.08.2025 को प्रात: 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 04.09.2025 सांय 06:00 बजे तक ऑनलाईन सबमिट किये जा सकते है जिनकी तकनीकी निविदाएं दिनांक 05.09.2025 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदा संबंधी शुल्क व राशियां निविदा प्रपत्र में अंकित बैंक खाते में जमा करवानी होगी।

क्र. सं.	कार्यों का विवरण	अनु.राशि (लाखों में)	UBN
1.	SITC Of Decorative electric Pole and lighting work on the remaining part/ road from Mandfiya to Bhadsoda Chouraha	236.00	SMM2526WSOB00029
2.	Supply and filling good soil of earth & manure for plantation from Bhadsora Chouraha to Mandfiya and Meera Circle to Singhdwar Decorative Divider at SSMMMandfiya	89.02	SMM2526WSOB00030

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

नकली देशी घी और नकली सामान बनाने तथा बेचने वाली गैंग पकड़ी

जयपुर पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना समेत चार बदमाशों को दबोचा

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) और सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकली देशी घी और विभिन्न कंपनियों के नकली उत्पाद बनाने और बेचने वाले मुख्य आरोपित सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से 25 लाख रुपये कीमत के लगभग 225 लीटर नकली देशी घी विभिन्न ब्रांड (सरस, अमूल, कृष्णा, लोट्स, महान), लगभग 9 हजार 500 नहाने के नकली साबुन की टिकिया (गादे रेज नम्बर 01, डिटॉल), नकली गोल्ड फ्लैक सिगरेट के 2 हजार 226 पैकेट, नकली आयोडेक्स बाम 10 53 डिब्बियां सहित इसके अलावा भारी मात्रा में नकली सर्फ एक्सेल, डिटर्जेंट पाउडर व पाउच, बीडी, विक्स वेपोरब, ईनो, माहेश्वरी चाय,

जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम और सांगानेर सदर पुलिस ने नकली देशी घी और विभिन्न कंपनियों के नकली उत्पाद बनाने और बेचने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

कोलगेट व क्लोज अप टूथपेस्ट, फेयर एण्ड लवली, वैसलीन बॉडी लोशन, तानसेन पान मसाला, फेवीक्विक, लेवल, रेफर, कार्टून, बारदाना, नकली सामान बनाने व पैकिंग में प्रयुक्त सामग्री, मशीनरी व उपकरण जब्त किए गए है। यह कार्रवाई थाना इलाके में स्थित सचिवालय नगर के एक मकान में की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सीएसटी और सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकली देशी घी और विभिन्न कंपनियों के नकली उत्पाद बनाने और बेचने वाले मुख्य आरोपित मनीष कुमार गुप्ता (46) निवासी टोंक हाल प्रताप नगर जयपुर, नावेद खान (21) निवासी टोंक,मन सैन (19) निवासी टोंक और शंकर लाल शर्मा (48) निवासी मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

जिनके पास से 25 लाख रुपये कीमत के लगभग 225 लीटर नकली देशी घी विभिन्न ब्रांड सहित अन्य सामान जब्त किया गया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

वनस्पति घी और बटर से बना रहे थे नकली घी

- **स्वास्थ्य टीम ने सांगानेर स्थित कारखाने पर छापा माकर सरस-अमूल और कृष्णा जैसे ब्रांड के रैपर और कच्चा माल जब्त किया**
- **इसके अलावा भी अलग-अलग ब्रांड के घी के पैकेट भी बरामद**

जयपुर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय और सांगानेर थाना पुलिस में शुक्रवार को सांगानेर एरिया में एक नकली घी बनाने के कारखाने पर छापा मारते हुए बड़ी संख्या में सरस, अमूल और कृष्णा जैसे अलग-अलग ब्रांड के रैपर और कच्चा माल मिला है। इसके अलावा बड़ी संख्या में तैयार अलग-अलग ब्रांड के घी के पैकेट भी बरामद किए हैं। कार्यवाही के दौरान इस फैक्ट्री संचालक मौके पर नहीं मिला। जिसे अब पुलिस तलाश कर रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया पुलिस को मिली सूचना के बाद स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय टीम और पुलिस की संयुक्त टीम ने वाटिका रोड स्थित सचिवालय नगर में एक मकान में छापा मारते हुए सरस ब्रांड के 500 एमएल के 12 पैकेट तैयार घी, 1 लीटर के 4 पैकेट, महान ब्रांड का 1 लीटर के 10 पैकेट, लोटस ब्रांड के 500 एमएल के 26 पैकेट, अमूल ब्रांड के एक लीटर के 36 पैकेट, कृष्णा ब्रांड के 500 एमएल का एक और 200 एमएल के 6 पैकेट मिले। इसके अलावा इन ब्रांड के नाम से बारकोड, स्टिकर, रैपर समेत अन्य चीजें बरामद हुई।

डॉ. मित्तल ने बताया कि इस कारखाने में वनस्पति घी और उसमें बटर समेत अन्य चीजें मिलाकर घी तैयार किया जा रहा था। इसे बाजार से आने वाली मांग के अनुरूप तैयार करके भेजने का काम किया जाता था। इसके अलावा यहां अन्य चीजें जैसे इनो, नकली विक्स, वाशिंक पाउडर, साबुन भी बरामद किए गए। कार्यवाही के दौरान इस फैक्ट्री संचालक मौके पर नहीं मिला, जिसे अब पुलिस तलाश कर रही है।

बी.एस.एन.एल. ऑफिस में स्वतंत्रता दिवस मनाया

जयपुर । आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर बीएसएनएल के राजस्थान परिमंडल कार्यालय जयपुर में स्वतंत्रता दिवस को हर्षौल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबन्धक विक्रम मालवीय ने ध्वजारोहण किया। विक्रम मालवीय ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम नमन करते हैं, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं उन सब वीर शहीदों को जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को आजादी दिलाई और हमें आज यह दिन देखने का सौभाग्य प्रदान किया। आपने बीएसएनएल के सभी कार्मिकों को और उनके परिवार कोस्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दी। उन्होंने इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वालेबीएसएनएल केअधिकारियों तथा

कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर डाक विभाग के चीफ पोस्ट मास्टर जनरल कर्नल सुशील कुमार एवं निदेशक डाकसेवाएँ अनुब्रता दास तथा बीएसएनएलएवं डाक विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित थे।

उद्योगों के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव करने पर चर्चा

जयपुर (कासं)। राजस्थान कौशल एवं राजीविका विकास निगम के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने आईटीआई के उन्नयन और उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम में सुधार पर चर्चा के लिए सीआईआई उद्योग प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान, सीआईआई प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भारत सरकार की पुरानी योजना के तहत अपनाए गए आईटीआई में अपने अनुभव और चिंताओं को साझा किया और समाधान के उपाय सुझाए।

प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को सुझाव दिया कि सरकार को क्षेत्र-विशिष्ट कौशल केंद्रों को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे स्किल वर्कफोर्स को रोजगार के लिए तैयार किया जा सके। वर्तमान में, उद्योग की आवश्यकता के अनुसार छात्र उपलब्ध नहीं हैं और आईटीआई में चल रहे व्यवसाय उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए बेरोजगारी दर बहुत अधिक है। संदीप वर्मा ने कहा कि इन स्किल सेन्टर्स का उद्देश्य तकनीकी रूप से कुशल कार्यबल विकसित करना होना चाहिए, जिसमें युवाओं को नौकरी पर प्रशिक्षण देकर उन्हें नवीनतम मशीनों से परिचित कराना शामिल हो, जिनका उपयोग वे पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद कर सकेंगे। वर्मा ने भारत सरकार की प्रस्तावित राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन योजना पर भी प्रतिनिधिमंडल से सुझाव मांगे। उन्होंने बताया कि इस योजना को चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा, जिसमें चयनित आईटीआई, चार अन्य निकटवर्ती आईटीआई के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करेंगे और सभी पाँच आईटीआई विकास योजनाओं को, चयनित उद्योग साझेदारों के साथ साझेदारी में विकसित विशेष प्रयोजन वाहन से अंतिम रूप दिया जाएगा। यह उद्योग की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कुशल कार्यबल विकसित करेगा।

सार-समाचार

मालावात ने किया कार्मिकों का सम्मान

जयपुर । निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) वासुदेव मालावत ने शुक्रवार को आईसीडीएस मुख्यालय जयपुर में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया। मालावत ने इस अवसर पर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन करने का आव्हान किया और कहा कि हम सभी को राष्ट्र गौरव बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। आईसीडीएस निदेशक ने इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सहायक निदेशक प्रशिक्षण जिज्ञासा शर्मा, महिला पर्यवेक्षक अरविन्दर पाल कौर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विमला बैरवा, अनिता कुमारी को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने समाज कल्याण छात्रावास की बालिकाओं को उपहार स्वरूप शैक्षिणक सामग्री भी दी। इस अवसर अतिरिक्त निदेशक मेघराज मीणा, अलका विश्नोई, उपनिदेशक बनवारीलाल सिनसिनवार सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

आशीष मोदी ने किया ध्वजारोहण

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद मोदी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी से राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का आ ान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और मिठाई वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर आयुक्त विशेष योग्यजन केसरलाल मीना, अतिरिक्त निदेशक हरिसिंह मीना, रीना शर्मा, सुंडाराम मीना, उपनिदेशक दीपाली भागोतिया, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, अरविंद सैनी सहित अधिकारीगण और कार्मिक उपस्थित रहे।

हॉलमार्क स्कूल में जन्माष्टमी मनाई

जयपुर (कासं)। हॉलमार्क इंटरनेशनल स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में बच्चों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का जीवंत चित्रण किया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण की झलकियाँ पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष आकर्षण रहे ईशान श्रीमाल, जिन्होंने कान्हा का रूप धारण कर अपनी अदाओं और भोलेपन से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों को प्रस्तुत किया। नटखट कान्हा के रूप में छोटे-छोटे बच्चों का मनमोहक अभिनय देखकर अभिभावक और शिक्षक सभी भाव-विभोर हो उठे।

'फाउंटेन स्क्वायर' ने मनाया आजादी पर्व

जयपुर । "फाउंटेन स्क्वेयर " के निवासियों द्वारा 15 अगस्त को 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के निवासियों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर बच्चों में पर्यावरण के प्रति प्रेम जाग्रत करने के उद्देश्य से उन्हें पौधे वितरित किए गए। विशेष बात यह रही कि सभी निवासियों ने मानव श्रृंखला के माध्यम से "79" की आकृति को उकेरा ।

हर्षोल्लास से मनाया तीज उत्सव

जयपुर । सारस्वत महिला मंडल जिला जयपुर के तत्वावधान में तीज महोत्सव रंगारंग आयोजन के साथ के साथ वैशाली नगर के होटल राजवाड़ा पैलेस में सम्पन्न हुआ। हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ महिलाओं ने नृत्य, गीत, संगीत प्रहसन सहित हर इवेंट में उत्साह पूर्वक भाग लेकर सभी का दिल जीत लिया। सारस्वत महिला मंडल जिला जयपुर की अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने बताया कि भगवान गणेश की पूजा अर्चना के साथ संपन्न तीज उत्सव में महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सज्ज धज्ज कर भाग लिया। इस अवसर पर मिसेज तीज सहित डांस, रैंप वॉक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तीज क्वीन का ख़िताब मोनिका गोस्वामी ने अपने नाम किया। बेस्ट रैंप वॉक प्रीति ओझा, द्वितीय स्थान प्रियंका शुक्ला तथा तृतीय प्रिया शर्मा ने हासिल किया। डांस में प्रथम स्थान प्रगति सारस्वत, द्वित्तीय रविका शर्मा तथा तृतीय स्थान ख्याति शर्मा ने प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं की निर्णायक सारस्वत महिला मंडल जिला जयपुर की प्रचार मंत्री डॉक्टर मिनिता ओझा तथा महामंत्री सुनीता उपाध्याय थी। सभी विजेताओं को पुरस्कार तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रारम्भ में सभी महिलाओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

"एक पेड़ तिरंगे के नाम" कार्यक्रम आयोजित

जयपुर । स्वतंत्रता दिवस पर प्लान्टेशन बोर्ड (पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद इकाई-भारत) और जैन सोशल ग्रुप मुहाना मानसरोवर की ओर से पार्श्वनाथ जैन मंदिर मुहाना में झंडारोहण एवं पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य 'एक पेड़ तिरंगे के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना और आज़ादी के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। प्लान्टेशन बोर्ड के चेयरमैन सर्वेश्वर शर्मा ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम से प्रेरित होकर आज 79वें स्वतंत्रता दिवस पर हमने एक पेड़ तिरंगे के नाम समर्पित किया है। कार्यक्रम में प्लान्टेशन बोर्ड के निदेशक प्रवीण शर्मा, जयपुर जिला प्रमुख अधिकारी विजेंद्र सिंह, जिला उपप्रमुख अधिकारी सुनील बोहरा, आध्यात्मिक चिकित्सक तरुण माथुर, समाजसेवी अभिषेक शर्मा, और राजस्थली से आशीष गोरा मौजूद रहे। जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार जैन शाह ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के मंत्री सुनील कुमार जैन ने कुशलता से किया।

राष्ट्र भक्ति गीतों पर थिरके छात्र-छात्राएं

जयपुर । जयपुर स्थित एबीएन अकेडमी में स्वंतत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि खगुल कृष्ण भारद्वाज (आध्यात्मिक प्रवक्ता) और सत्यचित्त पुष्पानन्द सामाजिक विकास संस्था की सचिव रीता पाठक भारद्वाज रहे, जबकि समाज सेविका मंजू गोयल विशिष्ट अतिथि रही। जिन्होंने सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया, तत्पश्चात सैकड़ों बच्चों के साथ राष्ट्रगान किया गया।

एबीएन अकेडमी के प्रबंध निदेशक चौधरी भंवर सिंह व प्रधानाचार्या बीना सिंह के नेतृत्व में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अतिथियों को तिलक चन्दन लगाकर अभिनन्दन किया। छात्र-छात्राओं ने मनोहारी राष्ट्र भक्ति फिल्मी गीतों पर थिरक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इसके अलावा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरा वातावरण राष्ट्र भक्ति में डुबो दिया। मुख्य अतिथि खगुल कृष्ण भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में उपस्थित बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि देश की भावी पीढ़ी को देश पर मर मिटने शहीदों के आदर्श को अपनाना होगा, जिन्होंने अपने निज जीवन को प्राथमिकता न देते हुए प्रथमत: देश के उत्थान में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। समारोह के अंत में प्रतिभागी बच्चों को अतिथिगणों ने आकर्षक उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन बरखा सिंह ने किया ।

आध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज ने स्वतंत्रता दिवस पर ए.बी.एन. अकेडमी में बच्चों को पुरस्कृत किया।

हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (ओटीएस) में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा, उल्लास और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ । समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव और संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा ने ध्वजारोहण किया। गुहा ने सभी को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हमें राष्ट्र की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों की याद दिलाता है। इस अवसर पर संस्थान के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्री जय सिंह, रिटायर्ड आई.ए.एस. अधिकारी एस.एस. बिस्सा सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

जन्माष्टमी पर शहर में भव्य शोभायात्रा

जयपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार को जयपुर में यादव समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान परकोटे के बाजार नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की से गुंजायमान हो गए। यात्रा के संबंध में भाजपा नेता और पूर्व चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि यादव युवक मंडल जयपुर की ओर से शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें शोभायात्रा उनियारा के रास्ते स्थित सीतारामजी का मंदिर से प्रारंभ होकर नाहरगढ़ थाना, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़ होते हुए रामगंज घोषियों के रास्ते में पहुंची। इस दौरान शोभायात्रा में भगवान श्री कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई। लाव लश्कर, हाथी, घोडे, ऊंट और बग्घियों से सुशोभित यात्रा में बडी संख्या में महिलाएं और पुरुष भाग लिया। इस दौरान शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। महिलाओं ने केसरिया साफा बांध कर भाग लिया। पूर्व चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि शोभायात्रा को कनक बिहारी मंदिर महंत सियाराम दास जी महाराज घाट के बालाजी महंत सुदर्शनाचार्य जी महाराज बालकृष्ण शास्त्री महाराज

विधायक गोपाल शर्मा, भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल नगर निगम जयपुर हैरिटेज कुसुम यादव भाजपा किशनपोल विधायक प्रत्याशी चंद्र मनोहर बटवाडा रवि नैय्यर ने आरती उतार कर शोभायात्रा को प्रारंभ किया। महापौर कुसुम यादव ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के बनाए नियमों की पालना से ही जीवन सार्थक हो सकता है। इसलिए हमें उनके बताए रस्ते पर चलना चाहिए। शोभायात्रा का रामगंज बाजार में मुस्लिम समुदाय ने भी पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

नया प्रत्यक्ष कर विधेयक, टैक्स प्रणाली को सरल व पारदर्शी बनायेगा : सी.ए. भंसाली

जयपुर (कासं)। राजस्थान चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सोसायटी के अध्यक्ष सीए सुधीर भंसाली ने कहा कि नया प्रत्यक्ष कर विधेयक, टैक्स प्रणाली को सरल, पारदर्शी और अधिक आधुनिक बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

उन्होंने बताया कि इस विधेयक में पुरानी जटिल भाषा को हटाकर प्रावधानों को सरल और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया गया है। टेबलर फॉर्म और नए ड्राफ्ट से करदाताओं को विभिन्न धाराओं को समझना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सहज होगा। इससे न केवल करदाताओं को सुविधा होगी, बल्कि पेशेवरों को भी अनुपालन सरलता से कराने में मदद मिलेगी। भंसाली ने कहा कि यह

सीए सुधीर भंसाली

विधेयक व्यापार और उद्योग जगत के लिए राहत की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत है। सरलीकरण से छोटे और मध्यम करदाताओं को भी कानून को समझने और अपने दायित्व निभाने में आसानी होगी। डिजिटलीकरण और फेसलेस असेसमेंट जैसे प्रावधान पारदर्शिता को और मजबूत करेंगे तथा अनावश्यक विवादों को कम करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि कर प्रणाली को सरल बनाने की यह पहल निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देगी और निवेश माहौल को और अधिक अनुकूल बनाएगी। समाज के प्रत्येक वर्ग-चाहे वह वेतनभोगी हो, प्रोफेशनल हो या व्यापारी-को इस विधेयक से लाभ होगा। भंसाली ने इस पहल को सरकार की दूरदर्शिता और करदाताओं के हित में उठाया गया स्वागत योग्य कदम बताया।

15 अगस्त सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी एकता, संघर्ष और बलिदान की याद का दिन : डॉ. समित शर्मा

जयपुर । स्वतंत्रता दिवस का पर्व पशुपालन विभाग में गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर विभाग के परिसर में झंडारोहण किया। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें हमारे राष्ट्रीय पर्व पर तिरंगे के नीचे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होना चाहिए।

डॉ. शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त सिर्फ एक तारीख भर नहीं है बल्कि यह हमारी एकता, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाने वाला दिन है। हर भारतीय के लिए गौरव का दिन है। यह वह तारीख है जो हमें सिखाती है कि कठिन से

डॉ. समित शर्मा

कठिन हालात में भी सही फैसले और एकजुटता से कोई भी बदलाव संभव है। उन्होंने कहा कि हम अपने आस पास के देशों को देखें तो हमें हमारी स्वतंत्रता की अहमियत पता चलेगी। एक तरफ वे देश वर्षों से युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं और हमारा देश आज लोकतांत्रिक देश है जहां शांति और विकास है।

उन्होंने कहा कि आज का दिन उन सभी महापुरुषों को नमन करने का दिन है जिनकी वजह से हमें ये स्वतंत्रता मिली। स्वतंत्रता विकास के लिए बहुत आवश्यक है। स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में बहुत बारीक सा अंतर है। स्वतंत्रता हमें आगे ले जाती है और स्वच्छंदता पीछे की ओर धकेलती है। डॉ शर्मा ने कहा कि अनुशासन रूपी डोर से बंधे होने से ही हमारा समाज, प्रदेश और देश तरक्की की उंचाइयों को छुएगा। हमें भी अपने विभाग को इसी अनुशासन में बांध कर रखना है। स्वतंत्रता का सम्मान करना और इसे बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी और कर्तव्य है। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन अपने उन वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जो हमें आजादी की हवा में रहने का मौका देने के लिए सरहद पर अपने प्राणों की परवाह किए बिना मुस्तैदी से डटे रहते हैं। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी गई। शासन सचिव ने अपनी मधुर आवाज में देश भक्ति गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पशुपालन, गोपालन और मत्स्य पालन विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर शासन सचिव के नेत्त्व में झंडा यात्रा भी निकाली गई।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक का सिर धड़ से अलग हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कानोता इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से युवक सिर धड से अलग हो गया था। जानकारी के अनुसार ट्रेन की टक्कर से शरीर पर रगड के भी निशान मिले। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

जीआरपी पुलिस ने बताया कि कानोता रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। लहूलुहान हालत में सिर से अलग धड पडी लाश मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों की भीड लगने पर स्टेशन मास्टर ने पुलिस को लाश पड़े होने की सूचना दी। जीआरपी ने सूचना पर पहुंचकर मौका-मुआयना किया। मृतक की पहचान के प्रयास करने पर भी शिनाख्त नहीं हो सकी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मोर्चरी भिजवाया।

पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र करीब 22 साल की है। जिसकी ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। ट्रेन से टकराने से धड से सिर अलग हो गया।

बायां हाथ कंधे से कटा हुआ है। पूरे शरीर पर जगह-जगह रगड़ के निशान है। कलाई पर अंग्रेजी में डीपीएमबी लिखा है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SUNDAY
17 August 2025
A-B

Black Cat Appreciation Day

Black Cat Appreciation Day, observed on August 17 in the USA, aims to dispel myths and superstitions surrounding black cats. Often unfairly associated with bad luck, these beautiful felines have long suffered from negative stereotypes, affecting their adoption rates in shelters. This day highlights their charm, uniqueness, and loving nature, encouraging people to see them as symbols of good fortune and companionship. Animal shelters and pet lovers use the occasion to promote black cat adoptions and spread awareness through social media and events. It's a perfect time to celebrate these mysterious, elegant creatures and give them the love they deserve.

#RIDICULOUS

So Much Shoe And No More

16th Century Had Sumptuary Laws Against Shoes: Fashion, Power, and Control

Le Courtisan suivant le Dernier Édit by Abraham Bosse, a French courtier casting aside lace, ribbons and slashed sleeves in favour of sober dress in accordance with the edict of 1633.

In the 16th century, clothing was more than just a matter of personal style, it was a symbol of social order, wealth, and power. Across Europe, monarchs and governments implemented sumptuary laws, regulations intended to restrict extravagance in dress and reinforce social hierarchies. Among the more curious targets of these laws were shoes, particularly those that were deemed too luxurious, fashionable, or revealing.

Sumptuary laws had deep roots in medieval society, but they became especially prominent during the Renaissance. As trade and commerce expanded, members of the rising middle class began to emulate the styles of the nobility, blurring the visual lines between classes. Ruling elites saw this as a threat to the established order and responded by imposing strict dress codes, including on footwear.

In England, under the rule of Henry VIII and later Elizabeth I, various proclamations were issued to control clothing, including shoes. For example, laws banned excessively long toes on men's shoes, a trend known as crackowes or poulaines, which were seen as both impractical and vain. Although this trend peaked earlier, its influence lingered, and similar restrictions reappeared periodically. Shoes with extravagant slashing, embroidery, or precious metals were likewise restricted to the upper classes.

France and Spain had their own versions of shoe-related restrictions. In Spain, the Mudejar-influenced slipper styles, known for their intricate designs and pointed toes, were seen as morally questionable due to their association with non-Christian traditions. In both countries, authorities viewed footwear not only as a marker of wealth but also as a symbol of foreign influence or cultural decadence. One of the most striking examples came from Venice, where chopines, platform shoes worn by women, reached such extreme heights that some laws were passed to limit their soles. These shoes, sometimes over 20 inches tall, required the help of attendants to walk and were both a fashion statement and a social signifier. Despite legal attempts to control them, chopines remained popular for decades, a testament to fashion's defiance of regulation.

The enforcement of sumptuary laws was inconsistent, often depending on the political climate and local authorities. While these laws were rarely enforced harshly, they served as tools for moral policing and social control. They reminded people that appearance was not simply personal, it was political.

In the end, 16th-century sumptuary laws against shoes reveal how fashion has long been entangled with identity, authority, and resistance. Far from being frivolous, shoes were powerful symbols, so powerful, in fact, that they had to be regulated by law.

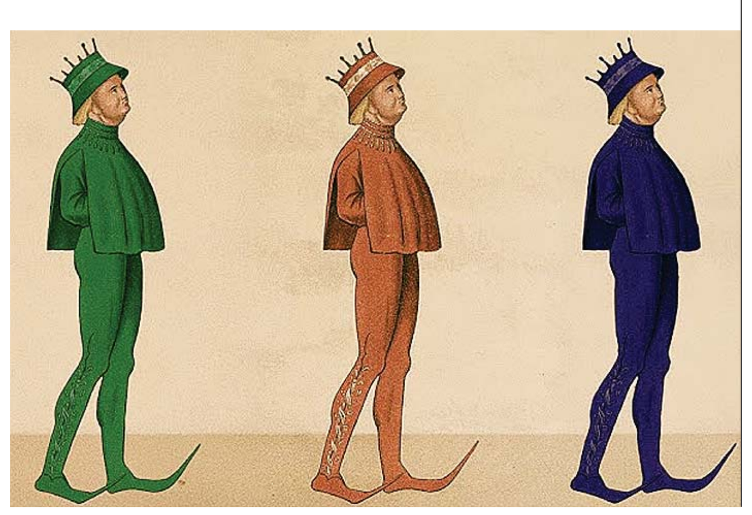

Pura Luhur Uluwatu

Uluwatu Temple is not just a must-visit on any Bali itinerary; it's a perched paradise where you can feel the pulse of Bali's spiritual heart while marveling at the island's extraordinary natural beauty. Whether you come for the culture, the views, or the spiritual experience, Uluwatu promises a visit that will stay with you long after you've left its sacred cliffs. It is also the centre of Janmashtami celebrations in Indonesia.

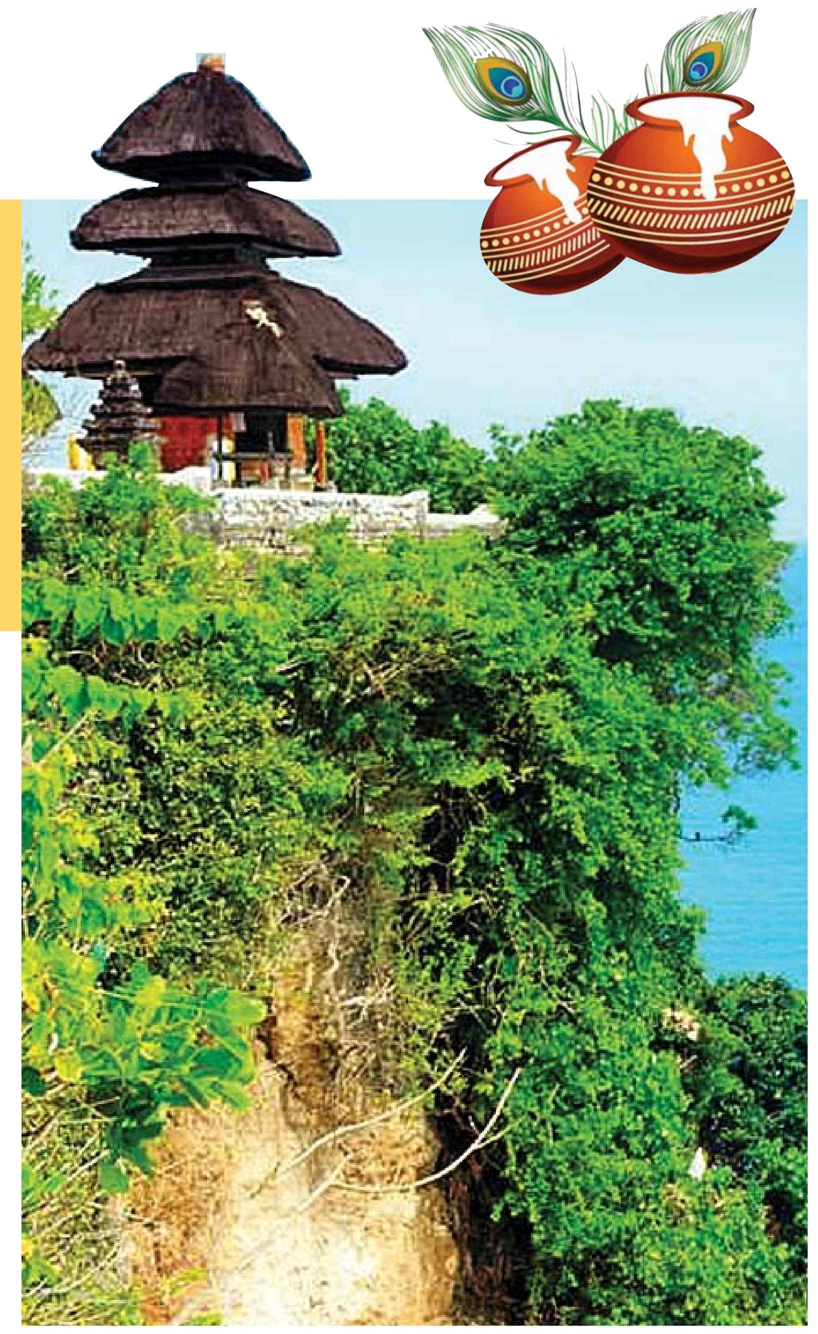

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#CELEBRATIONS

We are celebrating Janmashtami today in many ways suited to each man's temperament and means. But we are not alone, others across the world also celebrate the birth, according to their temperament, belief and culture. Bali in Indonesia is one. Here, it is celebrated, though with local interpretations and traditions woven into the broader Hindu celebrations. While Janmashtami commemorates the birth of Lord Krishna, in Bali, it's often integrated into their existing Hindu festivals and cultural performances. One prominent example is the Legong dance, a classical Balinese dance, which is performed at Pura Luhur Uluwatu temple during Janmashtami to depict stories from Krishna's life.

The Pura Luhur Uluwatu temple, perched on a cliff overlooking the Indian Ocean, is a focal point for Janmashtami festivities, featuring traditional Balinese dance performances. High above the crashing waves of the Indian Ocean, Uluwatu Temple stands as a breathtaking testament to Bali's spiritual and natural splendor. Perched majestically on a 70-meter cliff, this iconic temple offers more than just a stunning view; it's a gateway to the soul of Bali, where tradition, culture, and the elements converge in a powerful display of beauty and reverence.

More than just a place of worship, Uluwatu Temple is a cultural treasure, drawing visitors from around the world to witness its famous evening Kecak dance performances. As the sun sets, painting the sky with vibrant hues, the temple becomes a living canvas where Bali's rich heritage is brought to life against the dramatic backdrop of the ocean. Located on the Bukit Peninsula, Uluwatu Temple offers not only spiritual solace but also panoramic vistas that are simply unparalleled. The temple's strategic position has made it a cornerstone of Balinese spirituality, while its natural surroundings provide an awe-inspiring experience for those who seek to connect with the island's unique cultural identity.

Uluwatu Temple is not just a must-visit on any Bali itinerary, it's a perched paradise where you can feel the pulse of Bali's spiritual heart while marveling at the island's extraordinary natural beauty. Whether you come for the culture, the views, or the spiritual experience, Uluwatu promises a visit that will stay with you long after you've left its sacred cliffs. It is also the centre of Janmashtami celebrations in Indonesia.

Uluwatu Temple is considered one of the six spiritual pillars of Bali, known as the Sad Kahyangan Temples. These six temples are strategically positioned across the island to provide spiritual balance and protection.

Uluwatu Temple specifically guards Bali from evil sea spirits. The temple's location at the edge of a high cliff represents the Hindu belief in the balance between the spiritual and the natural world.

The oldest parts of the temple are the main shrine and its imposing stone gate carved with intricate floral designs, dating back to the 10th century. It is built predominantly from locally sourced coral stone, which gives it a distinctive color and appearance.

Later, in the 16th century, Dang Hyang Nirartha, further developed the temple complex during his travels through Bali to spread Hinduism. He is said to have attained Moksha here, the freedom from the eternal cycle of life, death, and rebirth. Janmashtami is celebrated by Indian Hindu communities in Indonesia, especially in Medan and Jakarta, with prayers, devotional songs, and storytelling about Lord Krishna's birth. The festival honors the divine love and wisdom of Krishna through temple rituals and family gatherings.

Janmashtami: A Public Holiday?

Janmashtami is not a national public holiday in Indonesia, but it is celebrated as a religious and cultural event by Indian Hindu communities in certain regions. Hindu communities in Indonesia, particularly in Medan, Jakarta, and Surabaya. These communities have preserved their religious and cultural traditions for generations, including festivals like Janmashtami.

Although Balinese Hindus do not specifically observe Janmashtami, as it follows a different calendar and ritual practice, the Indian Hindu diaspora celebrates it with devotion on the date according to their calendar. The festival serves as a reminder of Krishna's teachings in the Bhagavad Gita and his message of love, wisdom, and righteousness. For Indian Indonesians, Janmashtami is more than just a religious occasion, it is also a way to maintain cultural identity, pass traditions to younger generations, and share the story of Lord Krishna with the wider community.

Observance of Janmashtami in Indonesia

The celebrations often begin in temples and homes, where devotees gather to pray, sing bhajans (devotional songs), and read stories from the life of Lord Krishna. Special pujas (rituals) are held in the evening, and at midnight, the believed time of Krishna's birth, a ceremonial aarti is performed. Devotees offer milk, butter, and sweets to honour Krishna, who is known for his playful and loving nature.

Temples and cultural centers in cities like Medan and Jakarta may also host events such as dance performances, storytelling sessions, and skits portraying scenes from Krishna's childhood. Children sometimes dress as Lord Krishna or Radha, adding joy and color to the celebration. Families come together to share traditional meals and sweets, creating a festive and spiritual atmosphere that brings the community closer.

Janmashtami holds deep spiritual and cultural meaning for Indian Hindus in Indonesia. It is a time to reflect on Krishna's life and teachings, which emphasize love, truth, and devotion. The festival also helps families strengthen their cultural roots and pass on values to the younger generation. Even though it is not a national public holiday, Janmashtami is a cherished celebration that brings communities together. It also showcases Indonesia's cultural diversity and the way different traditions can thrive side by side. Through Janmashtami, Indian Indonesians not only express their faith but also contribute to the spirit of harmony and mutual respect in the country.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRIED AND TASTED

Gutti Vankaya or Yengai (It's Brinjal)

The ground masala is really easy to make and there's virtually no chopping involved! Always a win for weeknight dinners or special dinners!

Stuffed Brinjal Curry or Eggplant Curry is a delicious South Indian speciality that uses a mix of peanuts, sesame seeds, coconut, chana dal, tamarind, chillies and jaggery to create a nutty, spicy, tangy, sweet base. The ground masala is really easy to make and there's virtually no chopping involved! Always a win for weeknight dinners or special dinners. Goes well with rotis, biryani, or just steamed rice

Prep: 10 minutes
Cook: 40 minutes
Total: 50 minutes
Servings: 6 people

- ¼ Cup Fried Chana Dal, split chickpea lentils
- ¼ Cup Peanuts, groundnuts
- 8 Byadagi Dry Red Chilli
- 8 Guntur Dry Red Chilli
- 12 Cloves Garlic
- 1 ½ Teaspoon Cumin Seeds
- 1 Tablespoon Coriander Seeds
- ½ Tablespoon Sesame Seeds
- 17 Grams Tamarind, lemon sized, approx 1½ Tablespoon/ sub with 1 tbsp tamarind paste
- 27 Grams Jaggery, approx 2-3 Tablespoons/ sub with brown sugar
- 1 ½ - 2 Teaspoon Salt
- Cup grated Dry Coconut, kopra
- ¾ Cup Water, approx

Curry

- ¼ Cup Oil, sesame or groundnut
- 1 Teaspoon Mustard Seeds
- 8-10 small purple striped Brinjal
- 1 Large Onion, sliced, approx 1 cup
- 1 1/2 cup Water, divided

Instructions

Paste

- Add all the paste ingredients except the water to the chutney jar of a mixer. Grind into a fine paste. Add water little by little as you grind it, just enough for you to get a smooth paste. If it becomes too thin, it'll be difficult to stuff the brinjal with it.

Curry

- Make a deep X-shaped cut on the bottom of brinjal, cut till the top without cutting all the way through. The cut should be deep enough to be able to open up the brinjal. Stuff the brinjal well with the prepared paste. Repeat for the remaining brinjal and set aside. Reserve any excess paste.
- Heat oil in a flat bottomed kadai or sauteuse pan. Add mustard seeds and allow them to splutter.
- Add the prepared brinjal to the pan. Spread them out as much as possible and shallow fry for 2-3 minutes on each side. Use tongs to turn the brinjals.
- Add sliced onion and stir. Saute for 2 minutes.
- Add the remaining paste and mix to combine. Fry for 2-3 minutes.
- Add 1 cup water and mix. Cover the pan with a lid and cook on medium-low heat for 25-30 minutes or until the brinjal is cooked. It may take longer to cook depending on the size of the brinjal.
- Add the remaining half cup of water little by little to adjust the consistency of the gravy as desired.
- Serve hot along with rice and ghee or jowar rotis!

Notes

1. Whole tamarind can be substituted for 1 tbsp tamarind paste.
2. If you don't have access to dried coconut, use freshly grated coconut or freshly frozen grated coconut in the same quantity.
3. The amount of water added to the ground paste should be just enough to grind it till smooth. Don't add too much water or the paste will become too thin making it difficult to stuff the brinjal.

Nutrition

Calories: 392 kcal, Carbohydrates: 59 g, Protein: 11 g, Fat: 16 g, Saturated Fat: 3 g, Polyunsaturated Fat: 5 g, Monounsaturated Fat: 8 g, Trans Fat: 0.04 g, Sodium: 1386 mg, Potassium: 1808 mg, Fiber: 23 g, Sugar: 32 g, Vitamin A: 898 IU, Vitamin C: 130 mg, Calcium: 127 mg, Iron: 4 mg

THE WALL

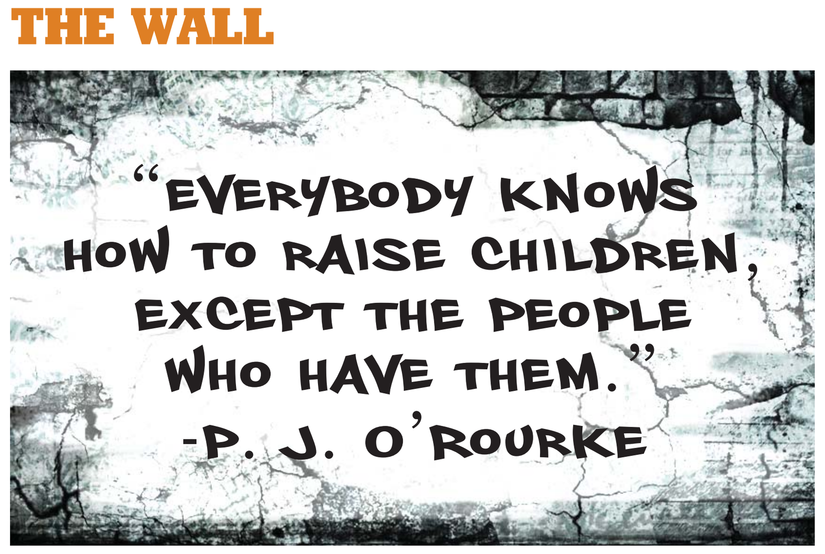

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

समारोह पूर्वक मनाया स्वतंत्रता दिवस, प्रतिभाएं सम्मानित

देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से मनाया गया स्वाधीनता दिवस समारोह

गंगापुर सिटी। स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन गवर्नमेंट हायर सैकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामकिशोर मीणा ने सुबह 9:15 बजे ध्वजारोहण किया।

समारोह में विधायक रामकेश मीणा, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल और पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। एडीएम ने ओपन जीप में सवार होकर राजस्थान पुलिस, एनसीसी और भारत स्काउट एंड गाइड की टुकड़ियों का निरीक्षण किया।

गंगापुर सिटी में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामकिशोर मीणा ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

उन्होंने राज्यपाल का संदेश जनसमूह को पढ़कर सुनाया। विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने पीटी परेड और व्यायाम प्रदर्शन किया। जवाहर नवोदय स्कूल, अग्रवाल बालिका उमावि और अन्य स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पहलगाम आतंकी हमले पर आधारित ऑपरेशन सिंदूर की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। समारोह में शिक्षा, खेल और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 46 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। एडीएम ने क्षेत्रवासियों को राज्य और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी का आ ान किया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने व्यायाम प्रदर्शन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी।

राजस्थानी लोकनृत्यों ने प्रदेश की स्वाभिमानी मिट्टी और वीरों की धरती का गौरव उजागर किया, वहीं समूह नृत्य और नृत्य-नाटिकाओं के माध्यम से एकता, भाईचारे और शांति का सशक्त संदेश दिया गया। समूह गान ने हिमालय जैसी ऊंचाई और देशभक्ति के अटूट संकल्प को स्वर दिया। क्लासिकल नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं ने देश सेवा का संकल्प जागृत किया।

उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मिनी सचिवालय, एडीएम कार्यालय, पंचायत समिति, कोष कार्यालय, सार्वजनिक निर्माण विभाग, तहसील कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय सहित विभिन्न सरकारी विभागों में विभागाध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के दौरान एएसपी राकेश राजोरा, डीएसपी संतराम मीणा, कोतवाली थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़, सदर थाना प्रभारी बने सिंह, उदई मोड थाना प्रभारी, पार्षदगण और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

रामदेवरा दर्शन जा रहे दो जातरूओं की सड़क हादसे में मौत

जोधपुर, (कासं)। रामदेवरा दर्शन को जा रहे दो जातरूओं को एक कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि जातरू दिशा भ्रमित अथवा रास्ता भटक गए और गलत दिशा में बाइक को चला दिया। जिससे कार की चपेट में आ गए। मृतक के भाई की तरफ से इस बारे में राजीव गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दी गई। कार का चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि राजसमंद जिले के सोनियान कांकरोली का रहने वाला भैरूलाल और उसके गांव का ललित दोनों बाइक से बाबा रामदेव मंदिर दर्शन को रूणिचा जा रहे थे। यह लोग बाइक लेकर केरू 12 मील पुल पर चढ़ गए थे। बाद में पता लगा कि गाड़ी गलत दिशा में लेकर जा रहे है। तब उन्होंने वापिस उसी मार्ग पर बाइक को उल्टी दिशा में घुमाकर वापिस निकलने लगे। तब एक एचआर नंबर की कार को चालक जोकि जोधपुर से माणकलाव की तरफ जा रहा था, उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार का चालक फरार हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। थानाधिकारी पोटलिया ने बताया कि कार के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। नंबर के आधार पर पता किया तो मालूम हुआ कि कार मालिक ने उसे किसी अन्य को बेच दिया था। अब इसके चालक का पता लगाया जा रहा है। घटना को लेकर मृतक भैरूलाल के भाई नारायण लाल पुत्र रामलाल गाडरी ने रिपोर्ट दी है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

पत्थर से लदे मिनी ट्रक ने स्कूली छात्र की जान ली

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को स्वाधीनता दिवस समारोह के दिन अलसुबह एयरपोर्ट पुलिस थाना क्षेत्र में रेजीडेंसी रोड पर बाइक पर सवार चार नाबालिग छात्रों की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एक स्कूली छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक पर सवार तीन अन्य छात्र घायल हो गए। दो का अस्पताल में उपचार जारी है, एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बताया जाता है कि छात्रों की बाइक ट्रक के पिछले हिस्से से टकराने के बाद एक छात्र के सिर से ट्रक का पहिया निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन और समाज के लोगों में रोष व्याप्त हो गया। बाद में घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन के साथ धरना दे दिया गया। शाम को जन प्रतिनिधियों की अगवानी में समझाइश और मुआवजा राशि देने आदि मांगों की सहमति बनने के बाद धरना समाप्त किया गया। चार बच्चों में बाइक कौन चला रहा था, फिलहाल पुलिस ने इसमें कुछ जानकारी होने से इंकार किया गया है।

एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि शुक्रवार की अलसुबह नेहरू कॉलोनी निवासी 12 साल का लोकेंद्र सिंह पुत्र विजय सिंह, 14 वर्षीय प्रदीपसिंह, 17 वर्षीय महावीर सिंह एवं इंद्रा कालोनी निवासी 14 साल का हिमांशु बाइक पर सवार होकर अपनी स्कूल रेजीडेंसी रोड पर जा रहे थे। जब यह लोग होटल रेडिसन के कट से पार होकर स्कूल की तरफ जाने लगे तब वीसी सर्किल के निकट पीछे से आ रहे पत्थर से लदे मिनी ट्रक की चपेट में आ गए। इससे सभी नीचे गिर गए। ट्रक के पिछले हिस्से का पहिया छात्र लोकेंद्र सिंह के सिर से निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रदीप सिंह, हिमांशु और महावीरसिंह भी जख्मी हो गए। हिमांशु को कम चोट लगने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जबकि प्रदीपसिंह के सिर में गहरी चोट लगी और महावीर सिंह के पैर में चोट लगी है। मामले में प्रथम दृष्टया बताया जाता है कि बाइक फिसलने से यह लोग नीचे गिर गए और फिर पीछे से आ रहे ट्रक ने चपेट में लिया था। जिससे लोकेंद्र सिंह की मौत हो गई। बाद में ट्रक का चालक गाड़ी लेकर भाग गया।

■ तीन अन्य छात्र घायल

थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि ट्रक और चालक को डिटेन किया गया है। ट्रक का चालक श्रवण मेघवाल है जिससे पड़ताल जारी है। आरंभिक पड़ताल में यह बात भी सामने आई है कि बच्चों ने हेलमेट भी नहीं पहन रखा था। सभी छात्र ही थे।

हादसे के बाद पांचबत्ती चौराहे पर परिजनों और समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत और शहर विधायक अतुल भंसाली उनसे बातचीत करने मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को मुआवजा, मामले की निष्पक्ष जांच और आश्रित को संविदा पर नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। लोकेंद्र की बहन कोमल ने बताया कि मेरे भाई को ट्रक ने कुचल दिया। उसका सिर फट गया था, दिमाग बाहर आ गया था। उसने किसी का क्या बिगाड़ा था? तीन भाई-बहनों में से वह इकलौता भाई था। कोमल ने बताया कि वह खुद 11वीं कक्षा में पढ़ती है, जबकि उसका भाई आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मेरे एक ही भाई था, वो भी चला गया।

डंपर की चपेट में आने से बालक की मौत

रेवदर, (निसं)। रेवदर रायपुरा पुलिस थाना मंडार के रायपुर- निंबज सडक मार्ग पर गुरुवार शाम करीब साढे चार बजे एक डंपर चालक ने राह चलते करीब दस वर्षीय बालक को चपेट में ले लिया।

घटना में मौके पर ही बालक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर भील बस्ती के सैकडों लोग भी मौके पर जमा हो गये। इधर सूचना पर मंडार पुलिस भी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची। लोडिंग डंपर वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही हुई बालक की मौत के बाद घटनास्थल पर परिजनों व आसपास के सैकडो ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। सूचना पर मंडार पुलिस थाना से एएसआई दिनेश रावल, रेवदर डिप्टी मनोज गुप्ता, रेवदर सीआई सीताराम, हैड कांस्टेबल कांतीलाल मय अतिरिक्त जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे। इधर परिजनो व लोगो ने बालक के शव को मौके से उठाने से साफ इंकार कर दिया। वहीं मौके पर पहुंचे रायपुर सरपंच छगनलाल कोली, समाजसेवी पप्पुसिंह देवडा वडवज, बालाराम चौधरी व बाबुराम भील ने परिजनो से समझाईश करने पर शव उठाने व पोस्टमार्टम के लिए माने। इधर परिजनो द्वारा पोस्टमार्टम के लिए मानने पर पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल मंडार की मोर्चरी में रखवाया। लोडिंग डंपर वाहन की चपेट में आये दस वर्षीय बालक की मौत के बाद भीड आक्रोशित हो गई। आ ोशित भीड से सडक के दोनों तरफ वाहनो वहीं देखते ही देखते डंपर वाहन में आग लग गयी। आग के बाद थोडी देर में वाहन आग का गोला बन गया तथा धू धूकर जलकर खाख हो गया। इधर पुलिस द्वारा सूचना के बाद आबूरोड नगरपालिका से दो घंटे देरी से दमकल की एक गाडी मौके पर पहुंची। दमकल पहुंची तब तक वाहन जलकर खाख हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया रेवदर व मंडार में दमकल की सुविधा नहीं होने के कारण आए दिन आगजनी की घटना में दमकल की कमी खलती है। लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहें।

ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

हत्यारे ने लूट के इरादे से की थी हत्या, एक डिटेन

जोधपुर (कासं)। शहर के मंडोर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को एक वृद्ध महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर आज एक आरोपी डिटेन किया है। हत्या का कारण प्रथम दृष्टया लूट का इरादा बताया गया है। हत्या में कोई और भी शामिल है या नहीं पुलिस फिलहाल पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने बताया कि अस्सी फुट माता का थान निवासी गजरा देवी प्रजापत (70) को रोजाना सुबह बेटा मोटरसाइकिल पर भोमियाजी थान के पास बाड़े में छोड़कर जाता है। गजरा देवी पिछले काफी सालों से बाड़े की जमीन पर बैठकर मटकियां व मिट्टी के बर्तन बेचा करती है। शाम को अंधेरा होने के बाद पड़ौस के दुकानदार की अचानक बाड़े के भीतर नजर पड़ी, जहां गजरा देवी खाट पर सोती दिखी। दुकानदार ने पास में जाकर देखा उसे सिर से खून बह रहा था। उसने तुरंत गजरादेवी के बेटे को फोन लगाकर बुलाया। गजरादेवी के पैरों के कड़ले, कान की कंठियां, नाक सहित अन्य आभूषण नही थे। महिला के सिर में गहरी चोट लगने से खून खाट के नीचे जमीन पर टपक रहा था। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलवाया। एफएसएल टीम ने नमूने लिए। पुलिस ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता से जांच के बाद आज एक आरोपी को डिटेन किया गया है।

संजना सैनी हत्याकांड में शामिल प्रेमिका ऋतू गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत नक्षत्र वन के पास सात दिन पहले बेरहम पति द्वारा अपनी ही पत्नी की गला रेतकर हत्या करने की सनसनीखेज वारदात में प्रेमिका भी षड़यंत्र में शामिल रही।

पुलिस तफ्तिश के दौरान प्रेमिका ऋतू सैनी की भूमिका सामने आने के बाद इसे गिरफ्तार कर लिया। इसके उकसाने पर उदयपुर कला निवासी चार वर्षीय बिटिया के पिता रोहित सैनी ने साथियो के साथ पत्नी संजना सैनी का चाकू से गला काटकर मौत के घाट उतार दिया था। दरअसल अवैध संबंध के कारण पत्नी और प्रेमिका के बिच अनबन होना ही हत्या का कारण बन गया। इसके लिये पत्नी की हत्या के लिये 9 अगस्त का दिन निश्चित कर दिया। हुआ यूं की भाजपा नेता रोहित सैनी के साथ वाइक से संजना अपने भाई की कलाई पर राखी बांध कर पीहर रलावता से ससुराल उदयपुर कला जा रही थी। बिच रास्ते में हथियारो के साथ मौजूद सांवतसर निवासी रवि मेघवाल (20) पुत्र महावीर व एक नाबालिक युवक ने सुनियोजित साजिश के तहत वाइक को घेरकर रोक लिया।

लूट की वारदात को रूप देने के लिये संजना के जेवरात उतारने लगे और पलभर में पति के सामने चाकू से संजना का गला काटकर हत्या कर दी। हत्याकांड के बाद नौटंकीबाज पति ने लूट बताकर पुलिस को गुमराह करना चाहा, किंतु कड़ी पूंछताछ के बाद इसने गुनाह में संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने कातिल पति रोहित, साथी रवि मेघवाल व नाबालिक युवक को पूर्व में धरदबोचा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने प्रेस से रूबरू होकर बताया की शिवाजीनगर निवासी प्रेमिका ऋतू सैनी (25) पुत्री शिवकुमार को हत्या की वारदात को लेकर षड़यंत्र में शामिल होने पर गिरफ्तार कर लिया।

एक ही तालाब में डूबने से गई दो भाइयों की जान, गांव में मातम

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से युवक की हुई मौत कुछ दिन पूर्व इसी तालाब में छोटे भाई की भी हुई थी डूबने से मौत।

आसींद थाने के अंतर्गत मालासेरी पंचायत के बटेडा गांव में एक युवक के तालाब में डूबने से मौत हो गई वहीं आसींद पुलिस मौके पर पहुंची वही ग्रामीणों के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकाला तब तक युवक की मौत हो गई वही सब को आसींद मोचरी में रखवाया। वहीं ग्रामीण हंसराज ने बताया कि इसी तालाब में अक्टूबर महीने में मृतक अशोक कुमार भील के छोटे भाई मुकेश भील उम्र 16 वर्ष की भी डूबने से मौत हुई थी वहीं पुलिस ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर युवक अशोक कुमार भील पिता भवरलाल भील उम्र 26 वर्ष की गुरुवार देर शाम को तालाब में पशुओं को चराते समय पैर फिसलने से डूबने से मौत हो गई वहीं आसपास की ग्रामीणों को तालाब में सब तैरते हुए दिखाई दिया तो ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी गई पुलिस मौके पर पहुंची एवं ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला वही शव को आसींद मोचरी में रखवाया। वही ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अशोक कुमार भील के एक लड़का मनीष कुमार बल उम्र 4 वर्ष एवं लड़की गुंजन भील उम्र 1 वर्ष है सूचना मिलने के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं परिवार में कुल चार भाई एवं एक बहिन है जिसमें से दो भाइयों की डूबने से मौत हो गई है।

■ कुछ दिन पूर्व इसी तालाब में छोटे भाई की भी हुई थी डूबने से मौत।

■ ग्रामीणों के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकाला

चलती कार में आग लगी

श्रीगंगानगर। जिले के रायसिंहनगर कस्बे में श्रीविजयनगर मार्ग पर शनिवार दोपहर एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार ड्राइवर समय रहते बाहर निकल आया और सुरक्षित रहा। घटनास्थल पर दो दुकानदार अजय गौतम और अरुण कड़वासरा ने तत्परता दिखाई। उन्होंने पानी की बाल्टियों से आग बुझाने का प्रयास किया। इसी दौरान नगर पालिका का दमकल वाहन भी मौके पर पहुंच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ मिनटों में कार का अगला हिस्सा जलकर नष्ट हो गया। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब आधे घंटे का समय लगा। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एंबुलेंस के कर्मचारी झगड़ते हुए मिले

झुंझुनूं। जिला मुख्यालय बीडीके अस्पताल परिसर में 108 एंबुलेंस के एक नशेड़ी चालक ने डेढ़ घंटे तक जमकर हंगामा किया। नशे में ड्राइवर गाली-गलौज और मारपीट करता रहा। इस दौरान पुलिसकर्मी भी वहां मौजूद थे। हालांकि घटना दो दिन पुरानी है। मंड्रेला की 108 एम्बुलेंस का ड्राइवर आनंद कुमार ने नशे की हालत में अपनी गाड़ी अस्पताल परिसर में खड़ी कर दी और हंगामा शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार 108 एंबुलेंस में कार्यरत ईएमटी नवीन कुमार की निजी गाड़ी पर पत्थर मारकर उसका शीशा तोड़ दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हुई जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान पुलिस भी मौके पर मौजूद थी, लेकिन उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की। जब स्थानीय लोगों ने नशेड़ी चालक को पुलिस की 112 में बैठा दिया, तो एक पुलिसकर्मी ने उसे वापस बाहर निकाल कर छोड़ दिया। शराबी चालक ने नवीन कुमार के अलावा, एक और ईएमटी राहुल के साथ भी हाथापाई की, और यह सब पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में होता रहा। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि चालक नशे की हालत में गाली-गलौज कर रहा है और मारपीट कर रहा है। जबकि पुलिसकर्मी बस खड़े होकर देख रहे है। इस घटना ने लोगों को आक्रोशित कर दिया है और वे पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठा रहे हैं। इधर, कथित वीडियो वायरल होने के बाद सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने 108 एंबुलेंस सर्विस उपलब्ध कराने वाली कम्पनी को झगड़ने वाले स्टॉफ को नौकरी से हटाने के लिए लिखा है। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने बताया कि उनको जैसे ही वायरल वीडियो की जानकारी मिलते ही नाराजगी जाहिर करते हुए तत्काल सेवा प्रदाता कम्पनी के एचआर सेल को इन दोनों कर्मियों को हटाने की अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिए लिखा है। 108 जिला प्रभारी पर्वत सिंह ने बताया कि बीडीके अस्पताल में झगड़ने वाले स्टॉफ में बीडीके अस्पताल झुंझुनूं की 108 एंबुलेंस का नर्सिंग स्टॉफ नवीन बराला है। दूसरा सीएचसी मंड्रेला गाड़ी का ड्राइवर आनंद है। इनके दोनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए कम्पनी एचआर को भी लिख दिया गया है। पर्वत सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों को ड्यूटी से हटाकर जयपुर जांच कमेटी के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। हम वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

■ सीएमएचओ ने दोनों को हटाने के लिए लिखा पत्र

पानी की डिग्गी में डूबे दो सगे भाई

बीकानेर। जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र के निकटवर्ती चक 8 केजेडी (बी) में एक ईंट-भट्टे पर बनी पानी की डिग्गी में डूबने से दो सगे भाईयों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतक नागौर के रहने वाले थे और अपने मां-बाप के साथ यहां आए हुए थे। मां-बाप इसी भट्टे पर मजदूरी करते थे।

खाजूवाला पुलिस थाने के एएसआई रावताराम मेघवाल ने बताया कि सामरदा के नजदीक स्थित चक 8 केजेडी (बी) पर एक ईंट-भट्टे पर नागौर के गोविंद राम मेघवाल का परिवार मजदूरी का काम करता हैं। जो गुरुवार सायं भी ईंट-भट्टे पर ईंट भराई का काम कर रहा था। वहीं पास में गोविंद राम के दोनों प राहुल (7) व दीपक (4) खेल रहे थे। तभी खेलते-खेलते दोनों भाई ईंट-भट्टे पर बनी पानी की डिग्गी में पैर फिसलने से गिर गए और डूबने से मौत हो गई। पिता गोविंद राम ईंटों की गाड़ी भरकर झुग्गी पर आए और तब बेटों को संभाला तो वह नहीं दिखे। परिजनों ने जब तलाश की तो राहुल व दीपक दोनों भाइयों के शव डिग्गी में तैरते हुए मिले। रात करीब आठ बजे ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शव निकालकर खाजूवाला उप जिला अस्पताल लाये, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं खाजूवाला थानाधिकारी सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि राहुल व दीपक दोनों के शव अस्पताल की मोर्च्युरी में रखवाए और आज शुक्रवार को दोनों शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

1847 यूनिट रक्तदान हुआ

युवाओं एवं महिलाओं ने रक्तदान में बढ़-चढ़ कर भाग लियामदरसे

छीपाबड़ौद। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में अठावाल धर्मशाला शीतल बगीची में स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर स्वर्गीय रामगोपाल बंसल बंजारी वाले की पुण्य स्मृति में 43 वें रक्तदान शिविर का आयोजन श्री रामगोपाल बंसल बंजारी चेरिटेबल ट्रस्ट के सोजन्य से किया गया।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रिय विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा भारतमाता एवं परिषद् के प्रेरणास्रोत विवेकानंद को दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सिंघवी ,राधेश्याम बंसल,दीपक गोयल अनुराग बंसल विशिष्ट अतिथि प्रधान नरेश कुमार मीणा,भाविप के क्षेत्रीय संयोजक किशन पाठक,प्रांतीय अध्यक्ष रविशंकर मूंदड़ा उपाध्यक्ष विजय सिंह कोषाध्यक्ष अरविंद गर्ग,पूर्व सरपंच गजेन्द्र जैन मुकेश गुप्ता,पराग टोंगिया एवं बारां छबड़ा से पधारे परिषद के पदाधिकारियों का अक्षत तिलक लगा अपर्णा पहनाकर स्वागत प्रांतीय संयोजक महेन्द्र नागर,जिला समन्वयक धीरज बाठला शाखा अध्यक्ष विक्रम सिंह हाडा, महिला संयोजिका नीलिमा गोयल,सचिव विकास सोनी कोषाध्यक्ष दीपक गोयल अकलेश गर्ग नरेन्द्र बाठला,लक्ष्मीकांत गोतम द्वारा किया गया।

रक्तदान प्रभारी दीपक गोयल एवं

श्री रामगोपाल बंसल बंजारी चेरिटेबल ट्रस्ट के सोजन्य से किया से छीपाबड़ौद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

सहप्रभारी उपेन्द्र बंसल ने बताया कि जीवन धारा ब्लड बैंक बारां,कोटा ब्लड बैंक ,कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक, अठावाल ब्लड बैंक, भारत विकास परिषद ब्लड बैंक एवं शहीद राजमल जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक बारां की टीमों द्वारा 1847 यूनिट रक्त का संग्रहण किया। युवाओं महिलाओं,आदर्श विद्यामंदिर केलखेड़ी, सेवाभारती उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुशीला देवी आदर्श विद्या मंदिर विद्यालयों के स्टाफ द्वारा भी रक्तदान में बढ़ -चढ़ कर भाग लिया। गिरिराज बंसल, रुपेश पारीक,अनिल जैन, आशीष बिंदल, पवन अहीर,नवीन नागर, हेमंत मित्तल,रूपचंद शर्मा, हितेश सिंघल , कौशल गोयल, विनोद सिंघल, समेत परिषद सदस्यों का सहयोग रहा

राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी का नाम सम्मान सूची से बाहर रहा

शाहपुरा, (नि.सं.)। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में हर वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है इस बार शिक्षा विभाग से जुड़े सहायक प्रशासनिक अधिकारी विनोद कुमार जोशी ने कोझिकोड (केरल) में 2 से 7 अगस्त 2025 तक आयोजित नेशनल मास्टर क्लासिक पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया और पांचवां स्थान हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया। नियमों के अनुसार विभाग को जोशी का नाम भी सम्मान सूची में भेजना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके विपरीत, अन्य कर्मचारियों के नाम जिलों और ब्लॉक स्तर पर सम्मान के लिए भेज दिए गए। क्या एक खिलाड़ी, जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर राज्य और जिले का नाम रोशन कर रहा है, सम्मान का हकदार नहीं है?खिलाड़ी साल भर कठिन परिश्रम और अनुशासन से अपने गाँव, शहर, जिले और राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करते हैं। ऐसे में जब उन्हें उचित सम्मान नहीं मिलता, तो उनके मनोबल पर नकारात्मक असर पड़ता है और उनमें हीन भावना पैदा होती है।यह मामला न केवल एक खिलाड़ी के साथ अन्याय है बल्कि विभागीय संवेदनशीलता पर भी सवाल खड़े करता है।

सुखवंत सिंह चावला मुख्य सेवादार, गगन सिंह सचिव बने

सूरतगढ़। बीकानेर रोड़ स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में नई कमेटी का गठन किया गया है। जिसने शनिवार को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कार्यभार संभाला। समूह साध संगत की सर्वसम्मति से गठित इस कमेटी में स. सुखवंत सिंह चावला को मुख्य सेवादार, स. गगन सिंह को सचिव और स. मनोहर सिंह भठेजा को कैशियर नियुक्त किया गया। नई कमेटी के गठन के साथ ही गुरुद्वारे में सेवा और लोक भलाई के कार्यों को नई गति देने का संकल्प लिया गया।

मुख्य सेवादार स. सुखवंत सिंह चावला ने कार्यकारी समिति में स. सुरजीत सिंह सग्गू और स. प्रीतम सिंह गिल को मीत सेवादार के रूप में नियुक्त किया। इस अवसर पर स. सुखवंत सिंह चावला के परिवार द्वारा गुरु का लंगर आयोजित किया गया, जिसमें साध संगत ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स. चावला ने कहा कि हमारा उद्देश्य सभी को साथ लेकर गुरु घर की सेवा और समाज कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाना है। गुरुद्वारे में जरूरतमंदों और राहगीरों के लिए 24 घंटे चाय और अटूट लंगर की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

नई कमेटी में स. त्रिलोक सिंह कलसी, स. मोहन सिंह, स. जसवीर सिंह, स. महेंद्र सिंह, स. सुखजिंदर सिंह, स. कृपाल सिंह, स. हरजिंदर सिंह, स. पुरुषोत्तम सिंह, स. हरविंदर सिंह फौजी, स. हरपाल सिंह, स. कुलदीप सिंह, स. जगदीश सिंह गिल, स. परमजीत सिंह और स. गुरदेव सिंह खालसा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

नई कमेटी ने एकजुट होकर गुरुद्वारे की सेवा और सामाजिक कार्यों में योगदान देने का वादा किया। स. गगन सिंह लबाणा ने सचिव के रूप में कमेटी की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने का भरोसा दिलाया।

■ गुरुद्वारे में सेवा और लोक भलाई के कार्यों को नई गति देने का संकल्प

बाबा रामदेव जागरण में देशभक्ति का संगम

श्रीगंगानगर। जैतसर में श्रीअजमल पैदल यात्री संघ की ओर से आयोजित बाबा रामदेव महाराज के विशाल जागरण में अध्यात्म और देशभक्ति का संगम देखने को मिला। महाराणा प्रताप चौक के पास 25वां वार्षिक जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत व्यापार मंडल अध्यक्ष नागर गर्ग, पूर्व अध्यक्ष राजवीर सिंह बिट्टू समेत कई लोगों की उपस्थिति में हुई। गांव बुगिया की टीकू राम भजन मंडली ने पांच राजस्थानी गीतों से कार्यक्रम की शुरुआत की। गायक हरजीत कामरा ने बाबा रामदेव की आरती और स्तुति प्रस्तुत की।

तालाब को खुर्द बुर्द करने का आरोप, प्रदर्शन किया

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कानपुरा में बरसाती पानी भरने के तालाब को कुछ लोगो द्वारा खुर्द बुर्द करने का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन कर तालाब को बचाने की पुलिस व प्रशासन से मांग की।बार बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी सुनाई नही होने पर टेंट तान कर धरने पर बैठ गए।हालांकि राजस्व रिकॉर्ड में तालाब की जमीन कुछ लोगो के नाम दर्ज है।

विरोध प्रदर्शन कर रहे कालूराम यादव सहित लोगो ने बताया कि कानपुरा में रुण्डल रोड के पास बरसात के पानी का तालाब है। राजस्व रिकॉर्ड में तालाब वर्तमान स्थिति में कुछ लोगो द्वारा इस तालाब की जमीन को खरीदा गया है लेकिन मोके पर लगभग पिछले 80-90 वर्षो से तालाब बना हुआ है एवं लगभग 25 वर्षों में उक्त तालाब के विकास के लिये सरकार द्वारा तीन चार बार जल संरक्षण योजनाओ के तहत लगभग 50 लाख से भी अधिक राशि का कार्य तालाब के विकास के लिये खर्च किया गया है। उक्त योजनाओ के तहत ही तालाब की चारदीवारी को पत्थरो से निर्मित करवाया हुआ है तथा उक्त तालाब हजारो पशुओ व पक्षीयो के पानी पीने का एकमात्र स्त्रोत है, जिसको कुछ लोगो ने तालाब की पाल को रात को जेसीबी से राते रात तुडवा दिया गया था।लोगो ने जिला कलेक्टर,चौमूं एसडीएम, तहसीलदार व ग्राम विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर अवगत करवाया था।

ज्ञापन में बताया कि सरकार द्वारा तालाब के सरक्षण में योजना के तहत बनाई गई पत्थर की पाल को नष्ट करके सरकार को हानि पहुंचाई गई है।शनिवार को भी लोगो ने गोविंदगढ़ पुलिस उपाधीक्षक को रिपोर्ट देकर कानूनी कार्यवाही करते हुये गावं के पुराने तालाब को बचाने की गुहार की है।

प्रशासन द्वारा सुनाई नही होने पर व तालाब पर कुछ लोगो द्वारा कब्जा किए जाने की सूचना पर शनिवार को सैंकडो की संख्या में एकत्रित ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया व मोके पर ही तंबू तान कर बैठ गए।विरोध कर रहे लोगो ने बताया कि प्रशासन मोके पर आकर हमारी नही सुनता तब तक धरना जारी रहेगा।हालांकि राजस्व रिकार्ड में तालाब की जमीन कुछ खातेदारों के नाम दर्ज है।खातेदार इसे जायज ठहरा रहे है।

विरोध प्रदर्शन में फूलचंद खडोतिया, कालूराम यादव,श्रवण यादव, सुनील नाड्डा, वीरेंद्र यादव, कालूराम खडोतिया,भगवान बुनकर, बद्री यादव,बाबूलाल आचार्य,किशोर आचार्य सहित कई लोग मौजूद थे।

कानपुरा में तालाब को लेकर विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण।

सार-समाचार

स्कूल में इंवेटर बेट्री भेंट की

सिकराय। सिकराय क्षेत्र में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। वहीं सभी कार्यालयों पर झंडारोहण किया गया एवं सरकारी स्कूलों में स्कूली छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। गांगदवाडी राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि रही सिकराय से पूर्व प्रधान किशनप्यारी मीना व उनके पति सेवानिवृत्त व्याख्याता लल्लू राम मीना ने स्कूल के सभी बालकों को पेन देकर व स्कूल की बोर्ड परीक्षा में टॉपर दो छात्राओं को हाथ की घडी,शिल्ड,पेन प्रसंशा पत्र देकर सम्मानित किया। एवं स्कूल के सभी शिक्षकों का भी माला व पेन शिल्ड देकर सम्मानित करते हुए पुरस्कृत कियाउन्होंने ने शिक्षण कार्य में उपयोगी हेतु एक इंवेटर बैट्री भी स्कूल प्रशासन को ग्रामीणों की मौजूदगी में भेंट की। वहीं स्कूल प्रशासन के द्वारा कम्प्यूटर की मांग पर एक कम्प्यूटर सेट भेंट करने की घोषणा की है। स्कूल में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त व्याख्याता लल्लू राम मीना ने कहा कि मुझे बडी खुशी होती है जब स्कूल में प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करने का मुझे मौका मिलता है। एक प्रतिभाशाली छात्र के सम्मान को लेकर अन्य छात्र भी शिक्षा के प्रति प्रेरित होते हैं। उन्होंने ने कहा छात्रों को अपना अनमोल समय को व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए। उन्हें अपना लक्ष्य बनाकर रोज दिनचर्या के साथ नियमित अध्ययन करना चाहिए। पूर्व प्रधान किशनप्यारी मीना ने बालिका शिक्षा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अभिभावकों को बालक बालिकाओं की पढाई में भेदभाव नहीं करें व दोनों को समान शिक्षा दिलाई जानी चाहिए। एक बेटी पढ लिखकर दो घरों को शिक्षावान बनाती है। आज आप देख रहे कि बेटियां हर प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉपर आकर देश का नाम रोशन कर रही है। इस दौरान सरपंच धर्मा देवी व प्रधानाचार्य हुकमसिंह सिंह गुर्जर ने पूर्व प्रधान किशनप्यारी मीना व सेवानिवृत्त व्याख्याता लल्लू राम मीना का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

विभिन्न स्थानों पर हुआ ध्वजारोहण

फुलेरा, (निसं)। 79वां स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह फुलेरा नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में स्कूल खेल मैदान पर शुक्रवार को सुबह 10.30 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम फुलेरा नगरपालिका ईओ सूर्यकांत शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष संगीता अठावाल रही।विशिष्ट अतिथि पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, सेठ सूरजमल अठावाल राजकीय विद्यालय के मुकेशकुमार सोनी, बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य नविता वर्मा रही। कार्यक्रम के दौरान सरकारी व निजी विद्यालय के विद्यार्थियों ने पीटी, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। पालिका प्रशासन की ओर से विद्यालय प्रतिनिधी व विद्यार्थियों को मिठाई और पुरस्कार का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगेन्द्र गहलोत ने किया। इसी प्रकार पुलिस थाना फुलेरा पर थानाधिकारी चन्द्रप्रकाश यादव ने ध्वजारोहण किया। इसके अतिरिक्त रीको क्षेत्र स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, फुलेरा-ईटावा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमरचंद सैनी, हलवाई बाजार स्थित व्यापार महासंघ कार्यालय पर अध्यक्ष मनोज आहूजा, उपजिला अस्पताल पर पीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र भामू, टेगौर सेंट्रल स्कूल पर श्रीनारायण शर्मा नाकाबाबू, दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत कार्यालय पर अशोक वासदेव की अध्यक्षता में आरपीएफ थानाधिकारी विक्रम सिंह, दैनिक रेलयात्री महासंघ कार्यालय पर अध्यक्ष विष्णु कयाल की अध्यक्षता में फुलेरा थानाधिकारी चन्द्रप्रकाश यादव, रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक सतीश कुमार, जीआरपी थाने पर निरीक्षक गुलजारी लाल ने ध्वजारोहण किया, इसी प्रकार अनेक सामाजिक व राजनैतिक कार्यालयों वसरकारी व निजी विद्यालयों पर ध्वजारोहण कर तिरंगें को सलामी दी गई।

बैठक आयोजित

देवली, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं सांसद हरिश्चंद्र मीणा के निर्देशानुसार जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवली द्वारा धुआँकला कांग्रेस मंडल की कार्यकर्ता बैठक व संघटनात्मक मीटिंग 16 अगस्त शनिवार को आयोजित हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने पर बात हुई और कार्यकर्ताओं को एकजुट रहकर पार्टी के हित में कार्य करने पर चर्चा की गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हरिप्रसाद बेरवा, देवली ब्लॉक अध्यक्ष महादेव मीणा, धुआँकला मंडल अध्यक्ष इरफ़ान आजमी, दूनी देहात मंडल अध्यक्ष नीरज मीना, आवा मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र चौधरी,नगरफोर्ट मंडल अध्यक्ष बीरबल मीणा, पदम अजमेरा दूनी, पूर्व तहसीलदार लादू मीणा सतवाडा, राजू लाल मीणा पूर्व सरपंच चंदवाड, एडवोकेट राजेश नागर खेडा, एडवोकेट तौफिक अहमद नगर फोर्ट, हनुमान सिंह डाडूंडा, मनीष मीणा दौलतपुरा, शाहिद अली, मुकेश देवतवाल अध्यक्ष अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी, निजाम भाई नगरफोर्ट, एडवोकेट शुभम शर्मा, कान्हा मीणा, राम कल्याण फौजी दौलतपुरा, धर्मेंद्र सिंह हाडा ठीकरिया कला, अर्जुन मीणा चारनेट, नंदकिशोर जांगिड चंदवाड, दामोदर मीणा केदारा, सोपाल मीणा, रामधन मीणा सतवाडा, सोहन मीणा खरौई, रतिराम मीणा गेरोटी, देशराज मीणा कोटडा, लल्लू जी मंसूरी, मोहन बैरवा पालगंज, आसाराम मीणा चंदवाड, मुकेश मीणा आकोडीया, बाबू लाल शर्मा रंगबिलास, महावीर बैरवा बालूंदा, ऐसान खान, नारायण मीणा नेता दौलतपुरा, उपसरपंच किशन सैन, मोहन मीणा चारनेट, गोपाल माली धुआँकला, शिवराज बैरवा बालूंदा, दयासागर चौधरी धारोला, रामजीलाल बैरवा हाडौती, ईमरान देसवाली धुआँकला,पूर्व भंवरलाल गुर्जर, राजेश पहाडिया,एवं कांग्रेस परिवार के समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों का अध्यक्ष द्वारा माला पहनाकर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

फुलेरा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम बिचून की श्री बालाजी पब्लिक सैकण्डरी स्कूल में 79वीं स्वतन्त्रता दिवस समारोह विद्यालय प्रांगण में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें नन्हें मुन्हे बच्चों ने रंगारंग व देश भक्ति कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। ध्वजारोहण शाला निदेशक विक्रम सिंह ने किया व कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर समाजसेवी राकेश कुमावत (नयाबास) ने सभी प्रतिभागियों को पुस्कार वितरित किए तथा ग्राम पंचायत विचून सरपंच पप्पूडी देवी के द्वारा शाला के समस्त बच्चों के लिए मिठाई की व्यवस्था की गई, जिसके लिए निदेशक विक्रम सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समस्त विद्यालय स्टाफ, अभिभावक व ग्रामीण मौजूद रहे। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अन्त में विद्यार्थियों व स्टाफ द्वारा पूरे गाँव के मुख्य मार्गों से होते हुए भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसका सभी ग्रामीणों ने स्वागत किया। देशभक्ति नारो से पूरा गाँव व गली मोहल्ले गूंज उठे और देश प्रेम की धारा बह निकली। रैली के दौरान वंदे मातरम् और भारत माता के जयघोष लगाते रहे।

मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने ध्वजारोहण किया

टोंक। जिले में 79वां स्वाधीनता दिवस शुक्रवार को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस लाइन ग्राउण्ड में आयोजित किया गया, जहां समारोह के मुख्य अतिथि जलदाय और भू जल विभाग के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया।

समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा परेड निरीक्षण के बाद आरएसी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट्स एवं गाइड की टुकडियां मंच से सलामी लेते हुए गुजरीं। आरएसी एवं राजस्थान पुलिस के बैंडों ने राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत धुनें बजाईं। मुख्य अतिथि ने देश के शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही, जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 52 प्रतिभाओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति चि भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया ने महामहिम राज्यपाल के संदेश का पठन किया।

मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हम सबके लिए गर्व, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। स्वतंत्रता केवल अधिकार नही, बल्कि यह एक जिम्मेवारी भी है। हमे अपने देश की प्रगति के लिए शिक्षा, अनुशासन, परिश्रम और देशभक्ति की भावना को अपनाना होगा। हम सबका यह दायित्व है कि भारत को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाएं और इसे सशक्त, समृद्ध और गौरवशाली राष्ट्र बनाएं।

उन्होने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के समारोह में जवाहर नवोदय विद्यालय छान के छात्र-छात्रों ने सामूहिक देश भक्ति नृत्य प्रस्तुत किये। टोंक योगा टीम ने योग प्रशिक्षक मदन गुर्जर के नेतृत्व में योगा ड्रिल एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना, विधायक राजेन्द्र गुर्जर, जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम हुकमीचंद रोहलानिया समेत जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

टोंक में स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास से मनाया।

स्वतंत्रता दिवस मनाया

सांभरझील, (निसं)। यहां सांभर टैट एंड इवेंट संगठन के तरफ से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में झंडारोहण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाथूलाल तंवर ने की। मुख्य अतिथि श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा ने झंडारोहण कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महासचिव हनुमान कुमावत, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, इवेंट के मुकेश प्रजापति, बनवारीलाल सिंघानिया, सत्येंद्र अठावाल, कैलाश सिखवाल ने झंडारोहण कार्यक्रम में भाग लिया। इसी प्रकार नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला की अध्यक्षता में 79 वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। प्रमुख वक्ताओं ने आजादी के जश्न पर अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर बाबूखां अगवान, पूर्व पार्षद शेखाशमीम उल हक, पूर्व अध्यक्ष चंद्र प्रकाश व्यास, अत्ताउल्लाह खान, अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल सलाम, शब्बीर रंगरेज, अशोक पारीक, अरविंद मेहरडा, अंजुमन कमेटी के सेक्रेटरी अजीज रंगरेज, बाबू अब्बासी, अब्दुल हमीद कादिर, नेता प्रतिपक्ष बालूराम नोगिया, मुबारक बैग, टीकमचंद कुमावत, महनुद्दीन कुरैशी, समाजसेवी सिराजुद्दीन मंसूरी, पिंकी देवी बंसीवाल, सलीम मोहम्मद, मुकेश मौर्य, चंद्र प्रकाश माली, गोपाल उज्जैनिया, मोती सकरवाल, ग्यारसीलाल शाहिद काफी तादाद में कार्यकर्ताओं की मौजूद की रही।

करंट लगने से किसान की मौत

उदयपुर, (कासं)। बड़गांव थाना क्षेत्र में खेती करने के दौरान करंट लगने से किसान की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़गांव थाना क्षेत्र पालड़ी चिकलवास गांव निवासी जवानसिंह (60) पुत्र गणेशसिंह की करंट लगने से मौत हो गई। 15 अगस्त सांय जवानसिंह खेत पर फसलों को पिलाई कर रहे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई

राजसमंद, (निसं)। भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई।

भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने कहा कि वाजपेयी के सिद्धान्त आज भी उनकी तरह अटल है, उनकी सरकार जब कुछ वोट से जा रही थी तो भी उन्होंने बोला कि हम हमारी सरकार को बचा सकते है, लेकिन हमारे सिद्धान्त ये नही कहते है कि हम बेईमानी करके सरकार में रहे। चाहे आज हमारी सरकार नहीं रहे, लेकिन हमारे सिद्धान्त हमेशा अमर है और रहेंगे, जिनके कारण हम जाने जाते है।

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि वाजपेयी नये भारत के युगदृष्टा, भारत में संचार क्रांति के जनक, भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष तथा उच्च आदर्शों के प्रतीक थे। उनका दूरदर्शी नेतृत्व, ओजस्वी वाणी और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने अपने कर्म, विचार और नीति से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी और जनमानस के हृदय में अमिट छाप छोडी। उनका जीवन हम सबको राष्ट्र सेवा के पथ पर दृढ़ता से अग्रसर रहने की प्रेरणा देता रहेगा।

श्रीकृष्ण ने जन्म के साथ ही आसुरी शक्तियों का नाश करने का काम किया : भूपेंद्र यादव

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव शनिवार को संसदीय क्षेत्र के दौरे पर रहे, यहां उन्होंने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर अलवर की समृद्धि की प्रार्थना की।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने श्री कृष्ण मंदिर यादव समाज रामगढ़ में जन्माष्टमी दही हांडी कार्यक्रम भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि की कामना की तथा भामाशाहों को सम्मानित किया।

> 'भाजपा सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है, यहां धाम के विकास हेतु कार्य करवाये जाएंगे'

तत्पश्चात यादव ने रामगढ़ की ग्राम पंचायत भूलेरी स्थित अलेवा धाम में विशाल हरिकीर्तन दंगल व मेला कार्यक्रम सम्मिलित होकर धार्मिक कथाओं को सुना तथा नव स्थापित वाटर कूलर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर ग्रामवासियों की ओर से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद मंत्री ने अलवर में पुलिस लाइन रोड स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर धर्मशाला में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कार्यक्रमों में उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण भगवान ने जन्म के साथ ही आसुरी शक्तियों का नाश करने का काम किया, आज के दिन विश्व भर में श्री कृष्ण जी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने नीति, कौशल एवं स्थापत्य में द्वारकाधीश बनकर बड़ी नगरी बसाई तथा मनुष्य जाति के कल्याण के लिए कुरुक्षेत्र के रण में श्रीमद् भागवत गीता का उपदेश दिया। उन्होंने संकीर्तन पर बल देते हुए कहा कि ईश्वर को प्राप्त करना हम सभी का ध्येय है। उन्होंने श्री कृष्ण को जगत जगदीश्वर स्वरूप बताते हुए कलयुग में कृष्ण भाव व संकीर्तन को बड़ा बताया। उन्होंने लोक देवता महाराज भर्तृहरि की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि उनके नाम से खैरथल-तिजारा जिले का नाम भर्तृहरि नगर दिया।

उन्होंने अलेवा धाम में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन जगत कल्याण के लिए था, उनके जीवन से हम सभी के लिए संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है यहां धाम के विकास हेतु कार्य करवाये जाएंगे। कार्यक्रमों में जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, बांदीकुई विधायक भागचंद टांकडा, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह, पूर्व विधायक जयराम जाटव, बन्ना राम मीणा, मोहित यादव, इंद्र यादव, सतपाल यादव, सतीश यादव, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, ऋषि राज शर्मा, महेश निहलवानी सहित प्रबुद्धजन एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

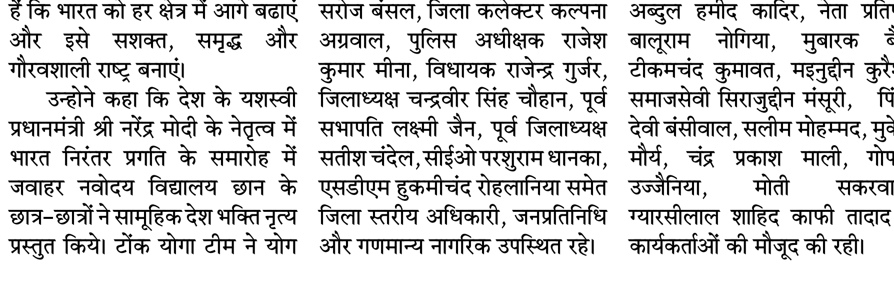

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। बहला फुसला कर साथ लेजाने के बाद पीडिता के साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने मुकेश कुमार भाटी नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि चार पांच माह सेआरोपी से संपर्क था। नजदीकी होने से 13 अगस्त को वह मुझे बहला फुसला कर अपने साथ एकांत में ले गया।

जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच टीडी थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह को सौंपी है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सार-समाचार

शिविर में 125 मरीजों का उपचार

मानपुरा माचेडी। नायला के पास बाबा गौशाला में डॉ विकास जैफ फाउंडेशन के तत्वावधान में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जन-जागृति अभियान और पौधारोपण जैसे सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. विकास जैफ ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद की सेवा ही उनका जीवन का मुख्य ध्येय है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचल में सामान्य चिकित्सा सुविधाएं तो उपलब्ध हैं, लेकिन दंत चिकित्सा के लिए लोगों को शहरों तक भटकना पड़ता है। इस कमी को पूरा करने के लिए फाउंडेशन की ओर से हर सप्ताह अलग-अलग जगह निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं, जिससे अब ग्रामीणों को नजदीक ही उपचार मिल पा रहा है। उन्होंने पौधारोपण के महत्व पर भी बल दिया और कहा कि बरसात के मौसम में हर व्यक्ति को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नायला सरपंच प्रह्लाद सैनी ने की। उन्होंने कहा कि यह नायला वासियों का सौभाग्य है कि डॉ. विकास जैफ फाउंडेशन की ओर से यहां निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। ऐसे प्रयासों से आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। विशिष्ट अतिथि जमवारामगढ़ पूर्व प्रधान रामजीलाल मीना ने कहा कि डॉ. जैफ जैसे जनसेवक ही इस क्षेत्र के विकास कार्यों को गति दे सकते हैं। उन्होंने डॉ. जैफ को समाजहित में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। समाजसेवी डॉ पिंकी जैफ ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि समाज में आज भी महिलाओं को समाज में पूर्णरूप से बराबरी का अधिकार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की बराबरी भागीदारी से ही समाज व देश का विकास सम्भव हो सकता है जिसके लिए वे हरसंभव मदद के लिए प्रयासरत हैं। गौशाला संचालक एवं समाजसेवी बाबा शंकर यादव ने कहा कि गौमाता की सेवा ही सबसे बड़ी मानव सेवा है। शिविर में करीब 125 मरीजों का उपचार किया गया। वहीं रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ. विकास जैफ ने अपने जन्मदिन के अवसर पर परिवार के साथ बाबा गौशाला परिसर में पौधे लगाए और गौशाला की गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाकर गौ सेवा की। कार्यक्रम के दौरान बाद शाम को बाबा गौशाला से विकास नगर के मुख्य बाजार होते हुए करीब 6 किलोमीटर लंबी भव्य महा तिरंगा यात्रा निकाली गई।।

वृद्ध की हत्या

उदयपुर, (कासं)। खेत पर काम करते समय अज्ञात व्यक्ति लठ्ठ से हमला कर वृद्ध की हत्या कर फरार हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सोहनसिंह पुत्र भंवरसिंह राजपूत निवासी स्वरूपजी की भागल सादड़ा सायरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 14 अगस्त सवेरे मेरे पिता अपने खते पर घास काट रहे थे। इस दौरान पिछे से आए अज्ञात व्यक्ति ने लठ्ठ से सिर पर हमला कर दिया। जिससे मेरे पिता की मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना की सूचना मिलने पर सायरा थानाधिकारी किशोरसिंह शक्तावत ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

गुलाबबाग से चंदन पेड़ चोरी

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना क्षैत्र गुलाबबाग से अज्ञात चोर छह चंदन पेड़ काट कर चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील प्रजापत पुत्र राधेलाल निवासी माताजी रोड तेलीवाड़ा बेदला सुखेर हाल सहायक अभियंता नगर निगम उदयपुर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 14 अगस्त को अज्ञात चोर2 चंदन पेड़ पुतली वाले चोराहे के पास से दो पेड़ पीडब्ल्यूडी कार्यालय के समीप तथा दो पेड़ गुलाबवाड़ी ट्रेक के पास से काट कर चुरा ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

हादसे में अधेड़ की मौत

उदयपुर, (कासं)। मकान की छत से गिरने पर अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार देवढूंगरी बावजी प्रतापनगर निवासी भेरूलाल पुत्र गंगाराम गमेती 14 अगस्त रात में छत पर टहलने के दौरान संतुलन बिगड़ने पर नीचे गिर पड़ा।

इसको देख परिजन उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभावक हाशिद मोहम्मद सलीम पुत्र नूर मोहम्मद, निवासी- म. नं. बी-156-159, अजमेर रोड, ... जयपुर ... अन्सार अहमद, एडवोकेट मो.-9414362324

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भंवर शर्मा (Bhanwar Sharma) पुत्र स्वर्गीय मूलचंद निवासी ... Chhaju Ram Sharma, Advocate R/426/2010, Mobile: 9413966670

आम सूचना
मैसर्स हरिओम स्टोन क्रेशर के रजिस्ट्रेशन संख्या 28.02.2002 दौसा फर्म पार्टनर कृष्णकान्त शर्मा हिण्डौन सिटी करौली रिटायर्ड हो रहे है। अमित कुमार गोयल हिण्डौन सिटी एन्टर हो रहे है। किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स जिला उद्योग केन्द्र दौसा में 7 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है।

खोया पाया
मेरे RHB मकान संख्या 86/125 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का अलोटमेंट लेटर एवं लीज डीड पट्टा कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। श्यामानन्द झा, मो.9650811009

मेरा SBI बैंक का चेक संख्या 061739 हस्ताक्षरशुदा कही गुम हो गया है जिसका खाता संख्या 61002026535 है जिसकी रिपोर्ट पुलिस थाने एवं SBI आमेर रोड जयपुर ब्रांच में दे चुका हूँ किसी को उक्त चेक मिले तो इस नम्बर 9887986642 पर सूचित करें। प्रार्थी- हिमायत अली खान

नाम परिवर्तन
मैं मुकेश सिंह पुत्र श्री पूरणसिंह राजपूत निवासी पुंदरपाडा तहसील बैजूपाड़ा का हू,जो कि मेरे पुत्र JIGAR SINGH RAJPUT के विद्यालय एसआर रिकॉर्ड में उसकी मां का नाम SAPANA KANWAR दर्ज है जो कि गलत है, सही नाम SAPNA KANWAR है और इसे ही सही समझा जावे

I have changed my name from Mohammed Azim Kha to Azim Khan in future. 107, Mohalla Ichavatan Idgah Ke Piche, Delhi By Pass Road, Jaipur

I have changed my name from Naeem Khan to Naim Khan in future. 107, Mohalla Ichavatan Idgah Ke Piche, Delhi By Pass Road, Jaipur

I am Bhavesh Alwani S/O Kailash Alwani, Address: 118/196, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur. I have changed my name from Bhavesh Ailwani to Bhavesh Alwani. In future I would like to be known as Bhavesh Alwani.

I, Gulab Chand Sharma, hereby affirm that my correct name is Gulab Chand Sharma and my correct date of birth is 19.11.1983. Due to an error, my name has been recorded as Gulab Sharma and Date of birth as 15.11.1981 in my passport. Address: 122, Krishna Nagar, Golyawas, Mansarovar, Jaipur

I sudesh kanwar W/O ic/ army no 15105139H Rank LNK late bhawani Singh S/O ugam singh resident of village antroli kallan post jalsu teh degana district nagaur raj that I want to change name of my daughter s which is wrongly entered in my husband service record from 1. MEENA KUMARI To REKHA KANWAR (2.) PINKI KUMARI To PRIYANKA KANWAR (3) SHIMA KUMARI To SEEMA vide affidavit dated 14/8/25 before magistrate & tehsildar degana nagaur raj

संक्षिप्त

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़, उपखंड एवं नगर पालिका प्रशासन की ओर से स्वतंत्रता दिवस से समारोह कस्बे के गांधी पार्क में मनाया गया। देश भक्ति के जज्बे एवं जोशखरोश के साथ आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह का ध्वजारोहण उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीना ने किया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका प्रशासन की ओर से तमाम व्यवस्थाएं सुचारू रूप से निर्धारित की गई। बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का आगाज किया। उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीणा ने अपने उद्बोधन में गंगाकी पवित्रता एवं अशोक महान जैसे महापुरुषों की धरती पर जन्म लेने को गौरव का क्षण बताया। उन्होंने लोगों के सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में विधायक मांगे लाल मीणा, भाजपा नेता बन्नाराम मीणा ने भी विचार व्यक्त किए। गांधी पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में यशवंत सैनी निजी सहायक, श्याम लाल शर्मा, स्मृति विजय एवं 39 कर्मचारी अधिकारियों को उत्कृष्टता के सम्मान से सम्मानित किया। विभिन्न स्कूलों के नन्हे मुन्ने बालक बालिकाओं ने रोचक संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को तालियां बजाने को मजबूत कर दिया।

कलश यात्रा व झांकी निकाली

गोविंदगढ़/अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ में आज 16 अगस्त को श्री श्याम नवयुक मंडल द्वारा कस्बे में शाम 4 बजे 108 कलश यात्रा एवं राधा कृष्ण की झांकी निकल गई जो की शिव मंदिर सेमला रोड से शुरू होकर कस्बे के मुख्य बाजारों से निकल गई कई जगह पुष्प वर्षा भी की गई जिसमें महिलाओं ने बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर भजनों पर नृत्य किया और खूब आनंद उठाया श्री श्याम प्रभु मंडल के अध्यक्ष नितिन भारद्वाज में बताया था गलत यात्रा एवं झांसी की तैयारी कई दिनों से की जा रही थी आज कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर कलश यात्रा निकाली गई महिलाओं का भरपूर सहयोग मिला और रात्रि को नई मोहल्ले में हर साल की भांति इस साल भी छोटे बच्चों का डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा सभी को उपहार स्वरूप पुरस्कार भी दिया जाएगा पुलिस एवं प्रशासन की मौजूदगी में झांकी निकाली गई गोपेश शर्मा बंटी भारद्वाज सागर सेन मीनू सेमला वाले गोविंद शर्मा महंत शिव मंदिर सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता आज से

टोंक। राजस्थान राज्य सब जुनियर जूडो चैम्पियनशिप 17 से 19 अगस्त तक जिले के ग्राम सोडा में आयोजित की जायेगी। राजस्थान राज्य जूडो एसोसिएशन के कोषाधक्ष एंव जिला जूडो संघ के सचिव आर. नावारिया व संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लगभग 300 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव प्रधान गुर्जर व आयूष गोड को बनाया गया है। दोनों ही इस प्रतियोगिता में अपने तन-मन से भरपूर सहयोग कर रहे हैं।

स्वतंत्रता विरासत में मिली, इसे मजबूत बनाना हमारा कर्तव्य : दिया कुमारी

कोटपूतली/बहरोड़, (निसं)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अमृतोत्सव की अनुगूंज और राष्ट्रप्रेम की प्रखर भावधारा के मध्य जिले में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा, उल्लास और सांस्कृतिक भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। शुक्रवार को राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के मैदान में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता विभाग मंत्री राजस्थान सरकार दिया कुमारी ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात मार्च पास्ट की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर विधायक कोटपूतली हंसराज पटेल, नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी, जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी, जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई, अधीक्षक भू- वैज्ञानिक संजय गोस्वामी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, तहसीलदार रामधन गुर्जर एवं आयुक्त नगर परिषद धर्मपाल जाट सहित जिले के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहे। प मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया।

स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीरांगनाओं को नमन करते हुए कहा कि यह दिन शहीदों के सम्मान का परिचायक है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य रखकर आत्मनिर्भर भारत सशक्त भारत की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय को अंत्योदय के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। आज दुनिया की नजरे भारत की ओर है, भारत विश्व गुरु बनने की ओर अठासर है। ऑपरेशन सिंदूर हमारी पहचान और स्वाभिमान बना, राष्ट्र की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण था कि हम अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए दुनिया के किसी भी कोने में जाने को तैयार है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा से जन-जन में देशभक्ति की भावना का संचार हुआ, विभाजन विभीषण स्मृति दिवस के माध्यम से बंटवारे की पीड़ा को सहन करने वालों को श्रद्धांजलि दी गई। केंद्र सरकार द्वारा महिला, युवा, श्रमिक, किसान, भूतपूर्व सैनिको, खिलाड़ियों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, दिव्यांगजनों का ध्यान रखते हुए कार्ययोजना बनाकर उसे धरातल पर लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार केंद्र के साथ मिलकर विकसित राजस्थान के लक्ष्य के साथ 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। राज्य सरकार ने जो कार्य किए हैं उसे प्रदेश की तस्वीर बदली है। राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में निवेश बढ़े हैं और पर्यटन के क्षेत्र में भी कई एमओयू हुए हैं। उन्होंने कहा कि यमुना समझौता हुआ, ईआरसीपी को वित्तीय स्वीकृति मिली, राम जलसेतु लिंक परियोजना का समझौता भी हुआ। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, ओडीओपी ,टूरिज्म पॉलिसी सहित 10 नई नीतियां लागू की गई। एसआईपी का गठन भी हुआ, पेपर लीक की रोकथाम हुई, युवाओं को रोजगार मिला, दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड जारी कर उन्हें स्कूटी, छात्रवृत्ति और कृत्रिम उपकरण मिले। उन्होंने कहा कि 450 रुपए में पात्रों को गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए गए तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाया गया। लाडो प्रोत्साहन और लखपति दीदी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को लाभान्वित किया गया। उन्होंने कहा कि आईफा 2025 जैसे बड़े आयोजन जयपुर में हुए।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें विरासत में मिली है लेकिन इसे मजबूत बनाना हमारा कर्तव्य है। हमारे हर निर्णय और प्रयास में राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य है कि हम सब भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करें।

■ एलबीएस कॉलेज में आयोजित हुआ समारोह

सार-समाचार

अंबिका प्रकाश पाठक ने फहराया ध्वज

जयपुर,। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर ब्राह्मण समाज, राजस्थान के जयपुर के सीकर रोड पर हरमाडा के गौडो की ढाणी स्थित मुख्यालय पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान यहां निर्माणाधीण भवन पर ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने प्रदेशवासियों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दी। इसस पूर्व क्षेत्र में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, इस यात्रा को अंबिका प्रकाश पाठक ने रवाना किया और यह यात्रा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जाकर वापस यहीं पर आकर समाप्त हुई। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने कहा कि आजादी की यह सुबह देशवासियों ने सैकडों क्रांतिकारियों के बलिदान के बाद देखी थी। ऐसे मे हर देशवासी भारत माता की आजादी के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारी का कृतज्ञ है और आज पूरा देश उनको नमन कर रहा है। ब्राह्मण समाज राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्षा डॉ. शारदा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पुरस्कृत किया गया और सभी लोगों को मुंह मीठा करवाया गया।इस मौके पर महेश शर्मा पावलिया, रमेश चंद्र शर्मा, दामोदर प्रसाद शर्मा, गोवर्धन प्रसाद शर्मा, मनमोहन मिश्रा, सुषमा पारीक व हरिश्चंद्र शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अम्बेडकर प्रतिमा में आई दरार

अलवर। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ-रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक प्रो. रमेश बैरवा ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में लिखा है कि बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित है। लेकिन इस प्रतिमा में बहुत दिनों से दरार पड़ी हुई है। जिससे यह खंडित होकर कभी भी गिर सकती है। बाबा साहेब की प्रतिमा को बदरंग किया हुआ है। पक्षियों की बीट से गंदी हो रखी है। स्वतंत्रता दिवस के दिन भी इसकी सफाई तक नहीं करवाई है। यह बाबा साहेब का जानबूझकर अपमान है। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ-रुक्टा डेमोक्रेटिक ने गहरा आक्रोश प्रकट कर मांग की है कि लापरवाही के लिए जिम्मेदार प्राचार्य एवं अन्य कार्मिकों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्यवाही की जाए। अष्टधातु की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाए जिस पर छाया के लिए छतरी भी लगी हो। प्राचार्य अशोक आर्य की लापरवाही की कारण के कारण अम्बेडकर प्रतिमा पर कोई छतरी नहीं लगी हुई है। छाया की कोई व्यवस्था नहीं है। सरदार पटेल,बाबू शोभाराम, डॉ.राधाकृष्णन,गणेश और सरस्वती की प्रतिमा की तरह अंबेडकर प्रतिमा पर छाया की व्यवस्था नहीं की हुई है जिससे इस प्रतिमा पर सीधा धूल,मिट्टी,बारिश का पानी पड़ता है।

ध्वजारोहण समारोह का आयोजन

जयपुर, । भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर द्वारा जयपुर स्थित ऐतिहासिक हेरिटेज होटल शाहपुरा हाउस में भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाहपुरा होटल्स के चेयरमैन एवं राजस्थान के सह-अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह जी शाहपुरा रहे, जिन्होंने गर्वपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया।इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से रत्ना कुमारी शाहपुरा, प्रबंध निदेशक, शाहपुरा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के. बी. गोयल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, द्वारका जेम्स लिमिटेड एन. के. जैन, अध्यक्ष, राजस्थान उप-समिति एवं अध्यक्ष, एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान तरुण बंसल, निदेशक, आर्य निवास एवं अध्यक्ष, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान अधिराज शाहपुरा, महासचिव, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान अंगद देव मंडावा, निदेशक, मंडावा होटल्स अजय सिंघा, सलाहकार, राजस्थान अतुल शर्मा, निदेशक एवं प्रमुख, राजस्थान तथा कई अन्य सम्मानित अतिथि एवं पर्यटक समारोह में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान एक शानदार बैंड ने राष्ट्रगान और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे कार्यक्रम में देशप्रेम की भावना और अधिक गहराई से महसूस की गई। सुरेन्द्र सिंह जी शाहपुरा ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्र निर्माण एवं रोज़गार सृजन के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी नागरिकों का यह कर्तव्य है कि हम अपने-अपने स्तर पर राष्ट्र की सेवा करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने भारतीय सैनिकों के समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब वे सीमाओं पर हमारी रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से तैनात रहते हैं, तो हमें भी अपने कर्मक्षेत्र में ईमानदारी से देश सेवा करनी चाहिए।

नशा मुक्ति का लिया संकल्प

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई किरण नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा मुक्ति प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के संयुक्त तत्वाधान में अधिकारी-कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया। प्राचार्य प्रो. आर के सिंह ने सभी को नशे से दूर रहने एवं समाज में नशे के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जागरूकता लाने का संदेश दिया।

स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया

देवली, (निसं)। यहां पार्श्वनाथ धर्मशाला में 79 वा स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर के पार्श्वनाथ धर्मशाला में चल रहे स्मृति परिवर्तन वर्षा योग 2025 के अंतर्गत मुनिश्री 108 प्रणीत सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 विधेय सागर जी महाराज के सान्निध्य में 79 वा स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया ।

सर्वप्रथम राष्ट्र की एकता का प्रतीक तिरंगा ध्वज सभी श्रुतशाला विद्यार्थीयो द्वारा फहराया गया एवं उसी के साथ जैन धर्म का प्रतीक पचरंगा ध्वज भी विद्यार्थियों ने फहराया, ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान की मधुरध्वनि से सभी विद्यार्थियों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी। एवं उसी के साथ धर्मशाला परिसर में ही तिरंगा रैली का आयोजन भी किया गया विद्यार्थियों,यह आयोजन मुनि श्री के निर्देशन में हुआ। मीडिया प्रभारी विकास जैन टोरडी ने बताया की तिरंगा रैली के पश्चात श्रुतशाला में काव्य गोष्ठी का आयोजन भी हुआ जिसमें श्रुतशाला के विद्यार्थियों एवं स्थानीय समाज के लोगों ने अपनी लेखनी से देशभक्ति एवं जैन धर्म पर अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की । चेतन जैन ने जैन धर्म की महिमा पंकज जैन ने मां जिनवाणी की महिमा सरोज जैन ने देशभक्ति गीत, चंदा जी जैन ने देश के बच्चों के नाम उद्बोधन एवं विकास जैन टोरडी ने मातृभूमि पर स्वरचित कविता से काव्य पाठ कर सभी की तालियां बटोरी इसके पश्चात क्षुल्लक श्री 105 विधेय सागर जी महाराज द्वारा अपनी पियूष वाणी से भजन भजनों की प्रस्तुति दी । इसी श्रृंखला में मुनिश्री 108 प्रणीत सागर जी महाराज ने राष्ट्र के नाम को एक सूत्र में बंधे रहने का उपदेश दिया एवं बताया कि असल मायने में हम आजाद उसे दिन होंगे जिस दिन हमारे अंदर से आजादी के प्रति एवं देश के प्रति कुछ कर गुजरने की क्षमता उजागर हो जाएगी,विदेशी सामानों का बहिष्कार कर हमें स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया एवं इंडिया को इंडिया नही भारत बोलो का संकल्प दिलाया।

मशाल कैंडल मार्च निकाला

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन कार्यक्रम के तहत मुख्यालय पर सुभाष बाजार से घंटाघर चौराहा निर्वाचन कार्यालय टोंक तक एक मशाल कैंडल मार्च कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में निकाला गया, जिसमें मुख्य रूप से टोंक संगठन प्रभारी विधायक आमेर प्रशांत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष संभाग प्रभारी रामविलास चौधरी टोंक विधानसभा प्रभारी डॉ सुमित गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस मौके पर जिला प्रभारी प्रशांत शर्मा ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की साजिश से हो रही वोट चोरी लोकतंत्र के लिए गहरा खतरा है, इस अन्याय के खिलाफ हर नागरिक को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम सब को मिलकर भाजपा चुनाव आयोग की साजिश को नाकामयाब करना है और लोकतंत्र की रक्षा करनी है। इस अवसर पर पूर्व विधायक कमल बैरवा, के.सी. मीणा, जर्रार खान, हंसराज फागण, संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया,

जिला कांग्रेस कमेटी ने मशाल कैंडल मार्च निकाला।

एड. महावीर तोगड़ा, सलीमुद्दीन खान, शैलेंद्र शर्मा, बजरंग लाल वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, कैलाशी देवी मीणा, जय नारायण मीणा, सतीश शर्मा, मनिंदर बेरवा, एहसान बाबा, शिवराज बैरवा, सेवादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, जिला महामंत्री रशीद लद्दाफी, हंसराज गुंजल, अशोक महावर, रामलाल सैनीवाल, रामलाल संडीला, इज्यादि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने माशाल कैंडल जुलूस में भाग लिया।

इसी क्रम में 15 अगस्त शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक पर जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने ध्वजारोहण कर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई।

ऑपरेशन कर नई जिंदगी दी

फुलेरा।उपजिला चिकित्सालय फुलेरा लगातार नई उपलब्धियां दर्ज कर रहा है। हाल ही में चिकित्सालय की अनुभवी चिकित्सक टीम ने एक गंभीर मरीज का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी।

इस अवसर पर पीएमओ धर्मेन्द्र भामू ने बताया कि 11 अगस्त को गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचे जोबनेर निवासी मरीज रामेश्वर कुमावत (29) का इमरजेंसी ऑपरेशन अस्पताल के कुशल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार यादव के नेतृत्व उनकी टीम ने किया। ऑपरेशन सफल रहने के बाद मरीज को राहत मिल सकी, गौरतलब है कि मरीज के 10 सेंटीमीटर लंबी और 7 मिलीमीटर चौड़ी अपेंडिक्स का सफलतापूर्वक आपरेशन किया गया और रोगी को स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल में हाल ही में पदस्थापित हुए सर्जन डॉ. दिनेश यादव ने एनेस्थीसिया डॉ. आदित्य राठौड़ सहित अपनी टीम ताराचंद प्रजापति, योगेश कुमार, कैलाश वर्मा, धारासिंह व सुमित्रा देवी के साथ मिलकर यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की।

स्थानीय लोगों ने चिकित्सालय की इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अब गंभीर बीमारियों का इलाज फुलेरा में ही संभव हो पा रहा है जबकि पहले छोटी-मोटी सर्जरी के लिए भी जयपुर जाना पड़ता था।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

टोंक। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रशासक प्रमिला बेनीवाल ने ग्राम पंचायत व सरकारी संस्थानों पर ध्वजारोहण किया। विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर प्रशासक ने मार्च पास्ट की सलामी ली।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र बेनीवाल ने समारोह को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामेश्वर बेनीवाल रामस्वरूप जांगिड़ जगदीश सोनी रवि साहू सीताराम स्वामी राजेश गुर्जर रामअवतार जांगिड़ हरिनारायण जाट राधेश्याम योगी रामज्ञान जाट रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों से कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में बेनीवाल ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न कार्यक्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। छात्रों ने कई रंगारंग कार्यक्रम नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य सतीश कुमार मौर्या बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार शर्मा, पप्पूलाल बैरवा आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय समारोह में 25 जनों को मिला उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान

किशनगढ़ बास, (निसं)। खैरथल तिजारा जिले के नाम बदले जाने व जिला मख्यालय के परिवर्तन के चलते विवाद के बीच किशनगढ़ बास के लोगों के लिए 15 अगस्त का दिन दो साल बाद एक बार फिर से खुशी लेकर आया है। दो साल बाद एक बार फिर से किशनगढ़ बास के खेल मैदान पर स्वतंत्रता दिवस के दिन तिरंगा फहराता व देश भक्ति गीतों पर स्कूली बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति व एक मंच पर अधिकारी जनप्रतिनिधि दिखाई दिए।

कार्यक्रम में भतृहरि के नाम की चर्चा रही, इसे संजोग ही कहेंगे कि अभी हाल में खैरथल तिजारा जिले को भतृहरि नगर के नाम पर मोहर भी नहीं लगी कि उससे पहले ही किशनगढ़ बास में 2 साल बाद स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम मनाया जाना शुरू हो गया। वैसे भी महाराजा भतृहरि को न्याय का देवता माना गया है। और यह बात पूरा संसार मानता है। जब 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर जब किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय के खेल मैदान पर 2 साल बाद फिर से कार्यक्रम मनाया जा रहा था तो स्कूली बच्चों से लेकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों सहित

■ समारोह में कलक्टर किशोर कुमार ने ध्वजारोहण कर परेड को सलामी दी

किशनगढ़ बास में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया।

शहर के लोगों मे अलग ही उत्साह था आंखों में खुशी की चमक थी।

उपखंड अधिकारी मनीष जाटव ने ध्वजारोहण किया मार्चफास्ट की सलामी ली। बच्चों को पुरस्कृत व वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव, प्रधान बद्रीप्रसाद सुमन, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी सहित गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा कार्यालय, अनाज मंडी कृषि कार्यालय, नगर पालिका, सहित विभिन्न सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं के कार्यालयों पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत यादव ने ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान कार्यालय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

खैरथल तिजारा जिला मुख्यालय पर मुख्य समारोह पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में आयोजित किया गया। इस समारोह में जिला कलक्टर किशोर कुमार ने ध्वजारोहण कर परेड को सलामी दी। वाद्य यंत्रों की स्वर लहरियों के साथ राष्ट्रगान, मुख्य अतिथि द्वारा परेड निरीक्षण एवं मार्च पास्ट हुआ। इसके पश्चात पुलिस विभाग तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के द्वारा आकर्षक परेड कर ध्वज को सलामी दी गई। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानी कि वीरांगनाओं का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 जनों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूली विद्यार्थियों ने व्यायाम प्रदर्शन और सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी।

स्वतंत्रता दिवस मनाया

गोविंदगढ़/अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ कस्बे में 79 व स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल के खेल मैदान में उपखंड अधिकारी निहारिका शर्मा प्रशासक एवं तहसीलदार राजेंद्र यादव ने दीप प्रज्वलित कर झंडा फहराया गया कार्यक्रम हाई स्कूल के ग्राउंड में किया गया सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय पर झंडा फहराया गया इस मौके पर क्षेत्र के गर्ल्स स्कूल एवं भारतीय स्कूल की छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम नृत्य गीत आदि प्रस्तुत किये जो की देशभक्ति की ओर नवयुक्त पीढ़ी को आकर्षित कर रहे और देश प्रेम की भावना जगा आज हम जिस राष्ट्रीय पर्व को मना रहे हैं यह आजादी ऐसे ही नहीं मिली हमारे देश के वीरों ने अपना बलिदान देकर जैसे चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव देश की आजादी की खातिर हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए बलिदान देकर इस देश को आजाद कराया तब जाकर हमारा देश आजाद हुआ हम आज हम अपने देश में अपने आपको आजाद महसूस कर पाते हैं वीरो को याद किया और अपनी आंखें नम की और अपने देश की संस्कृति के बारे में भी बताया नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम भी किए गए प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं को प्रसक पत्र दिए गए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी प्रसक पत्र दिए गए जैसे शिक्षा विभाग आंगनवाड़ी विद्युत विभाग स्वास्थ्य विभाग जलदाय विभाग आदि विभागों के कर्मचारियों को प्रसक पत्र वितरण किए गए।

पूर्व विधायक रामकरण सिंह गुर्जर की जयंती मनाई

कोटपूतली, (निसं)। श्री देवनारायण गुर्जर समाज कल्याण समिति के तत्वाधान व विधायक परिवार कल्याणपुरा खुर्द के सौजन्य से कोटपूतली से तीन बार विधायक रहे शेर राजस्थान के नाम से प्रसिद्ध स्व. रामकरण सिंह गुर्जर की 98 वीं जयंती मनाई गई। इस मौके पर महिला एवं पुरुष वर्ग की "रन फॉर हैल्थ" दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये विधायक हंसराज पटेल ने पूर्व विधायक रामकरण सिंह गुर्जर के साथ बिताये गये दिनों को याद करते हुये कहा कि रामकरण सिंह निडर व शानदार नेता थे।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे युवाओं का हौसला बढ़ाते हुये कहा कि स्वस्थ व फिट शरीर के लिये नियमित दौड़ आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि रामकरण सिंह ने शिक्षा व कुरीतियों से समाज को बचाने के लिये किसानां को जागरूक किया। विषिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने रामकरण सिंह व श्रीराम रावत के नाम से सड़क मार्ग का नामकरण की मांग रखी। पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत ने समाज सुधार के 32 सूत्रीय कार्यक्रम को समाज के लिये मील का पत्थर बताया। मालीराम कसाना व जीकैप के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभूदयाल कसाना ने प्रदेश भर में छात्रावास प्रारम्भ करने के लिये चलाये गये अभियान को प्रेरणा स्त्रोत बताया। पीसीसी महासचिव देव कसाना ने अतिथियों का स्वागत किया। दौड़ प्रतियोगिता में महिला वर्ग में गुड्डी पुत्री तस्लीम खान निवासी बेरी बांध प्रथम, कुसुमलता पुत्री प्रताप चौकी गोवर्धनपुरा द्वितीय, मोनिका पुत्री बीरबल यादव निवासी भोजावास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में प्रवीण कुमार पुत्र दिलीप कुमार निवासी नालपुर खेतड़ी प्रथम, सौरभ सिंह पुत्र रमेश सिंह निवासी राजनौता द्वितीय व सतीश कुमार पुत्र भगतवार गुर्जर निवासी नांगड़ीवास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को क्रमश 3100, 2100 व 1100 रूपये एवं ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शंकरलाल कसाना, प्रधान प्रतिनिधि इंद्राज रावत, भाजपा नेता यादराम जांगल, कमलेश फौजी, सरपंच मालराम सूद, दाताराम गिरदावर, ओमप्रकाश मास्टर, छीतरमल रावत आदि मौजूद रहे।

■ "रन फॉर हैल्थ" दौड़ प्रतियोगिता में युवाओं ने लिया भाग

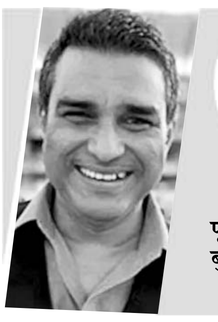

खेल हमेशा हमें आईना दिखाता है चाहे हम कितनी भी कोशिश कर लें और चीजों से चिपके क्यों न रहें। ये अलग तरह की न्याय है कि हम वो दोनों टेस्ट मैच जीते जो बुमराह ने नहीं खेले।

- संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — तान्या हेमंत

भारतीय शटलर तान्या हेमंत ने शनिवार को साइपन इंटरनेशनल 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीत लिया। आज उत्तरी मारियाना द्वीप समूह के ओलेई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गये मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 86वें स्थान पर और टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त 21 वर्षीय तान्या हेमंत ने फाइनल में गैर-वरीयता प्राप्त जापान की कानाए सकाई को 15-10, 15-8 से हराया। यह तान्या हेमंत का चौथा अंतराष्ट्रीय सीरीज खिताब था। उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल 2022 टूर्नामेंट, 2023 में ईरान फठा इंटरनेशनल और 2024 में बेंडिगो इंटरनेशनल जीता।

क्या आप जानते हैं ?... 2025 की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया ने 470 बाउंड्री (422 चौके और 48 छक्के) लगाकर ऑस्ट्रेलिया का 32 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा।

पंत की चोट के बाद, बीसीसीआई ने 'गंभीर चोट' प्रतिस्थापन नियम लागू किया

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खेल परिस्थितियों में संशोधन किया है और आगामी घरेलू सत्र के लिए बहु-दिवसीय क्रिकेट में चोट प्रतिस्थापन की अनुमति दी है। यह विचार हाल ही में इंग्लैंड में एंडरसन-तेंदुलकर श्रृंखला के बाद से प्रचलन में है।

खेल परिस्थितियों में नए लागू किए गए नियम में कहा गया है, यदि किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है, तो निम्नलिखित परिस्थितियों में गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति दी जा सकती है। गंभीर चोट खेल के दौरान और खंड में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए।

कथित नियम परिवर्तन के कारण इस मामले पर लोगों की राय ध्रुवीकृत हो गई है। बेन स्टोक्स ने इसे एक बेतुका सुझाव बताया है, जबकि गौतम गंभीर ने इसका स्वागत किया है। दोनों टीमों के एक-एक खिलाड़ी - ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स - चौथे और पाँचवें टेस्ट के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे वे टेस्ट मैच जारी रखने के लिए अयोग्य हो गए।

बीसीसीआई ने बहु-दिवसीय क्रिकेट के 2025-26 सीज़न के लिए खेल परिस्थितियों में एक नए उप-शीर्षक गंभीर चोट प्रतिस्थापन के तहत यह नियम लागू किया है, जिसमें कहा गया है कि कन्कशन प्रतिस्थापन नियमों के समान, समान प्रतिस्थापन की अनुमति होगी। कुछ अन्य नियमों में भी बदलाव किए गए हैं - जानबूझकर कम रन और रिटायर्ड बल्लेबाज पर, लेकिन गंभीर चोट प्रतिस्थापन आगामी घरेलू सीजन के लिए खेल परिस्थितियों का एक परिचय है।

पैर में फ्रैक्चर और कंधे की हड्डी उखड़ने के कारण पंत और वोक्स चौथे और पाँचवें टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए (हालाँकि दोनों ही अत्यधिक दर्द के साथ थोड़े समय के लिए खेले थे), जिसके बाद प्रतिस्थापन नियम की मांग उठी, जिसे अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है।

मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान पंत की चोट के बाद गंभीर ने कहा था, बिल्कुल, मैं इसके पक्ष में हूँ। अगर अंपायर और मैच रेफरी देखते हैं और महसूस करते हैं कि यह एक गंभीर चोट है, तो मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है। यह नियम होना बहुत जरूरी है कि आप एक विकल्प चुन सकें - यानी, अगर वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा हो। ऐसा करने में कुछ भी गलत नहीं है, खासकर इस तरह की सीरीज में जहां पिछले तीन टेस्ट मैचों में कांटे की टक्कर रही है। सोचिए अगर हमें 11 के मुकाबले 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ता। यह हमारे लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण होता।

हालांकि, स्टोक्स इसके पक्ष में नहीं थे। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, यह बिल्कुल हास्यास्पद है कि चोट के विकल्प को लेकर इतनी चर्चा हो रही है। चौथे टेस्ट के बाद स्टोक्स ने कहा था, टीमों के लिए बहुत सारी खामियां होंगी जिनसे वे पार नहीं पा सकेंगे। आप एक मैच के लिए अपनी ग्यारह चुनते हैं; चोटें खेल का हिस्सा हैं। मैं कन्कशन रिप्लेसमेंट, खिलाड़ी कल्याण और खिलाड़ी सुरक्षा के बारे में पूरी तरह समझता हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि बातचीत चोट रिप्लेसमेंट पर ही रुक जानी चाहिए क्योंकि अगर आप मुझे एमआरआई स्कैनर में डालेंगे, तो मैं तुरंत किसी और को शामिल कर सकता हूँ।

ओवल में अगले ही टेस्ट में, उनके साथी वोक्स का बायाँ कंधा उखड़ गया, जिससे वह टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए। लेकिन स्टोक्स इस नियम पर अड़े रहे। अहमदाबाद में चल रहे अंपायरों के सेमिनार में अंपायरों को खेल की नवीनतम परिस्थितियों के बारे में बताया गया। बीसीसीआई ने कहा कि सफेद गेंद वाले क्रिकेट - सैयद मुश्ताक अली या विजय हजारे टूर्नामेंट - में इस तरह के किसी भी रिप्लेसमेंट की अनुमति नहीं होगी।

हार्दिक का नाम पक्का, बाकी और कौन हो सकते हैं टीम में ऑलराउंडर ?

नई दिल्ली, 16 अगस्त। एशिया कप 2025 आने को है और टी20 क्रिकेट ऑलराउंडरों का खेल कहा जाता है। कहते हैं टीम में जितने ऑलराउंडर होंगे, वह टीम बेहतर से बेहतरीन बन जाएगी। रवींद्र जडेजा के टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हार्दिक पांड्या टीम के प्रमुख ऑलराउंडर की भूमिका में हैं, लेकिन अन्य ऑलराउंडरों की भी उपस्थिति है, जिन्होंने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन करके अपना दावा तो मजबूत किया है। अब आप बताइए आप किन ऑलराउंडरों को अपनी टीम में देखना पसंद करेंगे।

हार्दिक पांड्या : हार्दिक टेस्ट टीम का जरूर हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने वनडे और टी20 में खुद को साबित करके दिखाया है। वह लगातार इन दोनों ही प्रारूपों में खेल रहे हैं। टी20 विश्व कप का खिताब जिताने में उन्होंने फाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में वह ऑलराउंडरों में पहली पसंद के खिलाड़ी होंगे। आईपीएल की भी बात करें तो उन्होंने पिछले सीजन 15 मैचों में 224 रन बनाए थे, जिसमें नाबाद 48 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। वहीं गेंदबाज़ी में उन्होंने 15 मैचों में 14 विकेट लिए थे, जहां 36 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। हार्दिक टीम संतुलन में एक अहम भूमिका निभाते आए हैं। उनकी हार्ड हीटिंग लेंथ बल्लेबाजों को हमेशा परेशान करती दिखी है।

नीतीश कुमार रेड्डी : नीतीश कुमार रेड्डी की बात करें तो उन्होंने पिछले दो सीजन में ही खेलकर भारतीय टीम में एक अहम स्थान

सुथापित कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले विदेशी दौरे पर उन्होंने टेस्ट में शतक लगाकर दिखाया। पिछला आईपीएल सीजन हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 182 रन ही बनाए, जहां पर उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन था, जबकि गेंदबाजी में भी उन्होंने 13 मैचों में केवल दो ही विकेट लिए। रेड्डी की आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को निचले मध्य क्रम में अहम योगदान दिला सकती है, लेकिन देखना होगा कि टेस्ट की तरह चयनकर्ता उन पर भरोसा करते हैं या नहीं।

शिवम दुबे : शिवम दुबे जब से चेन्नई सुपर किंग्स में आए थे तो उन्होंने टीम इंडिया में वापसी भी करके दिखाई। आईपीएल में उनको इस बार गेंदबाजी में हाथ आजमाने के अधिक मौके नहीं मिले। उनका टीम में आना स्वाभाविक है, क्योंकि पिछली टी20 सीरीज में वह टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन क्या उनको रेड्डी के ऊपर तरजीह दी जाएगी, यह देखना होगा। दुबे ने इस आईपीएल में 14 मैचों में 357 रन बनाए, जिसमें 50 रन सर्वाधिक स्कोर था, जो उनका इस सीजन एकमात्र अर्धशतक भी था। गेंदबाजी की बात करें तो पूरे सीजन इस बार उन्होंने केवल 14 ही गेंद डाली थी। यह सीजन सीएसके के लिए भी ख़ास नहीं रहा था।

वॉशिंगटन सुंदर : रविचंद्रन अश्विन के जाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर को उनके विकल्प के तौर पर देखा जाता रहा है। वह टीम में रहेंगे या नहीं यह कहना मुश्किल है, लेकिन अगर टीम ऑलराउंडरों के साथ जाती है तो फरि उनकी जगह बन सकती है। वैसे भी हाल में इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। वॉशिंगटन को हालांकि गुजरात टाइटंस के लिए इस सीजन अधिक मैच नहीं मिले थे। गेंदबाजी में उन्होंने छह मैचों में केवल दो ही विकेट लिए और बल्लेबाजी में छह मैचों में 149 रन ही बना पाए, जहां पर नाबाद 49 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

अक्षर पटेल : अक्षर पटेल की बात करें तो जडेजा के संन्यास लेने के बाद और दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनने के बाद से अक्षर एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी टीम में जगह बना लेंगे। अक्षर ने हाल के सालों में निरंतरता के साथ प्रदर्शन किया है। उन्होंनेआईपीएल में इस सीजन 12 मैचों में 263 रन बनाए, जिसमें 43 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। जबकि गेंदबाज़ी में उन्होंने 12 मैचों में पांच विकेट लिए। यूएई की स्पिन मुफीद पिचों पर वह टीम के लिए अहम योगदान दे सकते हैं और वैसे भी टी20 विश्व कप के फाइनल में उनकी विराट कोहली के साथ साझेदारी को कौन भूल सकता है।

आर. अश्विन का बड़ा दावा डेवाल्ड ब्रेविस को साइन करने के लिए सीएसके ने नियम तोड़े थे

चेन्नई, 16 अगस्त। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आज ऑफ स्पिनर आर अश्विन के इस दावे का खंडन किया कि फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2025 में दक्षिण अफ्रीकी डेवाल्ड ब्रेविस को प्रतिस्थापन के रूप में 2.2 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करके साइन किया था। एक आधिकारिक बयान में,

चेन्नई सुपर किंग्स ने स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया है कि टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान डेवाल्ड ब्रेविस को प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में साइन करने की प्रक्रिया के दौरान फ्रेंचाइजी द्वारा की गई सभी कार्रवाई आईपीएल के नियमों और विनियमों के पूर्णतः अनुरूप थी। अप्रैल 2025 में, डेवाल्ड ब्रेविस को 2.2 करोड़ रुपये की लीग फीस पर चोटिल गुरजपनीत सिंह के स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया गया था। जिन्हें सऊदी अरब के जेद्दा स्थित अबादी अल जौहर एरिना में आयोजित आईपीएल 2025 खिलाड़ी नीलामी में 2.2 करोड़ रुपये की कीमत पर चुना गया था। डेवाल्ड ब्रेविस को आईपीएल खिलाड़ी विनियम 2025-27, विशेष रूप से प्रतिस्थापन खिलाड़ी के अंतर्गत खंड 6.6 के अनुसार अनुबंधित किया गया था, जिसमें कहा गया था कि "अनुच्छेद 6.1 या 6.2 के अनुसार अनुबंधित प्रतिस्थापन खिलाड़ी को लीग शुल्क पर भर्ती किया जा सकता है, जो संबंधित सत्र के लिए चोटिल/अनुपलब्ध खिलाड़ी को देय लीग शुल्क से अधिक नहीं होगा। इसमें कहा गया है, यदि किसी सीजन के दौरान किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की भर्ती की जाती है, तो उसे वास्तव में भुगतान की गई लीग फीस, संबंधित सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी द्वारा खेले गए मैचों को ध्यान में रखते हुए कम कर दी जाएगी।

लिवरपूल का प्रीमियर लीग में जीत के साथ हुआ आगाज

डियोगो जोटा को खिलाड़ियों ने किया याद

नई दिल्ली, 16 अगस्त। प्रीमियर लीग 2025-26 का आगाज हो चुका है। वहीं इस दौरान गत चैंपियन लिवरपूल ने जज्बात से भरे इस मुकाबले में बूर्नमाउथ को 4-2 से हराकर प्रीमियर लीग में जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया है। इस दौरान लिवरपूल के खिलाड़ियों ने डियोगो जोटा को श्रद्धांजलि दी, जबकि इस मैच में एक खिलाड़ी नस्लीय टिप्पणी का भी शिकार हुआ। दो गोल की बढ़त गंवाने के बाद लिवरपूल के लिए 88वें मिनट में फेडरिको चिएसा और स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद सालाह ने गोल दागे।

इससे पहले हुगो एकिटिके और कोडी गाकपो ने लिवरपूल को 2-0 से बढ़त दिलाई थी। मैच 28वें मिनट में कुछ देर के लिए रुका जब बूर्नमाउथ के फॉरवर्ड अंतोइने सेमेन्यो ने रैफरी एंथोनी टेलर से शिकायत की कि एक दर्शक ने उन पर नस्लीय टिप्पणी की है। टीम के मैनेजर ने कहा कि टिप्पणी करने वाले को पहचान लिया गया है। घाना के 25 वर्ष के सेमेन्यो को उनके साथी खिलाड़ियों ने ढांढस बंधाया। सेमेन्यो ने 64वें और 76वें मिनट में गोल करके लिवरपूल की बढ़त उतार दी थी। पिछले पांच साल में लिवरपूल के लोकप्रिय खिलाड़ियो में शुमार जोटा और उनके भा आंद्रे सिल्वा की तीन जुलाई को एक कार हादसे में मौत के बाद टीम का ये पहला प्रतिस्पर्धा मैच था। मैच शुरू होने से पहले फैंस ने हाथ में पुर्तगाल के इन दोनों खिलाड़ियों के लिए डीजे20 और एएस 30 के प्लेकार्ड ले रखे थे।

चहल के तीन विकेट की बदौलत नॉर्थेप्टनशायर ने डरहम को ध्वस्त किया

लंदन, 16 अगस्त। जेम्स सेल्स की 110 गेंद में 117 रनों की खूबसूरत पारी और युजवेंद्र चहल के 30 रन पर तीन विकेट की बदौलत नॉर्थेंप्टनशायर ने डरहम को वनडे कप में ध्वस्त करके चार मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नॉर्थेंप्टनशायर ने सेल्स के शतक की बदौलत आठ विकेट पर 321 रन खड़े किए और सफलतापूर्वक स्कोर का बचाव कर लिया। डरहम की यह पांच मैचों में तीसरी हार है, जिससे उनके नॉकआउट क्वालीफिकेशन में शीर्ष तीन में जगह बनाने के सपने को धक्का लगा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थेंप्टनशायर की ओर से सेल्स ने शतक लगाया और उनका साथ न्यूजीलैंड के टिम रॉबिंसन ने दिया, जिन्होंने 69 गेंद में 63 रन बनाए, जबकि जस्टिन ब्रॉड ने 45 गेंद में 59 रन बनाए। डरहम ने इसके बाद जल्दी विकेट गंवाए और कभी वापसी नहीं कर पाई। वे 32 ओवरों के अंदर 171 रनों पर ढेर हो गए। भारत के युजवेंद्र चहल ने छह ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिए।

जयपुर बालिका टीम का सेमीफाइनल में प्रवेश

जयपुर, 16 अगस्त। खंडेला (सीकर) के विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 7वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में बालक वर्ग की 16 एवं बालिका वर्ग की 12 टीमों भाग ले रहीं हैं ।

कल एवं आज प्रातःकाल के सत्र में दोनों वर्गों के सभी लीग मैच खेले गए । दोपहर के सत्र में क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए जिनके परिणाम निम्नानुसार रहें ।

बालक वर्ग- प्रथम क्वार्टर फ़ाइनल मैच में बीकानेर ने नागौर को 35- 18 और 35-28 से हराया । दूसरे क्वाटर फाइनल मैच में टोंक ने ब्यावर को 3 सेटों में 35-31,31- 35, और35- 29 से हराया तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच में सीकर ने दोसा को 35 - 31 और 37- 35 से हराया चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में जोधपुर ने जयपुर को 35- 32और 35- 29 पॉइंट्स से हराया।

बालिका वर्ग- प्रथम क्वार्टर फाइनल मैच बीकानेर ने जोधपुर को 35-15 और 35 -20 से हराया। दूसरे क्वाटर फाइनल मैच में दोसा ने सीकर को 35 - 28 और 35- 31 से हराया । तीसरे क्वाटर फाइनल मैच में चूरु ने नागौर को 35 - 08 और 35 05 से हराया। चौथे क्वाटर फाइनल मैच में जयपुर ने टोंक को 35 -15 और 35 -20 से हराया।

आज खेले गए मैचों में भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के संयुक्त सचिव एवं राजस्थान बॉल बेडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी, राज्य संघ के कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा, उपाध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम नकवी विवेकानंद स्कूल के निदेशक श्रवण कुमार नेहरा राज्य संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल अब्बास एवं सीकर जिला सचिव विलायत हुसैन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया । कल प्रातः दोनों वर्गों के सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का समापन समारोह कल प्रातः 10 बजे आयोजित किया जाएगा ।

भारत के युवा मुक्केबाज अंतर्राष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी समारोह के लिए चीन पहुंचे

नई दिल्ली, 16 अगस्त। 59 सदस्यीय भारतीय दल 15-30 अगस्त, 2025 तक आयोजित होने वाले तीसरे बेल्ट एंड रोड अंतर्राष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी समारोह - अंडर-17/अंडर-19/अंडर-23 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उरुमकी, झिंजियांग, चीन पहुंच गया है। इस दल में 20 लड़के और 20 लडकियां शामिल हैं, जिन्हें 12 प्रशिक्षकों, 6 सहायक कर्मचारियों और 1 रेफरी एवं जज (आर एंड जे) का सहयोग प्राप्त है। चीनी मुक्केबाजी महासंघ और झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र सरकार द्वारा आयोजित इस आयोजन की शुरुआत 17 से 25 अगस्त तक उरुमकी में एक प्रशिक्षण शिविर से होगी, जिसके बाद 26 से 29 अगस्त तक उरुमकी और यिली में प्रतियोगिता चरण होगा। इस संस्करण में केवल अंडर-17 लड़के और लडकियां ही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

मैक्सवेल के नाबाद अर्द्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराया, जीती टी-20 सीरीज

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया), 16 अगस्त। ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 62) और कप्तान मिचेल मार्श (54) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 66 रन जोड़े। आठवें

ओवर में एडन मारक्रम ने ट्रेविस हेड (19) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। अगले ओवर में जॉश इंग्लिस (शून्य) को कॉर्बिन बॉश ने बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 11वें ओवर में वेना मफाका ने मिचेल मार्श को आउट कर पवेलियन भेज दिया। मिचेल मार्श ने 37 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 54 रन बनाये।

कैमरन ग्रीन (नौ) और टिम डेविड 17 रन बनाकर आउट हुये। ऐरन हार्डी (एक), बेन ड्वारश्विस (एक), नेथन एलिस (शून्य) के आउट होने से ऑस्ट्रेलिया के सामने हार का संकट खड़ा हो गया।

आरसीए द्वारा करौली जिला टीम घोषित

जयपुर, 16 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली करौली जिला टीम का चयन आरसीए जूनियर चयन कमेटी द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु चयनित करौली जिला टीम : लक्ष्य सैन, ऑल्विन पाठक, रवि कश्यप, अमित भारद्वाज, मोहित नागर, विकास कुमार, नितिन सिंघल, मो जीशान, विपिन चौधरी, सौरभ सिंह, चेतन पराशर, टिंकल सिंह चौहान, तन्मय भाटिया, दिविक गोधा,अर्पण पारीक।

स्वतंत्र दिवस पर आरसीए प्रांगण में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी.डी. कुमावत ने किया झंडारोहण

जयपुर, 16 अगस्त। 79 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आरसीए प्रांगण में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने किया झंडारोहण। इस अवसर पर राज्य की महिला खिलाडियों सहित आरसीए कर्मचारी भी मौजूद रहे।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 -26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, सीनियर रणजी ट्रॉफी व अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता व राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- आरसीए सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी :-

के एल सैनी स्टेडियम - टीम-जी पारी 241 आल आउट, टीम के लिए राज शर्मा 89 व आदित्य सिंह 68 रन, टीम एच के गेंदबाज धनंजय तिवारी 40 /5, दानिश भाम्भू व रोहित खिचर प्रत्येक 2-2 विकेट।

टीम-एच पारी 10 /0 अनंतम ग्राउंड टीम-डी पारी 277 /6 अमोल चेलानी नाबाद 92, मिनाफ 51, अंशुल 36, सौरव 30 व देवकृत शर्मा 21 रन टीम-सी के गेंदबाज जयदीप सिंह 61 / 2 व हेमंत स्वामी 41 /2 विकेट

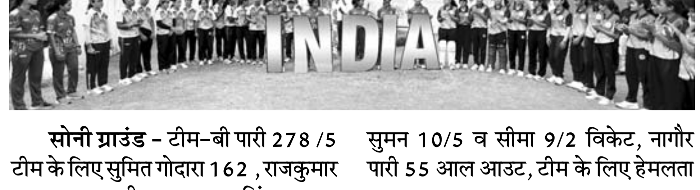

सोनी ग्राउंड - टीम-बी पारी 278 /5 टीम के लिए सुमित गोदारा 162 , राजकुमार नाबाद 43 रन टीम-ए भगवान् सिंह 55 55 /2 विकेट

जयपुरिया ग्राउंड- टीम-ई पारी 332 /3 टीम के लिए करण लाम्बा नाबाद 1, राजवीर सिंह नाबाद 109 , जयंत ताम्बी 31 रन टीम-एफ नवीन 60 /2 विकेट राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता के मैचों का परिणाम- प्री क्वाटर फाइनल मैच :-

एआर ग्राउंड - अजमेर - श्रीगंगानगर (अजमेर 44 रन से जीती), अजमेर पारी 93/9, टीम के लिए रोचले यादव 38 रन, श्रीगंगानगर की गेंदबाज पिंकी नागर 6/3 व मनमीत 9/2 विकेट, श्रीगंगागनर पारी 49 आल आउट , टीम के लिए मनमीत 17 रन, अजमेर की गेंदबाज वध्या रावत 9/5 विकेट।

जोधपुर - नागौर (नागौर 7 विकेट से जीती), जोधपुर पारी 54 आल आउट, टीम के लिए पार्वती 13 रन, नागौर की गेंदबाज सुमन 10/5 व सीमा 9/2 विकेट, नागौर पारी 55 आल आउट, टीम के लिए हेमलता 16 रन।

आरसीए अकादमी : बाड़मेर - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ 10 विकेट से जीती), बाड़मेर पारी 59 आल आउट, टीम के लिए गंगा 20 रन, चित्तौड़गढ़ की गेंदबाज फोरा गुर्जर 13/2 विकेट, चित्तौड़गढ़ पारी, सुमित्रा जाट नाबाद 38 व उर्वशी नाबाद 21 रन।

उदयपुर - भीलवाड़ा (उदयपुर 45 रन से जीती) उदयपुर पारी 128/5, टीम के लिए रिज़ा शेख 77 व प्रियांशी 20 रन, भीलवाड़ा की गेंदबाज तेजस्वरी जोशी 27/2 विकेट, भीलवाड़ा पारी 83 आल आउट। टीम के लिए सुकृति 20 रन, उदयपुर की गेंदबाज सोनल, ऋतू व अल्पना प्रत्येक 2-2 विकेट।

संस्कार ग्राउंड - जयपुर - बीकानेर (जयपुर 56 रन से जीती), जयपुर पारी 118/5, टीम के लिए ज्योति 52 व मेघा 23 रन, बीकानेर की गेंदबाज सरिता 12/3 विकेट, बीकानेर पारी 62 आल आउट, टीम के लिए कंचन 26 रन, जयपुर की गेंदबाज अर्चना व सुमन प्रत्येक 2 - 2 विकेट।

सीकर - राजसमंद (सीकर 67 रन से जीती), सीकर पारी 135/5, टीम के लिए प्रीत 40, प्रियंका 26 व डिंपल 22 रन

राजसमंद पारी 68/8, सीकर की गेंदबाज अनाया, भूमिका व निशा प्रत्येक 2 -2 व वृंदा शर्मा 1 विकेट।

नारायणा ग्राउंड - धौलपुर - पाली (धौलपुर 35 रन से जीती), धौलपुर पारी 101/3, टीम के लिए पूनम 41 व मनीषा 28 रन, पाली पारी 66 /7 टीम के ओली 28 रन, धौलपुर की गेंदबाज 23 /3 विकेट।

हनुमानगढ़ - चूरू (हनुमानगढ़ जीती), हनुमानगढ़ पारी 127/3, टीम के लिए सिमरन 46 व प्रीती 29 रन, चूरू की गेंदबाज शैली मिश्रा 6/2 विकेट, चूरू पारी 74/6, टीम के लिए महिमा शर्मा 16 रन, हनुमानगढ़ की गेंदबाज मनीषा 13/2 विकेट।

राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता (पहले दिन जोधपुर , पाली जीती), जैसलमेर - जोधपुर (जोधपुर 8 विकेट से जीती), जैसलमेर पारी 167/8, टीम के लिए मुदित व्यास 51 व चेतन 24 रन, जोधपुर के गेंदबाज केतन देवासी 43/4 विकेट, जोधपुर पारी168/2, टीम के लिए वैभव राजपुरोहित 66 शिवांग सिंह 58 रन।

राजस्थान राज्य सीनियर महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप

जयपुर टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भीलवाड़ा, 16 अगस्त। भीलवाड़ा फुटबॉल संघ के तत्वाधान में आयोजित हो रही राजस्थान राज्य सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में आज प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए जिसमें जयपुर ने चूरू को 3 - 1 से परास्त कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर की टीम ने मैच शुरू होते ही आक्रामक नीति अपनाते हुए चूरू की टीम को दबाव में रखा लेकिन शुरुआत में चूरू की टीम ने कुछ अच्छे बचाव करते हुए जयपुर की टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। पहले हॉफ के 20 वे मिनट में जयपुर की कप्तान और मिडफील्डर निकिता कंवर को बॉल मिली जिसने अपने एकाकी प्रयास से विपक्षी टीम के दो खिलाड़ियों को छकाते हुए डी के बाद से शानदार सूट से अपनी टीम का पहला गोल किया।

उसके बाद चूरू की टीम ने अपनी रणनीति बदलते हुए जयपुर की टीम के साथ छोटे पास की मदद से फुटबॉल खेलने जारी रखा और जिसके फल स्वरुप हाफ टाइम समाप्त होने से 7 मिनट पहले चूरू के फारवर्ड नीरू को मौका मिला जिस पर उसने शानदार मैदानी गोल कर मैच का स्कोर 1 - 1 पर ला दिया। हाफ टाइम तक 1 -1 स्कोर रहा। हाफ टाइम के बाद वही पहले आप की कहानी दोहराते हुए जयपुर ने विपक्षी टीम को दबाव में रखा जिसके फल स्वरुप मैच के 78 मिनट में जयपुर की टीम को कॉर्नर मिला। कप्तान निकिता ने कॉर्नर कीक ली जिस पर वृद्धि बत्रा ने बाल को रिसीव करके शानदार तरीके से विपक्षी टीम के गोल में सरका दिया और जयपुर टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

मैच खत्म होने से 5 मिनट पहले जयपुर की टीम को फिर कॉर्नर कीक मिली। कप्तानी निकिता द्वारा ली गई इस कॉर्नर कीक को छवि अग्रवाल ने खूबसूरती से अपने नियंत्रण में कर अपनी टीम का तीसरा गोल किया। अंत में मैच जयपुर के पक्ष में 3 -1 से समाप्त हुआ। इस जीत के बाद जयपुर की टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है जो कि कल खेला जाएगा। टीम की इस जीत पर जयपुर जिला संचालन समिति के सदस्यों अब्दुल जब्बार, हितेश शर्मा, मनोज शर्मा, डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने टीम को बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष महाना देवनानी से मिले

देवनानी ने उन्हें राजस्थान विधानसभा सदन, भवन, संग्रहालय और कांस्टीट्यूशन क्लब का अवलोकन कराया

- यूपी स्पीकर सतीश महाना ने राजस्थान विधानसभा भवन की अनूठी स्थापत्य संरचना, ऑनलाइन व पेपरलैस कार्यप्रणाली की प्रशंसा की।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायिका की चुनौतियां और उसकी प्रभावी भूमिका पर चर्चा की।

जयपुर,16 अगस्त। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शनिवार को यहां विधानसभा में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शिष्टाचार भेंट की। दोनों अध्यक्षों ने संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायिका की चुनौतियां और उसकी प्रभावी भूमिका पर चर्चा की।

देवनानी ने राजस्थान विधानसभा की विशेषताओं, नवाचारों , सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस प्रक्रिया, पारदर्शी कार्यशैली की जानकारी दी। महाना ने राजस्थान विधानसभा भवन की अनूठी स्थापत्य संरचना, सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस कार्यप्रणाली और यहां विकसित की गई आधुनिक व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न नवाचारो का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा संग्रहालय (म्यूज़ियम) का भी दौरा किया और वहाँ प्रदर्शित संसदीय धरोहर, संविधानिक इतिहास एवं राजस्थान की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपरा से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज़ों की सराहना की।

देवनानी ने महाना को बताया कि राजस्थान विधानसभा में भारतीय नव वर्ष के अनुसार वार्षिक डायरी का प्रकाशन किया गया है। विधानसभा में कारगिल शौर्य वाटिका का निर्माण किया गया है। विधानसभा के राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में राजस्थान के महापुरुषों और विभिन्न क्रांतियों से संबंधित जानकारियों तथा संवैधानिक दीर्घा के नवाचार भी समावेशित किये गये हैं। देवनानी ने महान को क्लब का अवलोकन करते हुए बताया कि क्लब के विभिन्न सभागारों का नामकरण भारतीय शब्दों पर किया गया है। देवनानी ने महाना को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा दुपट्टा व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा देवनानी ने महाना के सम्मान में उन्हें दोपहर भोज भी दिया।

घर-घर जाकर मतदाता सूची जांचेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली, 16 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों के आरोप को लेकर देशभर में अभियान चलाने की पार्टी की घोषणा के बीच युवा कांग्रेस ने घर-घर जाकर मतदाताओं का सूची से मिलान करने का अभियान शुरू किया।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उन्होंने जम्मू (उत्तर)

- युवा कांग्रेस ने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी के कारण यह निर्णय लिया है।

विधानसभा में कार्यकर्ताओं के साथ तथाकथित वोट चोरी के खिलाफ घर-घर मतदाताओं से संपर्क कर इस अभियान की शुरुआत की। चिब ने कहा, लोकतंत्र की लड़ाई अब हर बूथ तक पहुँच चुकी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आव्हान पर वोट चोरी रोको आंदोलन का एलान किया गया है। मैंने जम्मू (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र में अपने बूथ की सूचियों से जुड़े मतदाताओं से घर-घर जाकर नामों की पुष्टि शुरू की ।

अब देश आत्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, अमृता देवी राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत बिश्नोई सहित, अन्य गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

एनडीए संसदीय दल की बैठक मंगलवार को आहूत

बैठक में उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा द्वारा सुझाए गए प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली, 16 अगस्त। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय दल की बैठक मंगलवार को बुलायी गयी है, जिसमें उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से सुझाये गये नाम का अनुमोदन किया जा सकता है।

भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि राजग संसदीय दल की बैठक 19 अगस्त को पूर्वाह्न 9:30 बजे बुलायी गयी है, जिसमें सभी घटक दलों के सदस्य और कुछ बड़े नेता मौजूद रहेंगे। संसद के इस मानसून सत्र में राजग संसदीय बोर्ड की यह दूसरी बैठक है। इससे पहले पांच अगस्त को राजग संसदीय बोर्ड की संसद के वर्तमान सत्र में हुई पहली बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया गया था। उसी बैठक में तय हुआ था कि उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम की सिफारिश भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

राजग की इस बैठक से पहले यहां भाजपा संसदीय बोर्ड की एक बैठक रविवार शाम को होगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ संगठन महासचिव बी एल संतोष समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

- इससे पहले रविवार शाम को भाजपा संसदीय दल की बैठक होगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भाग लेंगे।

सूत्रों के अनुसार, कल होने वाली इस बैठक में अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों के अलावा उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का नाम तय किए जाने की संभावना है। भाजपा संसदीय बोर्ड नड्डा और सिंह की सिफारिश के आधार पर उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी तय कर सकता है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा के आवास पर शुक्रवार को एक बैठक हुई थी। इसमें राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कुछ अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार राजग गठबंधन के सहयोगी दल भाजपा संसदीय बोर्ड में तय उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने राजग गठबंधन शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन पत्र दाखिल करने के दिन, 21 अगस्त को दिल्ली में रहने को कहा है। बीस अगस्त को राजग का रात्रिभोज कार्यक्रम आयोजित होने की भी संभावना है। उप राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और आवश्यता हुई तो मतदान नौ सितंबर को कराया जाएगा। इस चुनाव में राज्य सभा के सभी सदस्यों और लोक सभा के सभी गैर नामित सदस्य मतदाता होते हैं। भाजपा ने राज्य सभा और लोक सभा दोनों के अपने सांसदों को छह से नौ सितंबर तक अनिवार्य रूप से राजधानी में रहने का निर्देश दिया है। इस दौरान वे भाजपा मुख्यालय में उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया पर होने वाली कार्यशाला में भाग लेंगे।

भजनलाल ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के लिए मिलकर कार्य करना होगा। इसके पश्चात शर्मा ने जयनिवास बाग में ही देवस्थान विभाग के राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार श्रेणी के मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण जी में भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने गोविन्द देव जी मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक बालमुकुन्दाचार्य सहित, विशिष्ट गणमान्यजन उपस्थित थे।

कांग्रेस ने कहा, बंटवारे के दोषी हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग

कांग्रेस ने एनसीईआरटी के मॉड्यूल को खारिज किया जिसमें कांग्रेस को बंटवारे का दोषी ठहराया था

नयी दिल्ली, 16 अगस्त। कांग्रेस पार्टी ने देश विभाजन के बारे में राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित 'विभाजन के दोषी' शीर्षक मॉडयूल पर सवाल उठाते हुए कहा है कि देश के बंटवारे के लिए हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की 'जुगलबंदी' जिम्मेदार है और इतिहास का सबसे बड़ा खलनायक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में एनसीईआरटी के 14 अगस्त को जारी उस मॉड्यूल पर कहा, ' इसमें 1938 की तारीख का जिक्र है या नहीं है। बंटवारे के इतिहास में 1938 बहुत महत्वपूर्ण तारीख है। इस वर्ष गुजरात में साबरमती के किनारे हिंदू महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था, जिसमें ये स्पष्ट तौर से कहा गया था कि हिंदू और मुसलमान एक देश में नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, " 1940, क्या यह है मॉड्यूल में। 1940 में इस जुगलबंदी को आगे बढ़ते हुए मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में जिन्ना ने यही बात दोहरायी थी।

खेड़ा ने कहा, मैं दावे के साथ कह सकता हूं, (इसमें) 1942 की भी ये तारीख भी नहीं लिखी होगी, जब हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की मिलीजुली सरकार बनी थी। उस समय कांग्रेस ने तमाम प्रांतीय विधानसभाओं से इस्तीफा देकर सड़क पर उतरने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन का आ ान किया था। उस वक्त हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग ने गठजोड़ किया, गठबंधन किया, सरकारें बनाई एनडब्ल्यूएफपी में, बंगाल में, सिंध में और सिंध की विधानसभा में विभाजन का प्रस्ताव पारित हुआ था।

- कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कई उदाहरण दिए अपनी बात की पुष्टि के लिए।
- खेड़ा ने कहा 1938 में हिंदू महासभा ने अपने अधिवेशन में प्रस्ताव पारित किया था कि हिंदू मुसलमान साथ नहीं रह सकते और 1940 में मुस्लिम लीग ने भी यही प्रस्ताव पारित किया था, एनसीईआरटी मॉड्यूल में इन दोनों बातों का जिक्र नहीं है।
- खेड़ा ने कहा, 1942 में हिंदू महासभा व मुस्लिम लीग ने सिंघ, बंगाल, उत्तरपश्चिम सीमा प्रांत में गठबंधन सरकार बनाई और विधानसभा में विभाजन का प्रस्ताव पारित करवाया, जबकि कांग्रेस तब सभी प्रांतीय विधानसभाओं से इस्तीफा देकर भारत छोड़ो आंदोलन कर रही थी, एनसीईआरटी के मॉड्यूल में इस तथ्य का जिक्र भी नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, उस समय हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग के गठबंधन की सरकार थी। उन्होंने पूछा कि एनसीईआरटी ने क्या उस मॉड्यूल में यह सब लिखा है? अगर नहीं लिखा है तो आग लगा दीजिए इस किताब को। ये है हकीकत। ये हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी से बंटवारा हुआ है। उन्होंने कहा, इतिहास का अगर सबसे बड़ा विलेन कोई है, तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ है। पीढ़ि यां उनको माफ नहीं करेंगी जो उनका योगदान रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुर्मु और मोदी तथा अनेक केन्द्रीय मंत्री सुबह 'सदैव अटल' पहुंचे और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद वहां आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, किरण रिजिजू, गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जदयू सांसद संजय झा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोदी ने वाजपेयी को भारत के विकास और आत्मनिर्भरता की यात्रा का मार्गदर्शक बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर स्मरण। भारत की सर्वांगीण प्रगति के प्रति उनका समर्पण और सेवा भावना सभी को एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेगी।

राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने पर केन्द्र की चेतावनी

केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि इससे संवैधानिक अराजकता पैदा होगी

नई दिल्ली, 16 अगस्त। सरकार ने राष्ट्रपति और राज्यपालों पर विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा थोपने के खिलाफ चेतावनी दी है। केंद्र सरकार ने चेताया कि इससे देश में सांविधानिक अराजकता पैदा हो सकती है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अप्रैल में अपने एक निर्देश में विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीने और राज्यपालों के लिए एक महीने की समय-सीमा निर्धारित की थी ताकि विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय हो सके।

- केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अप्रैल में दिए गए एक निर्देश के जवाब में यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि राष्ट्रपति व राज्यपाल राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर तीन माह के भीतर फैसला करें।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक लिखित निवेदन में कहा कि ऐसी समय-सीमाएं तय करना ऐसा है, जैसा सरकार के किसी अंग द्वारा उन शक्तियों का हड़पना, जो उसमें निहित नहीं हैं। इससे संविधान में उल्लेखित शक्तियों का पृथक्करण बिगड़ सकता है। सरकार ने चेतावनी दी कि इससे सांविधानिक अराजकता पैदा होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपने निवेदन में कहा, अनुच्छेद 142 में निहित अपनी असाधारण शक्तियों के बावजूद भी, सुप्रीम कोर्ट संविधान में संशोधन नहीं कर सकता या संविधान निर्माताओं की मंशा को विफल नहीं कर सकता।

राज्यपाल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गए अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सलाह दी कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर राज्यपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल दिए फैसले में सुझाव देते हुए कहा कि हम ये सलाह देते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचार के लिए भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना जरूरी है। पीठ ने कहा कि इस समयसीमा से ज्यादा की देरी होने पर उचित कारण देने होंगे और इस बारे में संबंधित राज्य को सूचित करना होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल किए थे। इस पर काफी विवाद हुआ था।

ओबामा, बाइडन व ट्रम्प चाहते थे, कि भारत, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर निर्भर हैं। अमेरिका ने भारत की टकराव की इच्छा को गलत आंका, यह भूलकर कि चीन से सीधा संघर्ष भारत के लिए लंबे समय तक भारी आर्थिक और सुरक्षा व्यय ला सकता है। यही अंतर, किसी एक नीति से ज़्यादा, आज के तनाव की असली वजह है।

फिर भी यह कहना गलत होगा कि रिश्ते पूरी तरह टूट रहे हैं। यह एक "रीसैट" जैसा है। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक साझेदारी, रक्षा सौदे और भारतीय प्रवासी समुदाय के मजबूत रिश्ते अभी भी मौजूद हैं। लेकिन रणनीतिक मुद्दों पर भरोसे की कमी बढ़ रही है और कभी प्राकृतिक गठबंधन कहे जाने वाले रिश्ते में अब खिंचाव साफ दिख रहा है।

भारत के लिए चुनौती है कि वह वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच किसी एक को चुनने की सुविधा से एकदम दूर रहे। अमेरिका की तरफ ज़्यादा झुकाव चीन के साथ टकराव ला सकता है, जो भारत नहीं चाहता, वहीं अमेरिका से दूरी पश्चिमी पूंजी, तकनीक और रक्षा ज्ञान से वंचित कर सकती है, जिसकी भारत को आधुनिकीकरण के लिए ज़रूरत है। इसलिए मध्य मार्ग - रक्षा में आत्मनिर्भरता, आर्थिक मजबूती और मल्टी, अलाइनमैंट, यानी कई देशों से संतुलित रिश्ते ही टिकाऊ विकल्प हैं।

इस नज़रिये से, यह कहना कि रिश्ते 20 सालों में सबसे निचले स्तर पर हैं, कुछ बढ़ा-चढ़ा कर कहना होगा, लेकिन दिशा साफ है। अमेरिका ने कभी सच में बराबरी की साझेदारी नहीं चाही; उसने भारत को चीन के खिलाफ एक रणनीतिक संतुलनकर्ता के रूप में देखना चाहा। भारत द्वारा इस भूमिका को ठुकराने से ही आज की खाई बनी है। ट्रंप के ऊँचे शुल्क और पाकिस्तान की तरफ झुकाव ने इसे और चौड़ा किया है। आगे का रास्ता इस पर निर्भर करेगा कि भारत अपनी स्वायत्तता को मज़बूत रखते हुए वॉशिंगटन और बीजिंग, दोनों से अपने विकास और सुरक्षा के लिए लाभ ले सकेगा या नहीं।

नाहरगढ़ की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास पहाड़ी पर सुबह घूमने पहुंचे युवकों ने खाई में नर कंकाल होने की जानकारी पुलिस को दी। इस पर पुलिस टीम को मौके पर भेजकर चेक किया गया। इसके बाद सिविल डिफेंस और एफएसएल की टीम को भी जानकारी दी गई। इसके बाद मौके से नर कंकाल को बरामद कर सबूत जुटाए जा रहे हैं।

शेखावत ने बताया कि कंकाल के कपड़ों से पहचान की जा रही है। इसमें पेंट, शर्ट, नए जूते के आधार पर पहचान का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा, नर कंकाल का सत्तर प्रतिशत मांस जंगली जानवर खा चुके थे। मौके पर सिर्फ खोपड़ी, दांत, पैर-हाथ की हड्डियां, जींस, शर्ट और जूते मिले हैं। डॉक्टरों की टीम ने नर कंकाल की जांच करने के बाद उसे मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस के अनुसार, अगर मृतक किसी के साथ पहाड़ी पर गया था तो साथ वालों ने पुलिस को गुमशुदा होने की जानकारी दी होगी। इसी को लेकर नाहरगढ़ और ब्रह्मपुरी थाना पुलिस इस पर काम कर रही है।

बड़ी उत्कंठा से ट्रम्प-पुतिन मीटिंग का इन्तज़ार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुतिन ने पहले भी कई बार पूर्व सोवियत संघ (यू. एस. एस. आर.) के दौर को स्वर्ण काल बताया है, जब रूस अपने अधीन आने वाले गणराज्यों पर शासन करता था। उस समय यूक्रेन भी एक सोवियत गणराज्य था और सोवियत संघ का अभिन्न अंग था। यही वह "साम्राज्यवादी रूस" है, जिसे व्लादिमीर पुतिन दोबारा स्थापित करना चाहते है।

यह न केवल यूक्रेन के लिए, बल्कि कज़ाख़िस्तान, उज्बेकिस्तान और अन्य मध्य एशियाई देशों के लिए भी चिंता की बात होनी चाहिए, जो अब सोवियत संघ से स्वतंत्र हैं। हालांकि, यह मान लेना गलत होगा कि रूस इन सभी देशों को फिर से अपने अधीन लाने की कोशिश नहीं करेगा।

पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि पूर्व सोवियत संघ का विघटन "20वीं सदी की सबसे बड़ी भू-राजनीतिक त्रासदी" थी, जिसे वे किसी न किसी रूप में पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। पश्चिमी मीडिया ने इस रूसी रवैये की तुलना ट्रंप की "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" नीति से करते हुए, इसे "मेक रशिया ग्रेट अगेन" करार दिया है।

ऐसे मानसिकता में यह कल्पना करना मुश्किल है कि अलास्का में ट्रंप-पुतिन वार्ता यूक्रेन की संप्रभुता का सम्मान करते हुए कोई निष्पक्ष समाधान निकाल पाएगी। रूस का पूरा रुख, यूक्रेन की ज़मीन का अधिक से अधिक हिस्सा हड़पने के एक मात्र ध्येय पर केन्द्रित दिखाई देता है। ज़मीनी स्तर पर रूस अब भी यूक्रेनी नागरिक ठिकानों पर हमले कर रहा है, ताकि आम लोगों में भय का माहौल पैदा हो सके।

- दूसरी ओर ट्रम्प ने, पुतिन के लिए अरबों डॉलर का आकर्षक आर्थिक तोहफा तैयार किया है, जिसमें रूस की खनिज सम्पदा का दोहन व अन्य सौगातें शामिल हैं। पुतिन इन तोहफों पर बातचीत करने के लिए उद्योगपतियों व बिजनेस वाले लोगों का एक प्रतिनिधि मण्डल भी लाये हैं, पर इन पर वार्ता तभी होगी जब पुतिन का यूक्रेन के बारे में प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है।

फिर भी, एंकरेज बैठक आशा की एक किरण बनी हुई है, क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि रूसी टीम अमेरिका के साथ आर्थिक समझौतों को लेकर उत्साहित है, और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूस युद्ध के समाधान पर क्या रुख अपनाता है।

रूसी प्रतिनिधिमंडल एक मज़बूत टीम के साथ आया है, जिसमें व्यवसायी, वित्त मंत्री और प्रमुख आर्थिक वार्ताकार "किरिल दिमित्रिएव" शामिल हैं, जो सऊदी अरब सम्मेलन में भी रूस की ओर से वार्ता कर चुके हैं। दिमित्रिएव रूस के "सॉवरेन वेल्थ फंड (राष्ट्रीय संपत्ति कोष) के प्रमुख भी हैं।

ट्रंप रूस के लिए अरबों डॉलर की निवेश योजनाओं के रूप में एक आकर्षक आर्थिक पैकेज लेकर आए हैं। इसमें रूस के विशाल खनिज संसाधनों के विकास की योजनाएँ भी शामिल हैं। रूसी राष्ट्रपति भी इस बैठक में आर्थिक समझौतों को प्रमुख मुद्दा बनाकर आए हैं।

यह बैठक भारत के लिए भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है, भले ही भारत इस पर बहुत अधिक केन्द्रित न हो। अगर एंकरेज वार्ता सफल रहती है, तो अमेरिका द्वारा लगाए गए सैकेण्डरी सैक्शन्स को हटाया जा सकता है, जो भारत के लिए भी फायदे की बात होगी।

यूट्यूबर ज्योति के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

हिसार, 16 अगस्त। जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ हिसार पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दायर की है। 2500 पेजों की चार्जशीट को 3 महीने की जांच के बाद दायर किया गया है। सूत्रों के मुताबिक ज्योति के खिलाफ पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के पक्के सबूत मिले हैं।

पुलिस ने चार्जशीट में बताया कि वो काफी लंबे समय से जासूसी कर रही थी। वो पाकिस्तानी एंबेसी के अधिकारी एहसान उर रहीम दानिश अली के लगातार संपर्क में थी। ज्योति आईएसआई एजेंट शाकिर, हसन अली और नासिर ढि ल्लो से बात करती थी।

मणिपुर के राज्यपाल को नागालैंड का भी प्रभार

नई दिल्ली, 16 अगस्त। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को शनिवार को नागालैंड के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह पद नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन के निधन के बाद रिक्त हुआ था। 80 वर्षीय गणेशन का शुक्रवार को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था।

सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन के निधन के उपरांत, भारत के राष्ट्रपति ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को नगालैंड के राज्यपाल के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के साथ-साथ अतिरिक्त कार्यभार संभालने के लिए नियुक्त किया है।

आईएएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) अजय कुमार भल्ला को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल ही मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया था। अजय कुमार भल्ला 1984 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। अजय कुमार भल्ला को 22 अगस्त, 2019 को केन्द्रीय गृह सचिव नियुक्त किया गया था। उन्होंने 22 अगस्त 2024 तक लगभग पांच वर्षों तक भारत के गृह सचिव के रूप में कार्य किया।

वैश्विक राजनीति की मजबूरियां करीब ला रही हैं भारत और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

पिछले साल दिसंबर में डोभाल चीन गए थे और वांग के साथ एसआर वार्ता की थी। इससे कुछ सप्ताह पूर्व, प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रूस के कज़ान शहर में हुई बैठक के दौरान, विभिन्न संवाद तंत्रों को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी के इसी महीने के अंत में चीन यात्रा पर जाने की संभावना है, जहाँ वे एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

योजना के अनुसार, मोदी 29 अगस्त को जापान की यात्रा पर जाएंगे और फिर वहाँ से सीधे चीन के उत्तरी शहर तियानजिन रवाना होंगे, जहाँ 31 अगस्त और 1 सितंबर को शिखर सम्मेलन आयोजित होना है।

प्रधानमंत्री की यह चीन यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों के सुधार के प्रयासों के बीच हो रही है, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई घातक झड़पों के बाद गंभीर रूप से बुरी तरह प्रभावित हो गये थे।

मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध और जून में गलवान घाटी की झड़पों के परिणामस्वरुप द्विपक्षीय सम्बन्ध काफी तनावपूर्ण हो गये थे।

यह गतिरोध प्रभावी रूप से उस समय समाप्त हुआ था, जब 21 अक्टूबर 2024 को डेमचोक और डेपसांग से सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई थी।

मोदी और शी जिनपिंग के बीच 23 अक्टूबर 2024 को कज़ान में हुई बैठक में विभिन्न संवाद तंत्रों को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया था।

यह बैठक उस समझौते के दो दिन बाद हुई थी, जिसमें भारत और चीन ने डेपसांग और डेमचोक से सेनाओं की वापसी सुनिश्चित हो गई थी।

दोनों देशों ने रिश्तों को सुधारने के लिए कई पहल की हैं, जैसे कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली और भारत द्वारा चीनी नागरिकों को पर्यटक वीज़ा जारी करना शुरू किया जाना।

इसके अलावा, दोनों पक्षों के बीच सीधी उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के तौर-तरीकों पर भी चर्चा हो रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एस. जयशंकर पिछले दो महीनों में एससीओ की बैठकों में भाग लेने के लिए चीन जा चुके हैं।

वर्तमान में चीन एससीओ का अध्यक्ष है।

इससे पहले गुरुवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जिआन ने वांग की भारत यात्रा की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "हम भारत के साथ मिलकर, दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण साझा समझ पर काम करने, उच्च स्तरीय संवाद की गति बनाए रखने, राजनीतिक आपसी विश्वास मजबूत करने, व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने, मतभेदों को ठीक से संभालने और चीन-भारत संबंधों के स्थिर और स्वस्थ विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं।"

उन्होंने कहा, "चीन और भारत दोनों प्रमुख विकासशील देश हैं और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

एक-दूसरे को सफलता की ओर ले जाने वाले साझेदारों के रूप में ड्रैगन और हाथी का सहयोगात्मक नृत्य दोनों पक्षों के लिए सही विकल्प है।"

भारत और चीन के बीच तनाव कम करने के प्रयासों में तेजी आई है, जबकि वाशिंगटन के साथ भारत के संबंध व्यापार विवादों के चलते तनावपूर्ण बने हुए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908